वर्ष : 19 अंक : 18 लखनऊ मंगलवार, 3 फरवरी, 2026 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

मूल्य ₹4

ई-पेपर पढ़ने के लिए स्कैन करें हमारा क्यू आर कोड

नगर संस्करण **

मौसम

सूर्योदय	:	6:45
सूर्यास्त	:	5:14
अधिकतम	:	25:00°
न्यूनतम	:	10:00°

आधी आबादी को बना रहे हैं सशक्त और आत्मनिर्भर : हेमन्त सोरेन

10

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं, दोषियों पर करें कड़ी... 2 | बजट-2026 : रोना हंसना दोनों मना 6 | अब तक क्यों नहीं छपी नरवणे की पुस्तक? 12

राहुल के बयान पर हंगामा, लोकसभा स्थगित

स्पीकर ने माइक बंद कराया, जनरल नरवणे की अनपब्लिश बुक के संस्मरण बता रहे थे नेता प्रतिपक्ष

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को राहुल गांधी के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक का हवाला देते हुए कहा- चार चीनी टैंक लद्दाख बॉर्डर के पास पहुंच गए थे। राहुल के इतना कहते ही पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फिर गृह मंत्री शाह ने उन्हें टोका। इसके बाद स्पीकर ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें रोका। राहुल करीब 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश करते रहे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 3 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही राहुल ने बोलना शुरू किया। लेकिन हंगामे के चलते महज 9 मिनट बाद ही कार्यवाही शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। शाम 4 बजे भी कार्यवाही शुरू होते ही फिर हंगामा हुआ और 11 मिनट बाद कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। राहुल गांधी को राजनाथ ने 11 बार, शाह ने 7 बार टोका। इसके अलावा किरेन रिजिजू ने 2 बार और अनुराग ठाकुर ने 6 बार रोका।

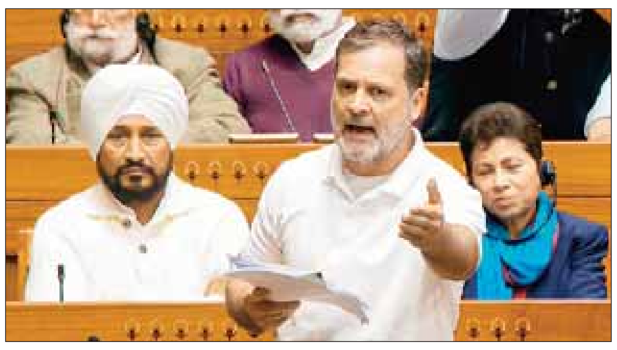

राहुल गांधी ने सदन में कहा, डोकलाम में चीनी टैंक भारत की सीमा में पहुंच गए थे। मैं यह बात एक मैगजीन के आर्टिकल के हवाले से कह रहा हूं। जिसमें पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश बुक (मेमॉयर) को कोट किया गया है। इस पर राजनाथ सिंह खड़े हुए और बोले, 'अगर ये बातें प्रकाशित हुई हैं तो इसका जिक्र करें नहीं तो छोड़ दें।' राहुल बोले- 'आप सब ध्यान से सुनें कि मैं क्या पढ़ रहा हूं इससे पता चल जाएगा कि कौन देशभक्त है और कौन नहीं। चार चीनी टैंक भारत की धरती पर आ रहे थे। वे कुछ 100 मीटर ही दूर थे।' स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि राहुल जी आप सदन में नेता विपक्ष हैं। सांसद प्रियंका ने एक बात कही थी तो उन्होंने ऑथेंटिक स्तर पर प्रस्तुत किया था। आपसे भी यही अपील है' राहुल ने कहा, 'ये सौ प्रतिशत ऑथेंटिक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल बताएं कि क्या यह प्रकाशित हुआ है या नहीं केवल इतना बताएं।' लोकसभा में एनडीए और विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। ओम बिरला ने कहा कि रक्षामंत्री सही कह रहे हैं। आप सदन में इसका जवाब दें। आप सदन में है, विपक्ष के नेता हैं सही नियम से चलें। राहुल ने कहा कि नरवणे की अनपब्लिश बुक में रक्षामंत्री और प्रधानमंत्री का जिक्र है। मैं वही बता रहा हूं। राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल जिस किताब के बारे में बोल रहे हैं वह किताब प्रकाशित नहीं हुई है।

अमित शाह ने बताया कि वह मैग्जीन की रिपोर्ट है, नरवणे जी ने ऐसा नहीं कहा है। मैगजीन तो कुछ भी लिख सकता है। ओम बिरला ने कहा कि अखबार की कटिंग ही सदन में चल सकती है, इसके अलावा कुछ नहीं रख सकते। राहुल ने कहा, ये सब नरवणे ने कहा है। उनकी किताब को प्रकाशित नहीं करने दिया गया है। अमित शाह ने कहा- राहुल ने खुद कह दिया है कि पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है। अब बात ही खत्म हो जाती है। जो बुक पब्लिश ही नहीं है उसका जिक्र कैसे कर सकते हैं। ओम बिरला ने माइक का कंट्रोल बंद करने का निर्देश दिया। राजनाथ बोले कि सदन के नियमों का उल्लंघन न करें राहुल जी। मैं केवल यह चाहता हूं कि राहुल वह किताब ले आएं मैं देखना चाहता हूं। मैं दावे से कह रहा हूं कि वह किताब पब्लिश ही नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि एक मैगजीन है उसमें एक आर्टिकल है मैं उसको कोट कर रहा हूं। राजनाथ ने लोकसभा अध्यक्ष से कहा कि सदन में इस मुद्दे पर बोलने की परमिशन नहीं दी जानी चाहिए।

पुस्तक के अंश जिन्हें राहुल गांधी कोट कर रहे थे

तारीख : 31 अगस्त, 2020

रात 8 .15 बजे : भारतीय सेना की नॉर्दर्न कमांड के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल योगेश जोशी को फोन पर जानकारी मिली कि चीन की पैदल सेना के समर्थन के साथ चार चीनी टैंक पूर्वी लद्दाख में रेचिन ला की ओर जाती एक खड़ी पहाड़ी पगडंडी पर आगे बढ़ रहे हैं।

रात 8 .15–8 .30 बजे के बीच : लेफ्टिनेंट जनरल योगेश जोशी ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे को जानकारी दी। चीनी टैंक कैलाश रेंज पर भारतीय ठिकानों से कुछ सौ मीटर की दूरी पर थे। इसके बाद भारतीय सैनिकों ने चेतावनी के तौर पर एक रोशनी वाला गोला दागा, लेकिन इसका चीनी टैंकों पर कोई असर नहीं हुआ और वे आगे बढ़ते रहे।

रात 8 .30 बजे के बाद : सेना प्रमुख नरवणे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और विदेश मंत्री एस . जयशंकर से संपर्क कर स्पष्ट निर्देश मांगे।

रात 9 .10 बजे : लेफ्टिनेंट जनरल योगेश जोशी ने फिर फोन किया। बताया गया कि चीनी टैंक अब दर्रे से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर रह गए हैं।

रात 9 .25 बजे : सेना प्रमुख नरवणे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दोबारा फोन कर "स्पष्ट निर्देश" मांगे, लेकिन कोई फैसला नहीं मिला। इसी दौरान पीएलए कमांडर मेजर जनरल ल्यू लिन का संदेश आया, जिसमें तनाव कम करने का प्रस्ताव दिया गया—दोनों पक्ष आगे की गतिविधियां रोकें और अगले दिन सुबह 9 .30 बजे स्थानीय कमांडरों की बैठक हो।

रात 10 .00 बजे : नरवणे ने चीनी कमांडर का प्रस्ताव रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और एनएसए अजित डोभाल तक पहुंचाया।

रात 10 .10 बजे; नॉर्दर्न कमांड से फिर सूचना मिली कि चीनी टैंक नहीं रुके हैं और अब चोटी से सिर्फ 500 मीटर दूर हैं। जोशी ने बताया कि उन्हें रोकने का एकमात्र तरीका मीडियम आर्टिलरी से फायर खोलना है।

रात 10 .10 बजे –10 .30 बजे के बीच : सेना मुख्यालय में विकल्पों पर चर्चा होती रही। पूरा नॉर्दर्न फ्रंट हाई अलर्ट पर रखा गया।

कांग्रेस वह जमीन ला सकती है जो चीन ने कब्जायी?

नयी दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने बार–बार नियम तोड़े, सदन का समय बर्बाद किया और स्वयं को संसद से ऊपर समझा। बाद में सदन से बाहर रिजिजू ने कांग्रेस से सवाल किया कि 1959 और 1962 में चीन ने जो भारतीय जमीन कब्ज़ाई थी, क्या कांग्रेस उसे वापस दिला सकती है? उन्होंने राहुल गांधी से देश से माफी माँगने की भी मांग की और कहा कि लोकतंत्र नियमों से चलता है, पारिवारिक विरासत से नहीं। रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, ₹हम सभी राहुल गांधी का भाषण सुनने के लिए बैठे थे। लेकिन शुरू से ही राहुल गांधी ने नियमों का उल्लंघन किया और एक ऐसी किताब से कोट करना शुरू कर दिया जिसका प्रकाशन और प्रामाणिकता स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई है।₹ बयान में रिजिजू ने कहा, ₹रक्षा मंत्री (राजनाथ सिंह) और हम सभी ने कहा कि सदन नियमों के अनुसार चलेगा और नियमों के अनुसार ही बोलना चाहिए... लोकसभा स्पीकर के फैसले के बाद भी राहुल गांधी वही गलती दोहराते रहे... उन्होंने आधा घंटा बर्बाद किया(नियमों

पता नहीं 56 इंच की छाती को क्या हो गया: राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें लोकसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर बोलने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात से डरी हुई है कि अगर पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे की पुस्तक की बातें सामने आ जाएंगी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की असलियत देश को पता चल जाएगी। राहुल गांधी ने लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि देश को यह भी पता चलेगा कि जब चीन के सैनिक आगे बढ़ रहे थे तो '56 इंच की छाती' का क्या हुआ था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। मेरा कहना है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। यह पूर्व सेना प्रमुख की रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री से बातचीत के बारे में है। मोदी जी ने उनसे क्या कहा, राजनाथ जी ने क्या आदेश दिए, इस बारे में बोलना चाहता हूं। पता नहीं क्यों डरे हुए हैं?' उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार डरी हुई है कि अगर जनरल नरवणे की किताब में लिखी बातें सामने आ गईं, तो नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह की असलियत देश को पता चल जाएगी और यह भी पता चल जाएगा कि जब चीन हमारी तरफ आ रहा था।

जाति गणना सिर्फ सेल्फ डिक्लेरेशन के आधार पर नहीं

भरोसेमंद तरीके या सुबूत के आधार पर करें गणना : सुप्रीम कोर्ट

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि 2027 की जनगणना में जाति गणना सिर्फ सेल्फ डिक्लेरेशन के आधार पर नहीं होनी चाहिए। इसके बजाय इसे किसी भरोसेमंद तरीके से या सबूत के आधार पर करने पर विचार करें। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने आकाश गोयल की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केवल बिना जांच वाले सर्टिफिकेट के आधार पर किसी को शामिल या बाहर नहीं किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुक्ता गुप्ता ने कहा कि वे जाति जनगणना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे सत्यापित सामग्री के आधार पर किया जाना जरूरी है। यह डेटा कई सालों तक योजनाओं, आरक्षण और नीतियों का आधार बनेगा, इसलिए यह सिर्फ आत्म-घोषणा पर आधारित नहीं होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जनगणना एक विशेष और तकनीकी प्रक्रिया है। यह तय करना जनगणना अधिकारियों और विशेषज्ञों का काम है कि डेटा कैसे इकट्ठा किया जाए। हालांकि, याचिकाकर्ता की चिंताओं को प्रतिनिधित्व के रूप में सामने रखा जा सकता है। आपने सराहनीय काम किया है। आपने अधिकारियों का ध्यान इस मुद्दे की ओर दिलाया है और उन्हें संवेदनशील भी किया है। अगर इसके बावजूद कोई गलती होती है, तो कानून अपना रास्ता खुद तय करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जनगणना अधिनियम, 1948 और 1990 में बने नियमों के तहत होती है। इन नियमों के अनुसार जनगणना के विवरण और प्रक्रिया तय करने का अधिकार संबंधित अधिकारियों को है। यह न्यायिक सुनवाई का विषय नहीं है। कोर्ट को भरोसा है कि विशेषज्ञों की मदद से एक मजबूत व्यवस्था बनाई गई होगी, जिससे गलतियों की आशंका न रहे। हम सिर्फ इतना कर सकते हैं कि अधिकारियों को यह निर्देश दें कि वे इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर विचार करें। सीनियर वकील मुक्ता गुप्ता ने कहा कि हम प्रमाण पत्र की पूरी जांच की बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन कुछ न कुछ सामग्री होनी चाहिए। आज स्थिति यह है कि सब कुछ आत्म-घोषणा पर आधारित है। बिना सत्यापन की आत्म-घोषणा बेहद खतरनाक हो सकती है, क्योंकि कोई भी कुछ भी बता सकता है।

जनगणना 2027 पर करीब 13,500 करोड़ का खर्च आने का अनुमान है और इसका सीधा असर देश की सभी कल्याणकारी योजनाओं और आरक्षण नीतियों पर पड़ेगा। उन्होंने आशंका जताई कि अगर इस प्रक्रिया में गलत या अप्रमाणित डेटा दर्ज हो गया, तो उसे बाद में सुधारना लगभग असंभव होगा।

आम बजट से यूपी के विकास को मिलेगी रफ्तार : योगी

प्रदेश पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर की प्रेस कांफ्रेंस, फायदे गिनाये

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आम बजट 2026-27 को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने जो विकास यात्रा तय की है, उसका प्रत्यक्ष लाभ अब जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। यह बजट रिफॉर्म, ग्रोथ और फिस्कल डिसिप्लिन का संतुलित दस्तावेज है, जो नए भारत के निर्माण के साथ-साथ उत्तर प्रदेश को विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। सीएम योगी ने विश्वास जताया कि आम बजट 2026-27 उत्तर प्रदेश को 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य में अग्रणी भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में रिफॉर्म, ग्रोथ और फिस्कल डिसिप्लिन तीनों का संतुलित समावेश स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इन तीनों तत्वों को एक सूत्र में पिरोकर यह बजट आने वाली पीढ़ियों को जोड़ते हुए एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करता है। यह बजट किसान, युवा, महिला और गरीब, सभी वर्गों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। स्वाभाविक रूप से, इसके माध्यम से देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की अपेक्षाओं और विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट का सबसे महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव डालने वाला पहलू एसएमई के लिए 10,000 करोड़ रुपये के प्रावधान की घोषणा है।

उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश का नेतृत्व करता है और प्रदेश के पास देश का सबसे बड़ा एमएसएमई आधार है। वर्तमान में, उत्तर प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयां सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से करीब तीन करोड़ लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका और आर्थिक प्रगति से जुड़े हुए हैं। सीएम ने कहा कि यह फंड विशेष रूप से ओडीओपी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा, जिसे उत्तर प्रदेश ने ब्रांडिंग, डिजाइनिंग, पैकेजिंग और एक्सपोर्ट से जोड़कर सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है।

अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25% से घटाकर 18% किया

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 25% रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ को 7% घटाकर 18% कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करके इसके बारे में जानकारी दी। ट्रम्प ने यह भी कहा कि पीएम मोदी रूसी तेल खरीदना बंद करके अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने पर राजी हो गए हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने ट्वीट करके कहा- यह जानकार खुशी हुई कि अब मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स पर टैरिफ घटकर 18% हो जाएगा। हालांकि दोनों नेताओं ने रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाए गए 25% एक्स्ट्रा टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया।

अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था। पहली बार 1 अगस्त को व्यापार घाटे को लेकर 25% टैरिफ लगाया गया। इसके बाद 27 अगस्त को रूस से तेल खरीदने की वजह से 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा- आज सुबह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और अपने देश के एक मजबूत और सम्मानित नेता हैं।

हमने कई मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें व्यापार और रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने का विषय भी शामिल था।

भारत नहीं मानेगा सिंधु जल संधि पर सीओए का कोई आदेश

दिखाया आईना, कहा– यह कोर्ट ही अवैध, हम सुनवाई में ही शामिल नहीं होंगे

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। पाकिस्तान सिंधु जल संधि पर कोर्ट-कोर्ट खेल रहा है। दूसरी ओर भारत का रूख पहले से ही स्पष्ट है। अब भारत ने सिंधु जल संधि से जुड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश को स्पष्ट रूप से मानने से इनकार कर दिया है। भारत का कहना है कि यह कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन अवैध रूप से गठित है और इसके आदेशों को भारत मान्यता नहीं देता। भारत ने कहा कि वह इस कोर्ट की सुनवाई में ही शामिल नहीं होगा। पाकिस्तान एकतरफा अपनी बात प्रस्तुत करेगा।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय अदालत ने भारत को निर्देश दिया था कि वह अपने जलविद्युत संयंत्रों के परिचालन रिकॉर्ड (विशेष रूप से बगलिहार और किशनगंगा परियोजनाओं के पोंडेज लॉगबुक) प्रस्तुत करे, ताकि आगे की सुनवाई में इनका उपयोग किया जा सके। अदालत ने 9 फरवरी 2026 तक इन दस्तावेजों को सौंपने या अनुपालन न करने पर औपचारिक स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है।

दरअसल, हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय सिंधु जल संधि के ढांचे के तहत नई सुनवाई और दस्तावेज आदेशों के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इन कार्यवाहियों की वैधता को मान्यता नहीं देता और इनमें भाग नहीं लेगा। बता दें कि विवाद का मुख्य केंद्र बिंदु सिंधु जल संधि के तहत गठित मध्यस्थता न्यायालय द्वारा पिछले सप्ताह जारी किया गया एक आदेश है, जिसमें भारतीय जलविद्युत संयंत्रों से संबंधित 'पोंडेज लॉगबुक' को 'गुण-दोष पर दूसरे चरण' के हिस्से के रूप में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि कोर्ट ने हेग के पीस पैलेस में 2-3 फरवरी को सुनवाई निर्धारित की है और यह भी दर्ज किया है कि भारत ने कोई प्रति-स्मृति पत्र दाखिल नहीं किया है और न ही भागीदारी का कोई संकेत दिया है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि 'तथाकथित अवैध रूप से गठित' तटस्थ विशेषज्ञ के अलावा) समानांतर कार्यवाही जारी रखे हुए है। चूंकि हम सोओए की वैधता को मान्यता नहीं देते, इसलिए हम इसके किसी भी संचार का जवाब नहीं देते। इसके अलावा, क्योंकि सिंधु जल संधि स्थगित है, इसलिए भारत जवाब देने के लिए बाध्य नहीं है।

बता दें कि भारत ने अप्रैल में पहलगाम में हुए हमले के बाद औपचारिक रूप से सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। तब से ही इस मुद्दे को लेकर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गाल बजा रहा है। पिछले 9 महीनों में पाकिस्तान ने कई देशों की राजधानियों में प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं, संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखे हैं, दस से अधिक कानूनी कार्रवाइयां शुरू की है और कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं।

लंदन में एआई के विमान के फ्यूल स्विच में मिली खराबी

नयी दिल्ली/एजेंसी

लंदन। हीथ्रो हवाई अड्डे से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइन को फ्लाइट ऑपरेशन से हटा दिया गया है। एयरलाइन के मुताबिक, फ्लाइट एआई 132 को उड़ान भरनी थी, लेकिन पायलट ने बताया कि प्लेन का फ्यूल कंट्रोल स्विच इंजन स्टार्ट करने के दौरान 2 बार पोजिशन से कटऑफ हुआ। इसके बाद प्लेन को ऑपरेशन से हटा दिया गया। प्लेन में आई खराबी की जांच में ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर को शामिल किया गया है। मामले की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को भी दी गई है।

एयरलाइन ने बताया कि डीजीसीए के निर्देश के बाद उसने अपने पूरे बोइंग787 फ्लीट के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच की थी, जिसमें कोई समस्या सामने नहीं आई थी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश भी फ्यूल कंट्रोल स्विच इंजन स्टार्ट करने में दिक्कत की वजह से हुआ था। फ्यूल कंट्रोल स्विच विमान के कॉकपिट में थ्रस्ट लीवर के पास होते हैं। ये इंजन में फ्यूल की सप्लाई को कंट्रोल करते हैं।

» दावा– अहमदाबाद प्लेन क्रैश में भी यही हुआ

टैरिफ पर कांग्रेस ने कसा भारत सरकार पर तंज

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड डील का ऐलान कर दिया है। एक बार फिर ऐसा हुआ है कि भारत सरकार के किसी फैसले की जानकारी ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी है। कांग्रेस ने इस पर तंज कसते हुए आत्मनिर्भरता की जगह ट्रंप निर्भरता करार दिया है। रमेश यही नहीं रुके, उन्होंने कहा कि साफ हो गया है कि पीएम मोदी ने आत्मसमर्पण कर दिया है। भारत के सारे अहम मुद्दों की जानकारी हमें अमेरिका के राष्ट्रपति से लेनी पड़ रही है।

भारत के बारे में अमेरिका से शेयर की गई जानकारी पर जयराम रमेश ने तीखा तंज कसा। उन्होंने लिखा, "उन्होंने वाशिंगटन डीसी से ऑपरेशन सिंदूर रोकने की घोषणा की। उन्होंने वाशिंगटन से ही रूस और वेनेजुएला से भारत द्वारा तेल की खरीद पर अपडेट की घोषणा की।

चुनाव आयोग और ममता बनर्जी के बीच चल रहा खुलकर घमासान

बदसलूकी... मेज पीटी और बैठक छोड़कर चली गईं, दीदी पर चुनाव आयोग का बड़ा आरोप

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'अहंकारी' और 'झूठा' होने का गंभीर आरोप लगाया, जबकि चुनाव आयोग ने उनके आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। आयोग के सूत्रों ने दावा किया कि बैठक में ममता बनर्जी ने झूठे आरोप लगाए, दुर्व्यवहार किया, मेज पर हाथ पटका और बीच में ही बैठक छोड़कर चली गईं। सूत्रों ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बनर्जी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कानून का शासन पूरी तरह कायम रहेगा।

सूत्रों के मुताबिक, सीईसी ने उनके सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कानून का राज सर्वोपरि रहेगा और जो कोई भी कानून को अपने हाथ में लेगा, उसके खिलाफ कानून के प्रावधानों और आयोग को मिली शक्तियों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूत्र ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य चुनाव आयुक्तों के विनम्र रवैये के बावजूद, बनर्जी ने कथित तौर पर अनुचित व्यवहार किया। सूत्र ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस नेता ने झूठे आरोप लगाए, दुर्व्यवहार किया, मेज पटकी और चली गईं।

चुनाव आयोग के सूत्रों ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के नेता और विधायक चुनाव अधिकारियों को निशाना बना रहे हैं। उनका कहना है कि टीएमसी विधायक चुनाव आयोग और खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ खुलेआम अपशब्द और धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। सूत्रों ने आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं और विधायकों द्वारा ईआरओ (कार्यालयों में तोड़फोड़ की घटनाएं भी हुई हैं।

चुनाव आयोग ने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों को बिना किसी दबाव के काम करने दिया जाना चाहिए। मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन से जुड़े कार्य में लगे अधिकारियों पर किसी भी तरह का दबाव, बाधा या हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। इस दौरान आयोग ने प्रशासनिक चिंताओं को भी उठाया और कहा कि बूथ स्तरीय अधिकारियों का मानदेय पूरी तरह नहीं दिया गया है। एक सूत्र ने बताया कि प्रत्येक बीएलओ को 18000 रुपये में से अब तक केवल 7000 रुपये ही मिले हैं।

सूत्रों ने आगे बताया कि राज्य में तैनात ईआरओ और एईआरओ अपेक्षित रैंक के नहीं थे। आयोग ने 20 जनवरी को रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुसार प्रस्ताव मांगे थे, लेकिन वर्तमान में केवल 67 विधानसभा क्षेत्रों में एसडीओ या एसडीएम रैंक के रिटर्निंग ऑफिसर तैनात हैं।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार पर प्रक्रियागत खामियों का भी आरोप लगाया, जिसमें आयोग से परामर्श किए बिना तीन मतदाता सूची पर्यवेक्षकों का तबादला करना शामिल है।

इतना अहंकारी चुनाव आयुक्त तो देखा ही नहीं

इससे पहले ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बातचीत में मुख्य चुनाव आयुक्त पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा कि मैं बहुत दुखी हूं। मैं दिल्ली की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हूं। मैं चार बार मंत्री और सात बार सांसद रह चुकी हूं। मैंने कभी ऐसा चुनाव आयुक्त नहीं देखा जो इतना अहंकारी और इतना झूठा हो। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग पर अपने राज्य को चुनिंदा रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाया और मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि बंगाल को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है? लोकतंत्र में चुनाव एक त्योहार की तरह होते हैं, लेकिन आपने 58 लाख लोगों के नाम हटा दिए और उन्हें अपना बचाव करने का मौका भी नहीं दिया।

यूपी में विद्युत बिल में 10% इजाफे पर नोटिस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में फरवरी महीने के बिजली बिल में करीब 10 प्रतिशत बढ़ोतरी को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस मामले में राज्य विद्युत नियामक आयोग ने यूपी पावर कॉरपोरेशन को नोटिस जारी किया है। आयोग ने बिजली बिल में हुए इस इजाफे के आकलन पर सवाल उठाते हुए पावर कॉरपोरेशन से जवाब मांगा है। नियामक आयोग का कहना है कि फरवरी के बिजली बिल में 10 प्रतिशत की वृद्धि का जो आकलन किया गया है, वह स्पष्ट नहीं है। आयोग ने सवाल उठाया कि जब जनवरी महीने में ईंधन खरीद में कोई अतिरिक्त रकम नहीं लगी, तो फरवरी में अचानक 10 प्रतिशत का इजाफा कैसे हो गया। आयोग ने यह भी संकेत दिया कि इस बढ़ोतरी के पीछे जो भी कारण बताए जा रहे हैं, उन्हें ठोस तथ्यों और दस्तावेजों के साथ स्पष्ट करना जरूरी है।

एक नजर

यूपी के आठ मेडिकल कालेजों में कार्यवाहक प्राचार्य की तैनाती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के आठ स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यवाहक प्रधानाचार्यों की नियुक्ति की है। लंबे समय से यह पद रिक्त थे। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कानपुर में वर्तमान उप प्रधानाचार्य डॉ.हरप्रीत सिंह को कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाया गया है। सोनभद्र मेडिकल कालेज में डॉ.आनन्द कुमार,अमेठी मेडिकल कालेज में डॉ.योगेश कुमार यादव और कुशीनगर मेडिकल कालेज में डॉ.सुभाष गुप्ता को कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाया गया है। इसी तरह बुलन्दशहर के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में डॉ.संजय कुमार मिश्र और गोण्डा मेडिकल कालेज में डॉ.बीना सिंह को कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाया गया है। इसके अलावा सुलतानपुर मेडिकल कालेज में प्रो. प्रियांक वर्मा और बिजनौर मेडिकल कालेज में डॉ.तुहिन वशिष्ठ को कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाया गया है।

यूपी में 9.8 करोड़ बच्चों को खिलाई जाएगी कीड़े मारने की दवा

लखनऊ। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में 10 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित होगा। इस अवसर पर बच्चों को पेट के कीड़ों से बचाव के लिए एल्बेंडाजाल दवा खिलाई जाएगी। जो बच्चे इस दिन दवा सेवन से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 13 फरवरी को मॉप-अप राउंड के अंतर्गत दवा दी जाएगी। यह जानकारी सोमवार को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. सतीश कुमार गौतम ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। डॉ.गौतम ने बताया कि 21 जनपदों के 64 चयनित ब्लॉकों/शहरी क्षेत्रों/प्लानिंग यूनिट्स में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वजन दवा सेवन (आईडीए) अभियान संचालित किया जाएगा। इन क्षेत्रों में कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन नहीं होगा, क्योंकि आईडीए अभियान के तहत एल्बेंडाजाल पहले से ही दी जाएगी। स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों पर भी खिलाई जायेगी दवा एल्बेंडाजाल सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से खिलाई जाएगी। स्कूल न जाने वाले बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए दवा दी जाएगी। अध्यापक एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता बच्चों को अपने सामने दवा सेवन कराना सुनिश्चित करेंगे तथा यह ध्यान रखा जाएगा कि किसी भी बच्चे को खाली पेट दवा न दी जाए।

रेशम उद्योग को नई उड़ान सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स का हुआ शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के पारंपरिक और ग्रामीण उद्योगों को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसके तहत, रेशम उद्योग के सुदृढ़ीकरण, शुद्ध रेशमी वस्त्रों की पहचान तथा आमजन को रेशम उत्पादन की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराने के उद्देश्य से प्रदेश में सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना की गई है। इस केंद्र का उद्घाटन सोमवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने किया। सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स में सॉयल टू सिल्क की समस्त विधाओं, नर्सरी विकास, शहतूत वृक्षारोपण, रेशम कीट पालन, कोया उत्पादन, धागाकरण से लेकर साड़ी एवं परिधान निर्माण तक का चरणबद्ध और व्यावहारिक प्रदर्शन किया जाएगा। यह केन्द्र न केवल प्रशिक्षण और जागरूकता का माध्यम होगा, बल्कि एक्जीबिशन, मार्केटिंग कम सेल सेंटर के रूप में भी कार्य करेगा, जहां शुद्ध रेशमी वस्त्रों और परिधानों का सीधा विक्रय किया जाएगा। इससे स्थानीय बुनकरों, कारीगरों, किसानों और स्वयं सहायता समूहों को सीधा बाजार उपलब्ध होगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रेशम निदेशालय परिसर में स्थापित यह सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जहां रेशम उत्पादन की पूरी श्रृंखला का प्रत्यक्ष एवं जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां रेशम कीट से धागा बनने की प्रक्रिया, धागाकरण एवं वस्त्र निर्माण की संपूर्ण विधि को एक ही स्थान पर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व में यह स्थल अनुपयोगी अवस्था में था, जिसे विभागीय प्रयासों से आधुनिक, भव्य एवं उपयोगी स्वरूप प्रदान किया गया है। अब यह केन्द्र प्रदेश मुख्यालय पर देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों के लिए रेशम उद्योग की पहचान का प्रमुख केन्द्र बनेगा।

बजट से प्रदेश के विकास को मिलेगा नया आयाम : एके शर्मा

लखनऊ। केंद्रीय बजट समावेशी विकास और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाली मजबूत आधारशिला है। यह बजट समाज के सभी वर्गों– गरीब, मध्यम वर्ग, युवा, व्यापारी और शहरी-ग्रामीण आबादी-को साथ लेकर आगे बढ़ने वाला बजट है, जिसमें सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और समेकित विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है। यह बात उप्र के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कही। श्री शर्मा ने इस जनहितकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उनका विशेष आभार जताया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से मिलकर उत्तर प्रदेश को विशेष प्राथमिकता देने के लिए उनका भी आभार जताया है।मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। बजट में किए गए प्रावधान सरकार की स्पष्ट सोच और दीर्घकालीन विकास रणनीति को दर्शाते हैं। बजट में सौर ऊर्जा से संबंधित प्रावधानों के संबंध में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सोलर ग्लास के मुख्य घटक सोडियम एंटीमोनाइट को कस्टम ड्यूटी से छूट दिए जाने से पीएम सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय तेजी आएगी। इससे न केवल स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में देश तेजी से आगे बढ़ेगा।

बलरामपुर अस्पताल के स्थापना दिवस समारोह आज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कीराजधानी लखनऊ स्थित बलरामपुर संयुक्त चिकित्सालय का 157वां स्थापना दिवस समारोह आज तीन फरवरी को अस्पताल परिसर में मनाया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह करेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अस्पताल परिसर में एक लिफ्ट और सोलर पैनल का भी उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी बलरामपुर संयुक्त चिकित्सालय की निदेशक डॉक्टर कविता आर्य ने सोमवार को दी।

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं, दोषियों पर करें कड़ी कार्रवाई : योगी

सभी प्रार्थियों से मिलकर मुख्यमंत्री ने समस्याओं के उचित निस्तारण का दिया आश्वासन

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में एक-एक कर सभी प्रार्थियों से मुलाकात की। उनका प्रार्थना पत्र लेकर समस्याओं के उचित निस्तारण का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों, राजस्व से जुड़े अधिकारियों व पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए लोगों की समस्याएं सुनें और जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करें।जनता दर्शन में पहुंची एक बच्ची ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सैल्यूट किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी ने उसे आशीर्वाद देते हुए खूब मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अवैध कब्जे से जुड़े कुछ प्रकरण भी आए। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों की बातें सुनीं, फिर प्रार्थना पत्र लेते हुए उचित कार्रवाई करने का आदेश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने जनपदों में तैनात अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे वहां भी समस्याएं सुनते हुए प्रार्थियों को न्याय दिलाएं और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें। एक महिला अपने बच्चे के साथ पहुंचीं। उनके बच्चे का केजीएमयू में इलाज चल रहा है। महिला ने मुख्यमंत्री से इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता दिलाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ प्रदेशवासी मेरा परिवार हैं। सरकार सभी के सुख-दुख में खड़ी है। पहले दिन से ही इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। आगे भी यह क्रम चलता रहेगा। धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। जनता दर्शन में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी पहुंचे। प्रार्थियों से मिलने के क्रम में मुख्यमंत्री एक महिला के पास पहुंचे और उनका प्रार्थना पत्र लिया। महिला के साथ आई बच्ची ने मुख्यमंत्री योगी को देख उन्हें सैल्यूट किया। इस पर मुस्कुराते हुए उन्होंने बच्ची से उसका नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को चॉकलेट दी और कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ाई करो। जनता दर्शन में मां के संग आई एक बच्ची ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कविता सुनाई। बच्ची की कविता सुनकर मुख्यमंत्री ने उसकी खूब तारीफ की। मुख्यमंत्री ने बच्ची से पूछा कि स्कूल जाएगी, मेहनत से पढ़ेगी? बच्ची के हां कहने पर मुख्यमंत्री ने एडमिशन कराने का आदेश दिया। बच्ची ने मुख्यमंत्री योगी को कविता भी सुनाई- "हम शेर बच्चे, शेर बच्चे, शेर बच्चे हैं। हम छोटे हैं तो क्या हुआ, हम दिल के सच्चे हैं। हम बड़े होकर देश की शान बढ़ाएंगे। जय हिंद। कविता सुनकर मुख्यमंत्री ने बच्ची का उत्साहवर्धन भी किया।

सिंगापुर की कम्पनी प्रमुख ने की मुख्यमंत्री से की मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को विदेशी निवेशकों से निरंतर समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में सिंगापुर की अग्रणी एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स कंपनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रबंध निदेशक रीन पील पेडरसन ने सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश विस्तार को लेकर गहन चर्चा हुई। पेडरसन के साथ भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका क्षेत्र के बिजनेस डेवलपमेंट एवं रेगुलेटरी अफेयर्स के हेड विवेक शर्मा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी के साथ हुई बैठक में उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं, उद्योगों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल तथा राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है और यहां निवेशकों के लिए सुरक्षित, स्थिर और पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम, त्वरित स्वीकृतियां, नीति आधारित प्रोत्साहन और मजबूत कानून व्यवस्था के माध्यम से सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स हब, औद्योगिक कॉरिडोर और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उत्तर प्रदेश निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। उन्होंने एपी मोलर माएर्स्क को राज्य में अपने निवेश का विस्तार करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि सरकार आवश्यक भूमि, कनेक्टिविटी और नीतिगत सहयोग सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर विवेक शर्मा ने बताया कि बैठक में हमने उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों और यहां के निवेश अनुकूल माहौल को लेकर बहुत अच्छी और सार्थक चर्चा की।

पात्र कृषकों को समय से मिले योजनाओं का लाभ : दिनेश प्रताप

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को सरकारी आवास पर उद्यान विभाग से संचालित समस्त औद्यानिक विकास योजनाओं एवं कार्यक्रमों की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ विभागीय अधिकारी वर्चुअली उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पर ड्रॉप मोर क्रॉप-माइक्रोइरीगेशन, एकीकृत बागवानी विकास कार्यक्रम, मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना, फलपट्टी विकास योजना, पान उत्पादन को प्रोत्साहन योजना आदि के अंतर्गत संचालित औद्यानिक कार्यक्रमों- ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई, संरक्षित खेती, औद्यानिक फसलों का विस्तार, रोपण सामग्री उत्पादन, नर्सरी का सुदृढ़ीकरण, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, पान उत्पादन तथा कटाई उपरांत प्रबंधन आदि की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य किसानों की आय में वृद्धि करना तथा उद्यानिकी को प्रदेश की अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार बनाना है। इसके लिए फल, सब्जी, फूल, मसाला, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन आवश्यक है।

मेरा गांव, मेरा तीर्थ कार्यक्रम प्रेरणादायी : ब्रजेश पाठक

विश्ववार्ता ब्यूरो

●उप मुख्यमंत्री ने फतेहपुर में श्री नागेश्वर धाम आश्रम का किया लोकार्पण

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में सोमवार को मेरा गांव, मेरा तीर्थ कार्यक्रम के तहत तहसील बिन्दकी अंतर्गत विकास खंड खजुहा के ग्राम हिम्मतपुर स्थित श्री नागेश्वर धाम आश्रम का उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पण किया। इस मौके पर ग्राम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाओं को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करने के बाद उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा गांव, मेरा तीर्थ कार्यक्रम प्रेरणादायी है। इससे प्रेरित होकर अपने गांव को समृद्धिशील बनाना है। हम सबको अपनी मातृभूमि से जुड़कर रहना चाहिए, क्योंकि हमारी मिट्टी हमें ऊर्जा देती है, जो लोग गांव से निकलकर अच्छे-अच्छे पदों पर कार्यरत है, उनको अपने जन्मभूमि से जुड़े रहना चाहिए। साथ ही गांव के विकास में अपना सकारात्मक सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम सब को अपनी संस्कृति और संस्कार को बढ़ाने की जरूरत है। जब गांव सशक्त होंगे तभी देश उन्नत करेगा, तभी प्रधानमंत्री के विजन वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से पात्रों को लाभांवित कराएं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम में स्वास्थ्य शिविर लगाकर नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराएं। इस मौके पर प्रभारी मंत्री अजीत पाल सिंह ने मेरा गांव, मेरा तीर्थ कार्यक्रम के तहत गांव को समृद्ध बनाने के लिए अपने-अपने विचार व्यक्त किए । इस अवसर पर विधायक जहानाबाद राजेन्द्र सिंह पटेल, विधायक बिन्दकी जय कुमार सिंह जैकी, विधायक अयाह शाह विकास गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, प्रमोद द्विवेदी नगर पालिका परिषद बिन्दकी अध्यक्ष राधा साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं संबंधित उपस्थित रहे।

शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने फिर घेरा केशव का आवास

69 हजार शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने उपमुख्यमंत्री आवास का किया घेराव

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उच्चतम न्यायालय में सुनवाई न होने से नाराज राज्य में 69 हजार शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने सोमवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया। अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी कर उपमुख्यमंत्री के घर के सामने धरना दिया। बाद में पुलिस ने धरने पर बैठे अभ्यर्थियों को सभी को बस में भरकर धरना स्थल इको गार्डेन भेज दिया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि उच्च न्यायलय का जो फैसला आया था, सरकार ने उसे जानबूझ कर लटका दिया।

धरना व प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया और उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। एक लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद बीते 13 अगस्त 2024 को लखनऊ उच्च न्यायालय की के डबल बेंच ने हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया और नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया। लेकिन सरकार इस प्रकरण में हीला हवाली कर रही है।

भाजपा कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ : केशव मौर्य

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जहां हर कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है और उनके परिश्रम व समर्पण से ही भाजपा निरंतर जनविश्वास प्राप्त कर रही है।यह बात जनपद कौशाम्बी में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ता सम्मेलन में कही। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में उप्र में हो रहे विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार ने गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। आज प्रदेश कानून-व्यवस्था, विकास और सुशासन के नए मानक स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उप मुख्यमंत्री जी के समक्ष अपने विचार एवं सुझाव भी रखे। श्री मौर्य ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

घपलेबाज भाजपाई कटवा रहे पीडीए के वोटर : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि न्यायालय संज्ञान ले। भाजपाई घपलेबाज ख़ुद से फ़ार्म सात छापकर, नक़ली हस्ताक्षर करके पीडीए समाज के वोटरों, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समाज का वोट कटवाने में लगे हैं। हर पत्रकार से अपील है, अपना मीडिया धर्म निभाएं, लोकतंत्र बचाएं। जो भी मीडिया, वो चाहे गांव-मोहल्ले-स्थानीय स्तर का हो या ज़िले-मंडल-राज्य स्तर का अगर वो ये ख़बरें दिखा रहा है और लोकतंत्र के चौथे खंभे की सार्थक भूमिका निभा रहा है, तो हम उसके साथ हैं। श्री यादव ने कहा कि सिवाय निर्वाचन आयोग के ये बात सबको पता है। हमारे बार-बार अपील करने पर भी एसआईआर में फ़ार्म सात की ये धांधली नहीं रुक रही है। उन्होंने कहा कि फ़ार्म सात का दुरुपयोग एक बहुत बड़ा अपराध है। इसके ग़ैरक़ानूनी इस्तेमाल की क्या सज़ा क्या हो सकती है। इसके बारे में चुनाव आयोग विज्ञापन प्रकाशित करे और भाजपाई और उनके संगी-साथियों को चेतावनी दे। हमारे पीडीए-प्रहरी और जागरूक वोटर तो इस फ़र्ज़ीवाड़े के भंडाफोड़ का प्रयास कर ही रहे हैं, चुनाव आयोग भी अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आगे आए। श्री यादव ने कहा कि कहीं ऐसा न हो कि मुख्य चुनाव आयुक्त को चेताने के लिए कोई उनका ही नाम फ़ार्म सात का इस्तेमाल करके साफ़ कर दे। सभी न्यूज़ चैनलों, अख़बारों से अपील है कि वो इस महा-घोटाले का पर्दाफ़ाश करें। हम स्थानीय यूट्यूबर व लोकल न्यूज़ कर्मियों से लोकतंत्र के हित में ये मांग करते हैं कि आप इस महाघोटाले का भंडाफोड़ करें व अपने स्तर पर प्रकाशित-प्रसारित करें। हम आपकी विश्वसनीय रिपोर्ट को पूरे देश-प्रदेश के सामने रखेंगे व आपकी ईमानदार पत्रकारिता को सच्चे दर्शकों-पाठकों तक पहुंचाएंगे।

साइबर युग में डंडे नहीं डेटा की शक्ति को समझना जरूरी : पीसी मीना

–महानिदेशक कारागार ने यूपीएसआईएफएस में साइबर सिक्योरिटी एन्ड डिजीटल फोरेंसिक कोर्स का किया शुभारम्भ

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। आज युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि सर्वर रूम और डाटा सेंटरों में तकनीक के माध्यम से लड़े जा रहे हैं, और आज जितता वहीं जो तकनीक और डेटा से मजबूत होता है। अब हमें पुलिसिंग में पारंपरिक तौर तरीके को बदलना होगा तथा डंडे की शक्ति से बाहर निकल कर हमें डेटा की शक्ति को पहचानना होगा। यह बात उप्र स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में आईफोरसी गृह मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से आयोजित साप्ताहिक कोर्स साइबर सिक्योरिटी एन्ड डिजीटल फोरेंसिक कोर्स का शुभारम्भ करते हुए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, महानिदेशक कारागार, प्रशासन एवं सुधार पीसी मीना ने कही। यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ.जीके गोस्वामी ने उन्हें मंच पर स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम्‌ प्रदान कर सम्मानित किया। इस कोर्स में उप्र सहित गोवा उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड एवं जम्मू कश्मीर के कुल 40 पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया है ।

इस अवसर पर महानिदेशक कारागार, प्रशासन एवं सुधार ने सभागार में प्रशिक्षणार्थियों एवं शैक्षणिक संवर्ग के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा एवं फोरेंसिक पर आयोजित यह प्रशिक्षण सत्र मात्र एक औरपचारिक कार्यक्रम नहीं है बल्कि समय की मांग है। उन्होंने कहा कि डिजीटल साक्ष्य कभी झूठ नहीं बोलता है अपराधियों के विरूद्व विवेचना में हमें मौखिक साक्ष्य के साथ साथ डिजीटल साक्ष्य को लगातार अपनाकर कार्यवाही करना चाहिए। आज अपराधी अदृष्य है जो सात समन्दर पार बैठकर एक क्लिक पर आपके बैंक एकाउन्ट खाली कर आपको खतरे में डाल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें उम्मीद है आप सभी यूपीएसआइएफएस से प्रशिक्षण प्राप्त कर फील्ड में अपने साइबर शक्ति का का परिचय देगें। उन्होंने मंच से डॉ.गोस्वामी की संस्थान के प्रति असाधारण कार्यों की सराहना भी की। इस अवसर पर श्री मीना ने डीएनए तथा ड्रोन लैब का भ्रमण भी किया। इस अवसर पर संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने संस्थान में चल रहे कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जो अपराध पहले सड़क पर होते थे अब सारा का सारा साइबर स्पेस में हो रहे हैं जैसे डिजीटल अरेस्ट अपराध क्या है ?

योगी आदित्यनाथ का निर्देश, सभी जनपदों में उपयुक्त स्थलों पर भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रारम्भ कराएं एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन

हर जिले में बनेंगे सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औद्योगिक विकास को रोजगार से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर घोषित सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन के लिए सभी जनपदों में उपयुक्त भूमि शीघ्र चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नीति का लक्ष्य ऐसा सक्षम वातावरण तैयार करना है, जहां युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसर एक ही परिसर में सुलभ हो। उन्होंने निर्देश दिए कि इस महत्वाकांक्षी योजना को स्थानीय आवश्यकताओं और क्षेत्रीय संभावनाओं के अनुरूप प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि यह जोन उद्योग, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार तथा उद्योग-सहायता से जुड़े विभागों और सुविधाओं को एकीकृत रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने एमएसएमई, सेवा आधारित उद्योगों और नवाचार से जुड़े क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्लग-एंड-प्ले यूनिट और फ्लैटेड फैक्ट्री जैसी आधुनिक सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया, ताकि उद्यमियों को प्रारम्भ से ही आवश्यक अवसंरचना उपलब्ध हो सके। बैठक में अवगत कराया गया कि इस योजना के अंतर्गत कॉमन फैसिलिटी सेंटर, टेस्टिंग फैसिलिटी, डिस्प्ले एवं डिजाइन सेंटर, टूल रूम, ईटीपी,सीईटीपी, प्लग-एंड-प्ले यूनिट तथा फ्लैटेड फैक्ट्री की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके

साथ ही युवाओं के कौशल उन्नयन हेतु उद्यमिता प्रशिक्षण, मेंटरिंग, विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी तथा हैंडहोल्डिंग की व्यवस्था भी इसी परिसर से की जाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि योजना को चरणबद्ध रूप से प्रदेश के सभी जनपदों में लागू किए जाने का प्रस्ताव है। प्रत्येक जनपद में न्यूनतम 50 एकड़ क्षेत्रफल में एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन विकसित किए जाएंगे। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि ऑपरेशनल मॉडल के अंतर्गत स्वरोजगार एवं उद्यमिता प्रशिक्षण, कौशल विकास, इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप तथा सम्बंधित उद्योगों में वेतन आधारित रोजगार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और उद्यमिता का एक सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सम्भावित स्थलों की शीघ्र पहचान कर परियोजना के क्रियान्वयन को गति दी जाए, ताकि यह पहल प्रदेश में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन का एक प्रभावी मॉडल बन सके।

कार्यालय ग्राम पंचायत-गोशालालपुर विकास खंड-काकोरी- जिला-लखनऊ

पत्रांक : मेमो 2025- 26 दिनांक 02/02/ 2026

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गोशालालपुर में आर.जी.एस.ए योजनांतर्गत वर्ष 25/26 हेतु विकास खंड काकोरी के ग्राम पंचायत गोशालाल पुर में ग्राम पंचायत भवन निर्माण कार्य अनुमानित लागत 28.62 लाख बहत्तर हजार धनराशि से निर्माण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता निविदा दिनांक-3 /0 2 /2026से 6/2 /2026 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर 10.00 बजे से 02.00 बजे तक जमा कर सकते है। जिसे दिनांकः 6 /02 /2026 को 3:00 अपराहन बजे निविदादाताओ जो उपस्थित रहना चाहते हैं के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा।

नियम व शर्ते -

1-निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए।
2 - जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।
3-खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी।
4. सशर्त निविदा स्वीकार्य नहीं की जायेगी।
5-बिना कारण बताये किसी भी समय निविदां निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

पुतान सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-गोशालालपुर विकास खंड- काकोरी जिला- लखनऊ

सुनील कुमार मौर्य
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत-गोशालालपुर विकास खंड- काकोरी जिला- लखनऊ

एक नजर

मिसेज मोनिका गुप्ता नारी गौरव सम्मान से सम्मानित

लखनऊ। कल्यानी हेल्थ वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बालीवुड मिस्टर, मिस एवं मिसेज इण्डिया प्रतियोगिता में मिसेज कैटेगरी में प्रथम स्थान हासिल करने पर राजधानी की मोनिका गुप्ता को संस्था की तरफ से नारी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती मीना भारती ने कहा कि यह सम्मान केवल मोनिका के लिए नही बल्कि पूरे नारी समाज, खास तौर से लखनऊ के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सम्मान समारोह में सम्मान लेने के उपरान्त पत्रकारों से बातचीत में मोनिका गुप्ता ने कहा कि यह समय आधी आबादी के लिए स्वर्णिम युग से कम नही है। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वर्तमान समाज में प्रतिस्पर्धा सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार द्वारा बालिका,महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में षामिल होकर बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। पिछले कुछ समय से समाज में काफी तेजी से बदलाव आया है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी बालिका षिक्षा चरम पर है। आज बालिकाए एवं महिलाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। हमें जो भी अवसर मिल रहे हैं उनका हमें हर स्तर पर समुचित उपयोग करते हुए अपने परिवार एवं समाज का नाम रोषन करना है। मुझे जो कुछ भी हासिल हुआ है यह एक लम्बे संघर्ष का प्रतिफल है। आने वाले समय में अगर सरकार, समाजिक संस्थाएं मुझे समाज के उत्थान के लिए कोई अवसर देती हैं तो मै उसका स्वागत करते हुए अपनी भूमिका का निर्वहन करूगी ।उन्होंने अपनी इस उपलब्धि के लिए अपनें पति इंजीनियर राम बाबू और बेटी अदविता रमोनिका के असीम सहयोग के लिए पति , बेटी , और अपनी माता श्रीमती मीना गुप्ता जी का दिल से आभार भी जताया।

आप छोड़ लोजपा आर के हुए महेंद्र पाल वर्मा

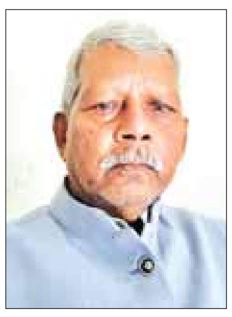

लखनऊ। हरदोई निवासी महेंद्र पाल वर्मा आम आदमी पार्टी छोड़कर लोक जनशक्ति पार्टी(रामविलास) की सदस्यता ग्रहण किया। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के लखनऊ मण्डल अध्यक्ष दिनेश रावत ने पार्टी का विस्तार करते हुए आम आदमी पार्टी से आये महेंद्र वर्मा को मण्डल उपाध्यक्ष व जिला हरदोई प्रभारी का नियुक्ति पत्र देते हुए जिम्मेदारी सौंपी है। हरदोई जिले में महेंद्र वर्मा पासी वोटरों पर अच्छी पकड़ बनाये है इनके आने से लोजपा आर पार्टी का जनाधार बढ़ेगा।

आंकड़ों की चमक, आम आदमी की थाली सूनी : सुरेश पांडेय

लखनऊ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत नौवें आम बजट को लेकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता सुरेश पांडेय ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह बजट आंकड़ों के आडंबर में लिपटा हुआ है, जबकि जमीन पर खड़े मध्यम वर्ग और आम आदमी के हिस्से सन्नाटा ही आया है। वरिष्ठ नेता सुरेश पांडेय ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी बजट से पहले वित्त मंत्रालय में परंपरागत रूप से गुप्त हलुआ बनाया गया, लेकिन उस हलुए में आम आदमी और मध्यम वर्ग के लिए मिठास बेहद कम रही। नतीजा यह हुआ कि देश की सबसे बड़ी आबादी इस बजट की मिठास से अछूती रह गई। श्री पांडेय ने कहा कि महंगाई से जूझ रहे परिवारों को न कर राहत मिली, न रोजगार को लेकर कोई भरोसेमंद दिशा दिखाई दी और न ही शिक्षा–स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में आश्वस्त करने वाला निवेश नजर आया। पूर्व मंत्री के अनुसार यह बजट राष्ट्र की वास्तविक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने के बजाय केवल राजनीतिक संतुलन साधने का प्रयास है, जिससे जनता की अपेक्षाएं और गहरी निराशा में बदलती दिख रही हैं।

कब्रिस्तान की जमीन पर चला बुलडोजर

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने सोमवार को मखदूमपुर गांव में कब्रिस्तान की भूमि से अवैध कब्जा हटाया। टीम ने बुलडोजर चलाकर खसरा संख्या–227 में 0 .038 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराया ।सहायक नगर आयुक्त और प्रभारी अधिकारी संपत्ति रामेश्वर प्रसाद सहित अन्य लोग अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। गोमती नगर विस्तार के थानाध्यक्ष पुलिस एवं पीएसी बल के साथ मौके पर डटे रहे। नगर निगम के प्रवर्तन दल के सहयोग से जेसीबी मशीन की सहायता लेकर अस्थायी अवैध निर्माण और कब्जे को हटाया गया ।अतिक्रमण हटाए जाने के बाद भूमि को दोबारा कब्रिस्तान के अभिलेखित स्वरूप में सुरक्षित कर दिया गया है। इस भूमि की कीमत लगभग 6 करोड़ आंकी गई है, जिसे अतिक्रमणमुक्त कराकर नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण सरकारी संपत्ति को सुरक्षित किया ।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने स्पष्ट किया है कि सरकारी, सार्वजनिक एवं धार्मिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर निगम द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार के अभियान चलाकर शहर में सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा।

पुलिस ने समाजवादी पार्टी के पार्षद को दौड़ा कर किया गिरफ्तार

वाल्मीकि समाज के हजारों लोगों ने थाना घेरा, पांच थानों की पुलिस तैनात

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के थाना गाजीपुर इलाके में पुलिस ने करीब सौ मीटर तक दौड़ाकर सपा पार्षद को गिरफ्तार किया। उनके समर्थकों को दौड़ाकर पीटा। इससे गुस्साए बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के लोगों ने थाना घेर लिया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।हंगामा बढ़ता देखकर मौके पर पांच थानों की पुलिस बुलाई गई। डीसीपी और एसीपी मौके पर पहुंचे। पार्षद को छोड़ने और मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। करीब चार घंटे तक हंगामा चला।

सोमवार को गाजीपुर थाना क्षेत्र के बस्तौली गांव में कोर्ट के आदेश पर घर खाली कराने के विरोध में रामचंद्र वाल्मीकि का परिवार 31 जनवरी से धरने पर बैठा है।स्थानीय सपा पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि भी सोमवार को धरने में शामिल हुए। आरोप है कि उन्होंने मकान में कोर्ट के आदेश पर लगाए गए ताले को जबरन तोड़वा दिया। इससे पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हो गई।धरने में शामिल लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों को चोट आई और उनकी वर्दी फट गई। इसके बाद पुलिस ने पार्षद समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया।बस्तौली गांव में स्थित एक मकान को लेकर विवाद है। रामचंद्र अपने परिवार के साथ मकान में रह रहे थे, जबकि कोर्ट के जरिए जितेंद्र मोहन नाम के व्यक्ति को मकान का मालिकाना हक मिला है। 31 मई 2025 को पुलिस जितेंद्र मोहन को कब्जा करवाने गई थी। रामचंद्र के परिवार और गांव वालों के विरोध के चलते पुलिस मकान नहीं खाली करवा पाई। इस पर जितेंद्र मोहन ने वकील के माध्यम से सीपी, एसीपी और थाना प्रभारी को शिकायत भेजी। पुलिस ने 31 जनवरी 2025 को मकान खाली करवा दिया। मकान में ताला लगाकर चाबी जितेंद्र मोहन को सौंप दी। इसके बाद परिवार मकान के बाहर धरने पर बैठ गया।रामचंद्र के साथ वाल्मीकि समाज के सैकड़ों लोग धरने पर बैठे थे। पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि भी धरने में अपने समर्थकों के साथ हिस्सा ले रहे थे।तीन दिन धरने के बाद लोग सोमवार को डीएम से मिले। हालांकि कोर्ट का आदेश होने की वजह उनको कोई राहत नहीं मिली। आरोप है कि वापस गांव लौटे पार्षद, उनके समर्थकों और परिवार के लोगों ने जबरन मकान का ताला तोड़ दिया।इस पर पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो परिवार उग्र हो गया। पुलिस से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों की वर्दी फट गई। कांस्टेबल मनोज को चोटें आईं। पुलिस ने बल का प्रयोग करते हुए पार्षद सहित 6 लोगों को हिरासत लिया। सभी को लेकर थाने पहुंची।पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि, राजेश, महेंद्र कुमार, शनि वाल्मीकि, अरुण कुमार और स्वाति की गिरफ्तारी की जानकारी स्थानीय लोगों मिली। इस बात से आक्रोशित लोग थाने पहुंच गए। पार्षद और दूसरे लोगों को छोड़ने के लिए नारेबाजी करने लगे।पुलिस ने सुरक्षा को देखते हुए आसपास के पांच थानों से पुलिस बल बुलाया। इसके बाद मौके पर एडीसीपी ईस्ट अमोल मुकुट पहुंचे और लोगों को समझा बूझकर मामला शांत कराया। गिरफ्तार आरोपियों का 151 में चालान कर मेडिकल के लिए भेजा गया है।

टैक्स होलिडे डेटा–संप्रभुता की ओर देश का एक मास्टरस्ट्रोक

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। अरुंधति भट्टाचार्य, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, सेल्सफोर्स साउथ एशिया ने कहा, ''2026 का बजट टेक्नोलॉजी के उपयोगकर्ता से ए.आई-पॉवर्ड देश बनने की ओर भारत के परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। यह देश को 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का एक ब्लूप्रिंट पेश करता है, जो केवल विस्तार नहीं, बल्कि इंटैलिजेंस पर आधारित हो। यह महत्वपूर्ण आर्किटेक्चर संतुलित और दीर्घकालिक है। क्लाउड सेवाओं के लिए साल 2047 तक दिया गया टैक्स होलिडे डेटा-संप्रभुता की ओर देश का एक मास्टरस्ट्रोक है, जो साल 2030 तक डेटा सेंटर में अनुमानित 50 बिलियन डॉलर का निवेश आकर्षित करेगा तथा भारत को उभरते हुए बाजारों के लिए एक क्लाउड हब के रूप में स्थापित करेगा।

एम.एस.एम.ई सुधार विकसित सोच का प्रदर्शन करते हैं। एस.एम.ई के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपये का फंड तथा ट्रेड्स प्लेटफॉर्म मैन्डेट और सेफ हार्बर थ्रेशोल्ड मिलकर भारत की 63 मिलियन एम.एस.एम.ई को विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में समर्थ बनाएंगे। शिक्षा से रोजगार पर गठित उच्च-स्तरीय कमिटी ने 2047 तक ग्लोबल सर्विस बाजार में 10 प्रतिशत हिस्सा हासिल करने का जो लक्ष्य बनाया है, वह महत्वाकांक्षी है, पर यू.पी.आई और आधार जैसे मजबूत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और हमारे जनसांख्यिकीय लाभ के चलते इसे प्राप्त करना संभव है क्योंकि हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम उम्र की है। ए.आई का इंटीग्रेशन बहुत ही व्यवहारिक रूप से किया गया है।

भारत-विस्तार के बहुभाषी एग्रीकल्चरल प्लेटफॉर्म और स्कूल के पाठ्यक्रम में ए.आई के शामिल होने से हमारी दूरदर्शिता प्रदर्शित होती है। इससे हमारी आबादी को बुद्धिमान लाभांश में बदलने में मदद मिलेगी। हमारा मानना है कि यह बजट एक संरचनाबद्ध रोडमैप है, जो एक ऐसे वातावरण का निर्माण करेगा, जिसमें टेक्नोलॉजी, एंटरप्राईज़ और लोग मिलकर भारत को प्रगति की ओर ले जाएंगे। हालाँकि आरएंडडी निवेश के क्षेत्र में गंभीर कमी बनी हुई है, जिससे हमें ए.आई के निर्माता बनने की बजाय इसके उपयोगकर्ता बने रह जाने का जोखिम रहेगा। केंद्रीय बजट इस तरह से डिज़ाईन किया गया है, जिसमें ए.आई, क्लाउड संप्रभुता, और इनोवेटिव डिजिटल प्लेटफॉर्म देश को प्रगति की ओर ले जाएंगे। यह टेक्नोलॉजिकल आधार भविष्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सेल्सफोर्स इसमें अपना योगदान देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।''

किडनैपर्स को दांत काटकर छात्र ने खुद को छुड़ाया

लखनऊ। कृष्णा नगर में बाइक सवार 2 बदमाशों ने कक्षा-4 के छात्र को अगवा करने की कोशिश की। किडनैपर्स को दांत कर छात्र उनके चंगुल से छूटा। भाग कर घर पहुंचा और मां को इसकी जानकारी दी। मां ने पुलिस को कॉल किया, लेकिन डेढ़ घंटे तक पुलिस नहीं पहुंची। इसके बाद छात्र के पिता ने थाने में लिखित शिकायत दी। घटना रविवार शाम करीब 6:45 बजे पंडित खेड़ा स्थित द्वारिकापुरी कॉलोनी में हुई। केंद्रीय विद्यालय आरडीएसओ का छात्र ईवान शर्मा अपने घर से लगभग 50 मीटर दूर एक जनरल स्टोर से सामान लेकर लौट रहा था। काली स्प्लेंडर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उसे अगवा करने की कोशिश की। बदमाशों ने पहले ईवान को बहलाने की कोशिश की और उसे पेंसिल खरीदने व घर छोड़ने का लालच दिया। ईवान ने इनकार किया, तो एक बदमाश ने अचानक रुमाल से उसका मुंह दबा दिया। जबरन बाइक पर बैठाने का प्रयास करने लगा।

एसजीपीजीआई कॉलेज ऑफ नर्सिंग का 17वां स्थापना दिवस

लखनऊ। संजय गांधी पीजीआई के कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा संस्थान के सी. वी. रमन सभागार में कॉलेज ऑफ नर्सिंग का 17वां स्थापना दिवस तथा बीएससी नर्सिंग 2025–26 बैच के 16वें दीप प्रज्ज्वलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। निदेशक प्रो. आर. के. धीमन ने कहा कि नर्सिंग स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ है और एक कुशल नर्स में तकनीकी दक्षता के साथ संवेदनशीलता, समर्पण और नैतिक मूल्यों का होना अनिवार्य है। उन्होंने छात्रों से रोगी सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए निरंतर सीखते रहने का आह्वान किया। प्रिंसिपल डॉ. राधा के. ने वार्षिक रिपोर्ट (2024–25) प्रस्तुत कर शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों की जानकारी दी। नर्सिंग अधीक्षक मंजू सिंह एवं ट्यूटर एलिस जोसेफ के नेतृत्व में

प्रथम वर्ष की छात्राओं ने दीप प्रज्ज्वलन कर नर्सिंग की पारंपरिक शपथ ली। मुख्य अतिथि डीन प्रो. शालीन कुमार ने छात्रों को योग अपनाने और शारीरिक-मानसिक संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. अशोक कुमार बिश्नोई ने छात्रों को अनुशासित अध्ययन, नोट्स बनाने और सोशल मीडिया के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया। कार्यकारी रजिस्ट्रार कर्नल वरुण बाजपेयी ने मानवीय मूल्यों को जीवन का आधार बताया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. देवेंद्र गुप्ता ने रोगी देखभाल में नर्सों की अहम भूमिका को रेखांकित किया। चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजेश हर्षवर्धन ने कहा कि नर्सिंग कॉलेज को अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) विकसित कर गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना चाहिए। कार्यक्रम में ई-न्यूज़लेटर रिदम का विमोचन किया गया तथा उत्कृष्ट शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल उपलब्धियों वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। समारोह का समापन एसोसिएट प्रोफेसर शबाना खातून के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

लखनऊ में ट्रैफिक जाम से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आज, 2 फरवरी को हजरतगंज स्थित नाजा मार्केट से नावेल्टी सिनेमा तक भीषण जाम लग गया, जिसमें लोग काफी देर तक फंसे रहे। केजीएमयू के बाहर ट्रैफिक पूरी तरह बेकाबू दिखा। मंडलायुक्त कार्यालय से स्वास्थ्य भवन और परिवर्तन चौक की तरफ जाने वाली सड़क पर भी वाहनों की लंबी कतारें लगी रही हैं।

डॉ अशोक अज्ञानी को मिला मित्र–स्मृति अवधी सम्मान

लखनऊ। सीतापुर जिले के अवधी साहित्यकार लक्ष्मण प्रसाद मित्र की स्मृति में प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला मित्र स्मृति अवधी सम्मान-2026 इस वर्ष अवधी के मौलिक रचनाकार और शोधकर्ता डॉ. अशोक 'अज्ञानी' को प्रदान किया गया। मित्र-स्मृति अवधी सम्मान-2026 के तहत उन्हें 11 हजार रुपये की धनराशि, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं अवध-अवधीः विविध सन्दर्भ ग्रन्थ भेंट किया गया। मुख्य अतिथि एमएलसी सीतापुर पवन सिंह चौहान ने दूरभाष के माध्यम से समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि सम्मानित साहित्यकार डॉ अज्ञानी से अवधी पर और अधिक योगदान की अपेक्षा रहेगी। वह अवधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सतत प्रयत्नशील हैं। वह यथाशीघ्र अवधी के साहित्यकारों के लिए अवधी व्यंजनों का एक सहभोज आयोजित करेंगे।

समारोह के विशिष्ट अतिथि अवधी साहित्य संस्थान, अमेठी के अध्यक्ष डॉ अर्जुन पाण्डेय ने अवधी के विभिन्न सोपानों पर प्रकाश डाला। वहीं, अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक डॉ. रामनरेश ने अज्ञानी की प्रेम साधना को रेखांकित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को अवधी से जोड़ने की विशेष आवश्यकता है। यूपी प्रेस क्लब, लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह का शुभारम्भ कविवर कुमार तरल की वाणी वन्दना से प्रारम्भ हुआ। इसका सफल संचालन अवधी साहित्यकार एवं पत्रकार नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान द्वारा किया गया।

संस्था की संरक्षिका मनोरमा साहू, अध्यक्ष अजय साहू व सचिव डॉ. राम बहादुर मिश्र ने समारोह को सम्बोधित किया। डॉ मिश्र ने कहा कि वह हड्डी से कबड्डी खेल रहे हैं। आजकल अवधी पर बहुत कार्य हो रहा है। बस, इससे युवा पीढ़ी को जोड़ने और अधिक से अधिक गद्य लिखने की जरूरत है। इसी कड़ी लखनऊ में स्थित भाषा विश्वविद्यालय की नव गठित अवधी शोध पीठ के समन्वयक डॉ नीरज शुक्ल ने अवधी आराधकों को विश्विद्यालय आने का न्यौता देते हुए कहा कि आप सब अवधी शोध पीठ से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाएं। अवधी में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करें। इस अवसर पर डॉ. अशोक अज्ञानी की 16वीं पुस्तक ₹कहाँ करयँ फरियाद फलाने₹ का विमोचन भी हुआ। इसकी कुछ रचनाओं का सस्वर वाचन लोक गायिका डॉ. रंजना अग्रहरि द्वारा किया गया। समारोह में अवध भारती संस्थान, हैदरगढ़ पर पीएचडी करने वाले डॉ. प्रदीप कुमार शुक्ल को अवध भारती सम्मान, लोक गायिका डॉ रंजना अग्रहरि को अवधी लोकगीत माला सम्मान दिया गया। जबकि लक्ष्मण प्रसाद मित्र के नाती अजय साहू को उमाशंकर तिवारी द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में कथारंग के अध्यक्ष नूतन वशिष्ठ, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विनय दास, डॉ दयाराम मौर्य, आदित्य द्विवेदी, अमर साहित्यकार जय शंकर प्रसाद की प्रपौत्री कविता प्रसाद व पप्पू अवस्थी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

अल्ट्रासाउंड–गाइडेड एनेस्थीसिया से सर्जरी अधिक सुरक्षित दर्द और रिकवरी समय में कमी, पीजीआई में एस–क्राफ्ट 2026 कार्यशाला, देशभर से 100 से अधिक एनेस्थीसिया विशेषज्ञ हुए शामिल

अल्ट्रासाउंड-गाइडेड एनेस्थीसिया से सर्जरी अधिक सुरक्षित, दर्द और रिकवरी समय में कमी

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। सर्जरी के दौरान नसों को सटीक रूप से पहचान कर अल्ट्रासाउंड-गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया तकनीक अब मरीजों के लिए अधिक सुरक्षित, कम दर्द वाली और तेजी से स्वस्थ होने में सहायक साबित हो रही है। इसी आधुनिक तकनीक के प्रशिक्षण और विस्तार के उद्देश्य से संजय गांधी पीजीआई में एस-क्राफ्ट 2026 – एस-क्राफ्ट (सोनोग्राफी नियंत्रित क्षेत्रीय एनेस्थीसिया एवं फैशियल प्लेन तकनीक) पर सीएमई और वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से आए 100 से अधिक एनेस्थीसियोलॉजिस्ट शामिल हुए, जबकि लगभग 20 अनुभवी फैकल्टी सदस्यों ने नवीन तकनीकों, सुरक्षा मानकों और क्लीनिकल एप्लीकेशन पर व्याख्यान दिए। एनेस्थीसियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. संजय धीरज के मार्गदर्शन में आयोजित हुई।

आयोजन सचिव डॉ. प्रतीक सिंह बैस के नेतृत्व में विभागीय टीम ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। उद्घाटन सत्र में पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमान, निदेशक ने कहा कि हाई-एंड अल्ट्रासाउंड मशीन के उपयोग से एनेस्थीसिया अधिक सटीक होता है, जिससे पेशेंट सेफ्टी और उपचार परिणाम बेहतर होते हैं।

डीन प्रो. शलीन कुमार ने बताया कि सर्जरी स्थान के आसपास दिए जाने वाले नसों को ब्लॉक करने से दर्द कम होता है और रिकवरी टाइम घटता है। प्रो. संजय धीरज ने बताया कि अल्ट्रासाउंड-गाइडेड नर्व ब्लॉक्स से शरीर की स्ट्रेस रिस्पॉन्स कम होती है और मरीज में अर्ली एम्बुलेशन (जल्दी चलना-फिरना) संभव हो पाता है। यह तकनीक पोस्टग्रेजुएट स्टूडेंट्स को नवीनतम तकनीक सीखने में भी मदद करती है। इस अवसर पर एनेस्थीसिया टीम द्वारा तैयार बेडसाइड रेफरेंस एटलस का विमोचन किया गया, जो अल्ट्रासाउंड-गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया पर आधारित है। इसके लेखक डॉ. वंश, डॉ. प्रतीक, डॉ. सुरुचि, डॉ. गणपत और डॉ. राफत हैं। एपेक्स ट्रामा सेंटर के प्रमुख एवं न्यूरो सर्जन प्रोफेसर अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि सर्जरी की सफलता में एनेस्थीसिया की अहम भूमिका है। कार्यशाला में डिडैक्टिक लेक्चर लाइव डेमोंस्ट्रेशन, हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग और केस-बेस्ड डिस्कशन ने प्रतिभागियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की शैक्षणिक गुणवत्ता और विशेषज्ञों से सीधे संवाद के अवसर की सराहना करते हुए इसे रोगी सुरक्षा और बेहतर क्लीनिकल आउटकम (चिकित्सकीय परिणाम) की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

एक नजर

शाहजहांपुर बरेली मोड़ बड़ा हादसा होते-होते बचा

शाहजहांपुर। बरेली मोड शाहजहांपुर जहां यह भूसी भरे ओवरलोड ट्रक पुलिस की मौजूदगी में रोजाना गुजरते हैं। आज यह ट्रक ओवरलोड होने के चलते इसकी एक साइड की चेचिस एक तरफ को बैठ गई ट्रक एक तरफ झुकता चला गया शुक्र करो ट्रक चालक ने समय रहते ट्रक रोक दिया अन्यथा यह ट्रक पलट भी सकता था और रामपुर में हुआ। इसी तरह का हादसा याद कर यहां मौजूद लोगों की रूह कांप गई। जिस प्रकार यहां से प्रति दिन यह भूसी भरे ओवरलोड ट्रक दिन दहाड़े गुजरते है जिससे आम लोगों की जान को खतरा बना हुआ है कभी भी हादसा हो सकता है। लोगो का कहना है कि इन ट्रकों में खास बात यह है कि बरेली मोड़ पर मौजूद 'पुलिस प्रशासन एआरटीओ' को यह अदृश्य ट्रक दिखाई ही नहीं देते पर आम लोगों की जिंदगी से कब तक खिलवाड़ होता रहेगा।

झुलसी बुजुर्ग महिला की इलाज के दौरान मौत

बरेली। थाना फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र के गांव पडेरा निवासी 70 वर्षीय सावित्री की आग से झुलसने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों के अनुसार, 14 तारीख को सावित्री घर में आग जलाकर ताप रही थीं। इसी दौरान किसी कारणवश उनके कपड़ों में आग लग गई। चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल आग बुझाई और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएससी) ले जाया गया। सीएससी में प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने सावित्री को जिला अस्पताल बरेली रेफर कर दिया। जहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। सावित्री अपने पीछे चार बेटे छोड़ गई हैं।

पुलिस ने मोबाइल से सट्टा लगाते युवक को दबोचा

सट्टा पर्चो के प्रिंटआउट व मोबाइल जब्त

बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने मोबाइल फोन के जरिए सट्टा लगाने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन और सट्टा से जुड़े पांच पर्चों के प्रिंटआउट बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार शनिवार रात हमराही पुलिसकर्मियों के साथ मॉडल टाउन क्षेत्र में शांति व्यवस्था और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गुरु गोविंद सिंह कॉलेज के पास एक युवक मोबाइल के जरिए सट्टा लगा रहा है और हार–जीत की रकम तय कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी और मोबाइल चलाते हुए युवक को मौके से पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नवनीत सिंह उर्फ पाटा पुत्र सरदार परनाम सिंह, निवासी मॉडल टाउन, थाना बारादरी बताया। सख्ती से पूछने पर आरोपी ने मोबाइल से सट्टा लगाने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल की जांच की तो उसमें सट्टा से संबंधित पांच पर्चे मिले, जिनमें हार–जीत और रकम का पूरा विवरण दर्ज था। साक्ष्य के तौर पर मोबाइल का स्क्रीनशॉट लिया गया और पर्चों के प्रिंटआउट निकलवाकर उन्हें कब्जे में ले लिया गया। पुलिस ने आरोपी को धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि शहर में अवैध सट्टेबाजी पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

बस ने बाइक सवार को कूचला, मौके पर मौत

बरेली। थाना इज्जतनगर क्षेत्र में रविवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई। जिसके बाद बस चालक बस को छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई की तहरीर पर रोडवेज बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीलीभीत के जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम चका निवासी इजहार अहमद पुत्र अनवर अहमद वर्तमान में मयूर विहार, खजुरिया घाट थाना इज्जतनगर में रह रहा था। वह रविवार को दोपहर करीब 2 बजे अपनी बाइक से शहर की ओर जा रहा था। जैसे ही इजहार अहमद इज्जतनगर वैरियर नंबर–2 के पास साप्ताहिक बाजार के नजदीक पहुंचा, पीछेसे आ रही रोडवेज बस के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से बस चलाते हुए उसक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि इजहार अहमद को गंभीर चोटे आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के भाई इफ्तिखार अहमद ने थाना इज्जतनगर में रोडवेज बस चालक के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

भाजपा नेताओं का जलकर-भवन कर के खिलाफ पर हल्लाबोल

विश्ववार्ता संवाददाता

जलालाबाद शाहजहांपुर। नगर पालिका परिषद में मनमाने तरीके से जलकर एवं भवनकर लगाए जाने से आक्रोशित लोगों ने किया घेराव चेयरमेन व ईओ मिले गायब, एसडीएम ने पहुंचकर संभाला मोर्चा। भाजपा नेताओं का जलकर-भवन कर के खिलाफ नगरपालिका पर हल्ला बोला, नगर पालिका चेयरमैन पद का भाजपा पार्टी से चेयरमेन पद के चुनाव लड़ चुके नेता मनमोहन द्विवेदी गोपाल नगर के नागरिकों व सभासदों के साथ अघोषित जलकर व भवन कर के विरोध में सोमवार को नगरपालिका कार्यालय पर धरना देने पहुंचे। कार्यालय पर पहुंचते ही प्रदर्शनकारियों ने जमकर हंगामा किया, लेकिन मौके पर न तो एच एन उपाध्याय अधिशासी अधिकारी थे, और न ही

चेयरमेन शकील खान व नगर पालिका के अधिकांश कर्मचारी भी अनुपस्थित पाए गए, जिससे उनका गुस्सा और भड़क गया।

भाजपा नेताओं ने अधिशासी अधिकारी व नगरपालिका चेयरमेन पर 'सपा मानसिकता' का आरोप लगाते हुए योगी व मोदी सरकार को बदनाम करने की साजिश रचने का इल्जाम ठोका।

सूचना मिलते ही उप जिलाधिकारी प्रभात राय घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने टेबल पर भाजपा नेताओं व सभासदों से विस्तृत बातचीत की, जिसमें कई गंभीर खुलासे हुए। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि शासन की गाइडलाइन का पालन किए बिना फर्जी सर्वे कर मनमानी रेट लिस्ट जारी की गई है। सर्वे के नाम पर लाखों रुपये का घोटाला भी किया गया। उप जिलाधिकारी ने आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह तक एक कमेटी की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सभी पक्षों की बात सुनी जाएगी और आगे का निर्णय लिया जाएगा। एसडीएम ने कहा तब तक वसूली की प्रक्रिया नहीं की जाएगी और दोबारा से सर्वे करा कर नई रेट लिस्ट तैयार की जाएगी।

नगरवासियों का कहना है कि नगरपालिका बोर्ड ने बिना विश्वास में लिए जलकर व भवन कर थोप दिया, जिससे आम लोग भारी परेशानी झेल रहे हैं। मामला अभी शांत है, लेकिन नगर पालिका बोर्ड कमेटी की बैठक पर सभी की नजरें टिकी रहेगी।

ससुर पर दुष्कर्म व साजिश के आरोप एसएसपी से पीड़िता ने मांगी सुरक्षा

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र की एक महिला ने अपने हिस्ट्रीशीटर ससुर और उसके साथियों पर दुष्कर्म, मानसिक-शारीरिक उत्पीड़न, धमकी देकर समझौता कराने और झूठे मुकदमे दर्ज कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती प्रार्थना-पत्र देकर निष्पक्ष जांच, झूठे मुकदमों की निरस्तीकरण और जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। पीड़िता के अनुसार, उसके ससुर थाना बारादरी का हिस्ट्रीशीटर है, जिसने अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि छिपाकर परिवार को गुमराह कर विवाह कराया। आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुर द्वारा लगातार शोषण, धमकी और दबाव बनाया गया। जब पीड़िता ने विरोध किया तो परिवार के सदस्यों को डराकर जबरन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए और उसके विरुद्ध झूठे मुकदमे दर्ज करा दिए गए।

पीड़िता का आरोप है कि उसने दुष्कर्म से जुड़े एक मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन साजिश के तहत उसके भाई को अगवा कर धमकाया गया, जिससे दबाव में आकर समझौता कराया गया और मामला समाप्त करा दिया गया। इसके बाद थाना कोतवाली और थाना बारादरी में एक के बाद एक झूठी एफआईआर दर्ज कराकर उसे और उसके परिवार को परेशान किया जा रहा है। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि ससुर पर अवैध हथियार, फर्जी लाइसेंस, जमीन हड़पने और संगठित अपराधियों से संबंध जैसे गंभीर आरोप हैं। उसका कहना है कि ससुराल पक्ष द्वारा घर में प्रवेश और पति से मिलने तक से रोका जा रहा है, जिससे उसकी जान को खतरा बना हुआ है। पीड़िता ने एसएसपी से मांग की है कि पूरे प्रकरण की जांच किसी से कराई जाए, दबाव में कराए गए हस्ताक्षरों की वैधानिक जांच हो, झूठे मुकदमों को निरस्त किया जाए, और उसे व उसके परिजनों को सुरक्षा प्रदान की जाए।

एसआरएमएस में अन्तर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण पर कार्यशाला आयोजित

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में CBHI लखनऊ के सहयोग से ICD-11 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ISS एवं केंद्रीय स्वास्थ्य सूचना ब्यूरो (CBHI) की उपनिदेशक दीक्षा सचदेवा, अभिषेक सिंह एवं शेष कुमार मौर्या (कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी) उपस्थित रहे।

कार्यशाला में केजीएमयू लखनऊ के कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर एवं विश फाउंडेशन के कंसल्टेंट डॉ. वीपी श्रीवास्तव ने ICD-11 कोडिंग तथा स्वास्थ्य सेवाओं में इसके महत्व की प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के 100 से ज्यादा फैकल्टी मेंबर, सीनियर एवं जूनियर रेजिडेंट, मेडिकल रिकॉर्ड स्टाफ तथा जनपद बरेली के 15 मेडिकल अधिकारियों ने सहभागिता की।

लू से निपटने को प्रशासन सतर्क, सिटी हीट एक्शन प्लान पर मंथन

» ग्रीन एरिया बढ़ाने और प्याऊ की संख्या में इजाफे की तैयारी

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। आगामी गर्मी के मौसम और लू के संभावित प्रकोप को देखते हुए प्रशासन ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में 'सिटी हीट एक्शन प्लान' तैयार करने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें एक्सपर्ट पैनल के साथ संबंधित विभागों के अधिकारियों ने विस्तृत मंथन किया। बैठक का उद्देश्य तपती गर्मी में आमजन को राहत पहुंचाना और हीट स्ट्रोक जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण करना रहा।

नगर आयुक्त विपिन कुमार मिश्र ने बताया कि सिटी हीट एक्शन प्लान का मुख्य फोकस दिन के समय बाहर

निकलने वाले नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके तहत शहर में ग्रीन एरिया नेटवर्क को सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे प्राकृतिक छाया बढ़े और तापमान के दुष्प्रभाव को कम किया जा सके। बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। सड़कों के किनारे अधिक संख्या में छायादार वृक्ष लगाए जाएंगे ताकि राहगीरों को धूप से राहत मिल सके। ट्रैफिक सिग्नलों पर रेड लाइट के दौरान खड़े दोपहिया वाहन चालकों व यात्रियों को तेज धूप से बचाने के लिए विशेष व्यवस्थाओं पर भी विचार किया गया। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया, जिससे लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। यह व्यवस्था पशु-पक्षियों को ध्यान में रखते हुए भी की जाएगी। वहीं, पेड़-पौधों के संरक्षण के लिए नियमित सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों और बड़े अपार्टमेंट्स में बने कम्युनिटी सेंटर्स का उपयोग भी गर्मी से राहत केंद्र के रूप में किया जा सकता है। योजना के तहत इन केंद्रों को इस तरह आमजन के लिए खोला जाएगा कि स्थानीय निवासियों की सुविधाएं प्रभावित न हों। इसके अलावा नगर निगम क्षेत्र में पहले से मौजूद यात्री शेडों की मरम्मत कराई जाएगी और शहर में 10 नए यात्री शेड बनाए जाने की तैयारी है, ताकि लोगों को धूप से बचने के लिए सुरक्षित ठहराव मिल सके।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अरविंद कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बंद मकान बना चोरों का निशाना, सीसीटीवी में कैद

बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र के मोहल्ला भूड़ स्थित एक बंद मकान में अज्ञात चोरों ने धावा बोलते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना उस समय घटित हुई जब मकान मालिक अपने परिवार के साथ ऊपर के हिस्से में सो रहा था, जबकि नीचे का हिस्सा लंबे समय से बंद पड़ा था।

थाना प्रेमनगर क्षेत्र के मकान नंबर 872 चंद्रा निवास में रहने वाले आलोक सक्सेना पुत्र एसपी सक्सेना ने बताया कि उनके मकान के ग्राउंड फ्लोर पर उनके बड़े भाई का परिवार रहता था, जो वर्तमान में नोएडा में नौकरी के कारण बाहर है। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने ताला तोड़कर घटना को अंजाम दे दिया। आलोक कुमार ने बताया कि 31 जनवरी की रात वह अपनी 70 वर्षीय मां के साथ प्रथम तल पर सो रहे थे। सुबह जब नीचे जाकर देख तो ग्राउंड फ्लोर का ताला टूटा हुआ था और सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या पति पर चरित्रहीन होने का आरोप

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। पति से हुए विवाद और गृहक्लेश के चलते एक 30 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम भानपुर निवासी कुशल पटेल की पत्नी पिंकी (30) की शादी वर्ष 2017 में हुई थी। कुशल गांव में परचून की दुकान चलाता है। बताया जा रहा है कि शादी के शुरुआती साल सामान्य रहे, लेकिन पिछले कुछ समय से पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद चल रहा था। कथित तौर पर कुशल के किसी अन्य महिला से अवैध संबंधों को लेकर घर में तनाव व्याप्त था। पिंकी इस बात का पुरजोर विरोध करती

थी, जिसके कारण वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगी थी। इसी बात को लेकर अक्सर गृह क्लेश होता रहता था। इसी बात से त्रस्त होकर पिंकी ने परिजनों की गैर मौजूदगी में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही सीओ सदर (आईपीएस) नताशा गोयल और प्रभारी निरीक्षक पीके बिश्नोई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए।

भाकियू की मासिक पंचायत में कम्भीर मुद्दों पर हुई चर्चा, निस्तारण हेतु सौंपा ज्ञापन

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) की जिला स्तरीय मासिक पंचायत कृषक मंडी के विश्राम गृह में जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। किसानों की समस्या को लेकर एक मांग पत्र तहसीलदार सदर को सौंपा गया।

पंचायत को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व में दिए हुए ज्ञापनों पर संतोषजनक कार्रवाई न होने से संगठन में रोष व्याप्त है। श्री क्रोधी ने कहा कि तहसील क्षेत्र पीलीभीत के रूपपुर कृपा में आबादी क्षेत्र के बीचोंबीच बनी फैक्ट्री कभी भी स्थानीय लोगों के लिए प्राणघातक सिद्ध हो सकती है। उन्होंने फैक्ट्री को हटवाने की मांग की। तहसील अध्यक्ष नंदकिशोर राठौर ने कहा कि ललौरीखेड़ा रेलवे स्टेशन को हल्ट बना दिया गया है, लंबी दूरी की ट्रेन नहीं रुकती है, जिससे क्षेत्रवासियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ललौरीखेड़ा को पीलीभीत सिटी स्टेशन बनाने की मांग की। ग्राम पंचायत मीरपुर में लम्बे समय से टूटी नाले की पुलिया को लेकर भी रोष व्यक्त किया। इसके अलावा अन्य समस्याओं पर भी विचार विमर्श किया गया और समस्याओं के निस्तारण हेतु तहसीलदार सदर को ज्ञापन सौंपा। पंचायत में उपस्थित डालचंद मौर्य, दौलत सिंह प्रजापति, शेखर दीक्षित, संजय दीक्षित, योगेश कुमार अवस्थी, सतीश कुमार, टीकाराम, शालिग्राम, महेंद्र पाल कश्यप, बाबूराम, बहादुर पाल, प्रदीप गंगवार, शिवचरण लाल वर्मा, ओमप्रकाश राजपूत, कमला देवी, मोहन देवी सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में स्पाइनल सर्जरी सफलतापूर्वक दिया गया अंजाम

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। मंडल के जिला अस्पताल बरेली में चिकित्सा क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। जिला अस्पताल में पहली बार स्पाइनल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। यह जटिल ऑपरेशन डॉ. एलके सक्सेना के नेतृत्व में ऑर्थोपैडिक विशेषज्ञ डॉ. दिनेश गंगवार द्वारा किया गया, जो करीब तीन घंटे तक चला। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा, जिससे न केवल मरीज को नई उम्मीद मिली बल्कि जिला अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ में भी उत्साह का माहौल देखा गया। स्पाइनल ऑपरेशन थाना मीरगंज क्षेत्र के चुरई दलपतपुर निवासी रूबी पत्नी रुस्तम अली का किया गया। ज्ञात हो कि 24 जनवरी को घरेलू विवाद के चलते रूबी के पति रुस्तम अली ने उसे छत से नीचे फेंक दिया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इस दर्दनाक घटना के कुछ ही समय बाद आरोपी पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दोहरी त्रासदी से पूरे गांव में सनसनी फैल गई थी और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था।

छत से गिरने के कारण रूबी को रीढ़ की हड्डी सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं। घटना के तुरंत बाद रुस्तम के पिता शोएब अली घायल बहू को

आनन-फानन में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल बरेली रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में रूबी का लगातार उपचार चल रहा था। जांच में स्पाइनल इंजरी की पुष्टि होने पर डॉक्टरों ने ऑपरेशन का निर्णय लिया।

डॉ. एलके सक्सेना के मार्गदर्शन में डॉ. दिनेश गंगवार ने पूरी टीम के साथ इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को अंजाम दिया। आधुनिक तकनीक और चिकित्सकीय दक्षता के बल पर ऑपरेशन सफल रहा। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल मरीज की हालत स्थिर है और उसे निगरानी में रखा गया है। आने वाले दिनों में उसकी स्थिति में और सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

यह ऑपरेशन जिला अस्पताल के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि इससे पहले स्पाइनल सर्जरी के लिए मरीजों को बड़े मेडिकल कॉलेज या निजी अस्पतालों में रेफर किया जाता था। जिला अस्पताल में ही इस तरह की जटिल सर्जरी के सफल होने से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को।

सफल ऑपरेशन के बाद अस्पताल परिसर में डॉक्टरों और स्टाफ के बीच उत्साह और संतोष का माहौल रहा। इस मौके पर डॉ. दिनेश गंगवार, डॉ. एल. के. सक्सेना के साथ नशा विशेषज्ञ डॉ. दिग्विजय गंगवार भी मौजूद रहे। सभी ने पूरी मेडिकल टीम के प्रयासों की सराहना की। जिला अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकों की इस सफलता से यह स्पष्ट है कि सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर प्रबंधन और समर्पण से गंभीर से गंभीर मामलों का उपचार संभव है। यह उपलब्धि न केवल अस्पताल की साख बढ़ाएगी बल्कि आम लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा भी मजबूत करेगी।

अश्लीलता का वीडियो वायरल, एक्स पर शिकायत

बरेली। थाना कैंट क्षेत्र के फूलबाग पार्क में खुलेआम हो रही अश्लील और अनैतिक गतिविधियों का मामला अब सोशल मीडिया तक पहुंच गया है। इस संबंध में एक्स (पूर्व ट्विटर) पर शिकायत दर्ज कराई गई है, वहीं घटनाओं से जुड़ा वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह सार्वजनिक स्थान पर मर्यादा को तार-तार किया जा रहा है। इसके बावजूद न तो मौके पर कोई रोक-टोक नजर आ रही है और न ही पुलिस की सक्रियता दिखाई दे रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि फूलबाग और उसके आसपास स्थित पब्लिक पैलेस क्षेत्र अब अनैतिक गतिविधियों का अड्डा बन चुका है, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का यहां आना-जाना मुश्किल हो गया है।

पीटीआर के बाघ ने कुत्ते पर हमला कर किसान को बनाया अपना शिकार, ग्रामीणों में आक्रोश

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। टाइगर रिजर्व के जंगल से बाहर निकलने वाले बाघ व तेंदुए अक्सर लोगों पर हमला कर रहे हैं। जंगल से आए बाघ ने थाना घुंघचाई क्षेत्र में हरदोई ब्रांच नहर की पटरी पर खेत की रखवाली कर रहे किसान पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर शराबा करने पर बाघ किसान को छोड़कर झाड़ियों में घुस गया। सीएचसी लाने के बाद पीलीभीत रेफर कर दिया गया। सूचना देने के घंटों बाद भी वन विभाग की टीम न पहुंचने पर लोगों में नाराजगी जताई।

पूरनपुर क्षेत्र के गांव सिमराया निवासी 45 वर्षीय किसान प्रेमराज गांव के कुछ लोगों और कुछ महिलाओं के साथ हरदोई ब्रांच नहर की पूर्वी पटरी पर गेहूं के खेत की रखवाली कर रहे थे। घर से वह बकरी भी ले गए थे। पटरी पर खड़ी झाड़ियों से अचानक निकलने बाघ ने प्रेमराज पर हमला कर दिया।

चिल्लाने की आवाज सुनकर अन्य लोगों और पटरी से निकल रहे राहगीर शोर शराबा करने लगे। इससे बाघ हेमराज को छोड़कर बाघ झाड़ियों में घुस गया। सूचना पर बड़ी संख्या में लोग और पुलिस पहुंच गई। बाघ के हमले से गंभीर रूप से घायल प्रेमराज को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी भेज दिया

गया। सूचना देने के घंटों बाद भी वन विभाग की टीम के न पहुंचने से लोगों ने नाराजगी जहिर की है। प्रेम राज पर हमला करने के कुछ देर पहले एक कुत्ते को बाघ ने अपना निवाला बनाया था। मामले की जानकारी होने पर एसडीएम पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह और सीओ डा. प्रतीक दहिया ने घायल की जानकारी ली। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर घायल प्रेमराज शोर नहीं मचाता तो खींचकर बाघ उसे घींचकर जंगल के अंदर ले जाता।

टैक्सपेयर्स, व्यापारियों और आम जनता के लिए महत्वपूर्ण बजट : विनीश अरोड़ा

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। केंद्र सरकार के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 9वां बजट पेश किया गया। स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी राहत देते हुए सरकार ने आईटीआर भरने की तारीखों में बड़ा बदलाव, 7 मुख्य बातें वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए थे। जिसमे बजट में टैक्सपेयर्स, व्यापारियों और आम जनता के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की समय सीमा से लेकर शेयर बाजार के नियमों तक, इस बार के बजट में कई बड़े प्रावधान शामिल हैं।

बरेली सीए एसोसिएशन के सीए सचिव विनीश अरोड़ा ने बताया कि इस बजट की मुख्य विशेषताएं दी गई हैं। जो आईटीआर फाइलिंग की डेडलाइन में बदलाव इनकम टैक्स रिटर्न भरने की

आखिरी तारीखों को अब श्रेणी के अनुसार संशोधित किया गया है:

आईटीआर 1 और 2 (बिना ऑडिट वाले): इनके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई तय की गई है। 3, 4, 5 और 7: इन फॉर्म्स को भरने की अंतिम तिथि अब 31 अगस्त होगी। रिवाइज्ड रिटर्न के लिए अब ज्यादा समय टैक्सपेयर्स के लिए एक बड़ी राहत है कि अब वे अपना इनकम टैक्स रिटर्न 31 दिसंबर की जगह 31 मार्च तक रिवाइज (संशोधित) कर सकेंगे। हालांकि, इसके लिए कुछ नॉमिनल फीस (नाममात्र शुल्क) देनी होगी। शेयर बाजार: F&O ट्रेडर्स पर बढ़ेगा बोझ फ्यूचर एंड ऑप्शन (F&O) में ट्रेडिंग करने वालों के लिए यह बजट थोड़ा भारी पड़ सकता है। अब ट्रेडर्स को 3% अतिरिक्त सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) देना होगा। विदेशी टूर और रेमिटेंस पर कम हुआ TDS।विदेश यात्रा और बाहर पैसे भेजने वालों के लिए अच्छी खबर है, विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाला 5% या 20% का TDS अब घटकर मात्र 2% रह गया है। LRS (शिक्षा और चिकित्सा): लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत विदेश में पढ़ाई या इलाज के लिए पैसे भेजने पर अब 5% की जगह सिर्फ 2% TDS कटेगा।

भेदभावपूर्ण रवैया | पार्षद राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में दुकानदार पहुंचे

किराया वृद्धि को लेकर दुकानदारों ने नाराजगी जाहिर की

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। नगर निगम की दुकानों के नामांतरण और किराया वृद्धि को लेकर सपा के पार्षद राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में सैकड़ों दुकानदार नगर निगम पहुंचे और महापौर डॉ. उमेश गौतम से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान दुकानदारों में नगर निगम की नीतियों, किराया निर्धारण और नामांतरण प्रक्रिया को लेकर गहरी नाराजगी देखने को मिली। सपा पार्षद राजेश अग्रवाल ने महापौर को तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा पुराने दुकानदारों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है।

राजेश अग्रवाल ने कहा कि यदि नगर निगम द्वारा कोई गलत प्रस्ताव पारित हो जाता है तो उसमें सुधार करने की

जिम्मेदारी भी नगर निगम की ही होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि वर्तमान में यदि नगर निगम कोई नई दुकान आवंटित करता है तो उसका किराया और प्रीमियम दोनों अपेक्षाकृत कम रखे जाते हैं, जबकि वर्षों से कारोबार कर रहे पुराने दुकानदारों से अधिक किराया वसूला जा रहा है। इतना ही नहीं, नामांतरण के दौरान पुराने दुकानदारों से नई दुकान आवंटन की तुलना में कहीं अधिक प्रीमियम लिया जा रहा है, जबकि वे पूर्व में भी प्रीमियम जमा कर चुके हैं। उन्होंने इसे पूरी तरह अन्यायपूर्ण करार दिया।

पार्षद राजेश अग्रवाल ने आरोप लगाया कि नगर निगम की दुकानों के नामांतरण और किराया वृद्धि से संबंधित प्रस्ताव बोर्ड बैठक में आया था, जिसमें सदन द्वारा कुछ आदेश दिए गए थे, लेकिन उनका पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के राजस्व प्रभारी टिंकू सिंह और उनके सहयोगी नितेश नियमों को ताक पर रखकर दुकानदारों को भयभीत कर रहे हैं और नियम विरुद्ध तरीके से दुकानों का नामांतरण कराया जा रहा है। इसके साथ ही दुकानों की पुताई या मरम्मत जैसे सामान्य कार्यों पर भी दुकानदारों को सील करने की धमकी दी जाती है तथा अवैध उगाही के आरोप भी लगाए गए। आरोप यह भी लगाया गया कि सील की गई दुकानों को धन लेकर फिर से खोला जाता है। उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा पारित प्रस्ताव के तहत बेहताशा किराया वृद्धि के बाद से दुकानदार लगातार विरोध कर रहे हैं, क्योंकि वे इतना अधिक किराया देने में असमर्थ हैं। उल्लेखनीय है कि 25 अगस्त 2025 को महापौर द्वारा नामांतरण और किराया वृद्धि के संबंध में एक कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी के समक्ष यह तथ्य आया कि नई दुकानों पर जहां किराया और प्रीमियम दोनों कम हैं, वहीं पुराने किरायेदारों से अधिक किराया और दोबारा प्रीमियम लिया जा रहा है। इन खामियों को देखते हुए कमेटी ने अपना निर्णय लिया, जिसे आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाना है, लेकिन इसके बावजूद राजस्व निरीक्षक द्वारा लगातार दुकानदारों पर दबाव बनाया जा रहा है। राजेश अग्रवाल ने मांग की कि जब तक बोर्ड की बैठक न हो जाए, तब तक किरायेदारों पर कोई अनावश्यक दबाव न डाला जाए। साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 के पुराने दरों पर ही किराया जमा कराया जाए और राजस्व प्रभारी टिंकू सिंह को उनके पद से हटाया जाए।

सपा के प्रतिनिधि मंडल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई की उठाई मांग

विश्ववार्ता संवाददाता

गुरसहायगंज कन्नौज। कई क्षेत्र बूथ लेवल अफसर के माध्यम से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर बोट काटे जाने के गंभीर मामले को लेकर कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी को समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने शिकायत ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की।

यह आरोप समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव ने लगाया। उन्होंने सोमवार को जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंप कर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग उठाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इस लोकतंत्र विरोधी कार्यवाही की निष्पक्ष जाँच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की माँग की। उन्होंने आरोप लगाते हो कहा कि वोट काटने की साजिश की जा रही है। पीडीए समाज खासतौर से अल्पसंख्यक के नाम काटने का काम किया जा रहा है। सभी डाक्यूमेंट्स पूरे होने के बाद भी बूथ लेवल अफसर समय से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

जिला पंचायत सदस्य वरिष्ठ युवा सपा नेता जुनैद सिद्दीकी ने कहा कि छिबरामऊ विधानसभा के ग्राम मझपुर्वा तथा सिलुआपुर ग्राम सभा में कई ग्रामीणों के वोट षड्यंत्र के तहत काटे गए हैं। यहां आपत्तियां भी भेजी गई हैं जबकि बूथ लेवल अफसर ने फॉर्म भरकर जमा किए गए थे। इन ग्राम पंचायत में बड़े षड्यंत्र का संज्ञान लेकर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने जिलाधिकारी से मिलकर समस्या रखी और उसके निस्तारण की मांग की। इस मौके पर पूर्व विधायक कल्याण सिंह सपा जिला अध्यक्ष मोहम्मद कलीम खान वरिष्ठ सपा नेता वबुअन तिवारी ग्राम प्रधान हारुन सिद्दीकी सलमा ना दिल अलीशा जीशान कासिम बदरुद्दीन सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

स्वस्थ ऊर्जा एवं विकास के लिए फल वितरण की व्यवस्था

» पीएम पोषण योजना का हो रहा है संचालन

विश्ववार्ता संवाददाता

कन्नौज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने अवगत कराया कि जिलाधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में जनपद के समस्त विद्यालयों में पी.एम. पोषण (मध्यान्ह भोजन) योजना का संचालन पूर्णतः सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जा रहा है। विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को पौष्टिक, स्वच्छ एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे नन्हे-मुन्ने बच्चों का स्वास्थ्य सुदृढ़ हो और उनकी शैक्षिक उपस्थिति व एकाग्रता में निरंतर वृद्धि हो।

उन्होंने बताया कि जनपद के 1006 परिषदीय प्राथमिक विद्यालय, 250 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 194 कम्पोजिट विद्यालय, 30 अशासकीय सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालय, 13 सहायता प्राप्त मदरसे, 04 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय विद्यालय, 01 अनुदानित संस्कृत विद्यालय एवं 60 इंटर कॉलेज, इस प्रकार कुल 1576 विद्यालयों में निर्धारित मेन्यू के अनुसार मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य, ऊर्जा एवं सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक सोमवार को विद्यालयों में फल वितरण की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में आज जनपद के विद्यालयों में फल वितरित किए गए, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह एवं प्रसन्नता देखने को मिली।

11 स्टार क्रिकेट टीम को हराकर गौरी क्रिकेट क्लब टीम ने 100 रनों से मैच जीता

विश्ववार्ता संवाददाता

समधन। नगर में चल रहा गौरी क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को गौरी क्रिकेट क्लब समधन व 11 स्टार क्रिकेट टीम तिर्वा के बीच दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया। टूर्नामेंट आयोजकों ने दोनों टीमों के कप्तानों में गौरी क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद उसामा तिर्वा टीम के कप्तान टुकटुक के बीच टॉस कराया गया, जिसमें गौरी क्रिकेट टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया अच्छा प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 14 ओवर के मैच में 4 विकेट के नुकसान पर 212 रनों का लक्ष्य रखा बाद में जबाब में उतरीं 11 स्टार तिर्वा क्रिकेट टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर खेलने पर पूरी टीम आलाउट होकर केबल 112 रन बना पाए कमेंटी द्वारा गौरी क्रिकेट टीम विजय घोषित की गई। विजय हुई टीम के खिलाड़ी प्रांशु कुमार ने अपनी टीम के लिए 49 रन बनाए और 4 विकेट लिए जिससे उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया

इस अवसर पर उम्मीद हसन अल्लाह रक्खा, मोहम्मद आरिफ (शीरू), इमरान बन्ना, रूकसाद पहलवान, नफीस बम्बईया, अब्दुल्ला खान, मोहम्मद सगीर, स्कोरर मोहम्मद आकिब के अलावा जेएमटी ई रिक्शा मोटर्स के प्रबन्धक मोहम्मद राजू मौजूद रहे।

मनरेगा अन्नपूर्णा स्वच्छ भारत मिशन योजना की बैठक संपन्न

» जिलाधिकारी ने बैठक में दिए दिशा निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

कन्नौज। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में मनरेगा, अन्नपूर्णा, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास योजना, सांसद व विधायक निधि संबंधित विभिन्न विकासपरक योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक, डीआरडीए को निर्देश देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सांसद निधि से प्राप्त 73 प्रस्तावित कार्यों (44 प्रगति पर) की अद्यतन, कार्यवार एवं प्रगति-आधारित विस्तृत रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराई जाए। साथ ही विधायक निधि के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों, व्यय की गई धनराशि तथा भौतिक प्रगति का पूर्ण विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सभी कार्य सीधे जनता से जुड़े हैं, अतः प्रत्येक कार्य को निर्धारित समय-सीमा में, सिस्टमैटिक ढंग से एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मनरेगा कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 100 खेल मैदानों के सापेक्ष 50, 21 मनरेगा पार्कों के सापेक्ष 11, 6 पौराणिक स्थलों के सापेक्ष 5, 75 मॉडल शॉप के सापेक्ष 33, 8 सीएलएफ के सापेक्ष 5 तथा 30 आंगनवाड़ी भवनों के सापेक्ष 12 कार्य पूर्ण किए गए हैं। उपायुक्त मनरेगा को निर्देश दिए गए कि वे स्वयं क्षेत्र में जाकर शेष कार्यों का भौतिक सत्यापन करें तथा उन्हें हर हाल में ससमय पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उचित दर दुकानों के मॉडल शॉप का निरीक्षण संयुक्त रूप से उपायुक्त मनरेगा एवं जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा कराते हुए जियो-टैग्ड फोटोग्राफ सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अमृत सरोवर से संबंधित लंबित कार्यों के लिए ब्लॉकवार संबंधित अधिकारियों को पत्र निर्गत करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने 1,02,779 सक्रिय श्रमिकों के सापेक्ष केवल 66,656 जॉबकार्ड की ई-केवाईसी पूर्ण होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए ई-केवाईसी प्रक्रिया में त्वरित प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया गया कि 26 अन्नपूर्णा भवनों के सापेक्ष 24 में प्रारंभ कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखें तथा सभी भवनों में शासन द्वारा निर्धारित रंग, डिज़ाइन एवं पेंटिंग मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को 'जीरो पॉवर्टी' योजना के फेज-1 एवं फेज-2 के अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं को बिना किसी विलंब के पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त 11 अंत्येष्टि स्थलों पर संचालित कार्यों का निरीक्षण कर फोटोग्राफ सहित संपूर्ण आख्या उपलब्ध कराने को कहा गया। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं तत्परता के साथ करें, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से आमजन तक पहुँच सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, जिला विकास अधिकारी नरेंद्र देव द्विवेदी, परियोजना निदेशक डीआरडीए रामऔतार सिंह, उपायुक्त मनरेगा दिनेश यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी राजेन्द्र प्रकाश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार का सपा नेता उत्कर्ष गुप्ता ने किया स्वागत

विश्ववार्ता संवाददाता

गुरसहायगंज कन्नौज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ युवा नेता ने नगर के जीटी रोड स्थित वरिष्ठ पत्रकार के आवास पर पहुंचकर उनका फूल मालाओं से लादकर उनका भव्य स्वागत किया। सोमवार को जीटी रोड स्थित वरिष्ठ पत्रकार स्वदेश गुप्ता उर्फ बंटू के आवास पर समाजवादी पार्टी के युवा वरिष्ठ नेता उत्कर्ष गुप्ता की अगुवाई में वरिष्ठ पत्रकार स्वदेश गुप्ता उर्फ बंटू का फूल मालाओं से लादकर उनका भव्य स्वागत किया।

इस मौके पर उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार स्वदेश गुप्ता ईमानदार व संघर्षील पत्रकार हैं कई बरसों से लगातार अखबार की दुनिया में उन्होंने अपना एक अलग स्थान बनाया है उनके त्याग और संघर्ष को कभी बुलाया नहीं जा सकता उनकी पत्रकारिता समाज सुधार के लिए वरदान साबित हो रही है। इस मौके पर पूर्व सभासद ज्ञानेंद्र गुप्ता ने भी इस मौके पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि नगर में निष्पक्ष पत्रकारिता करके स्वदेश गुप्ता ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय मंत्री देवेंद्र देव उमर इदरीसी वरिष्ठ सपा नेता उत्कर्ष गुप्ता पूर्व सभासद ज्ञानेंद्र गुप्ता इरशाद खान फहीम खान फैज खान के अलावा नगर के कई मौजूद रहे।

विश्व आदि भूमि दिवस जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

कन्नौज। जिला पर्यावरण समिति के तत्वावधान में विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर आज लाख बहोशी पक्षी विहार, जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग एवं लुप्तप्राय प्रजाति परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनसामान्य, विशेषकर विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं आर्द्रभूमियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। वर्ष 2026 के विश्व आर्द्रभूमि दिवस की थीम "आर्द्रभूमि और पारंपरिक ज्ञान : सांस्कृतिक विरासत का उत्सव" रही, जिस पर कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक कैलाश सिंह राजपूत की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में उन्होंने वन, पर्यावरण, नदियों एवं आर्द्रभूमियों के महत्व को रेखांकित करते हुए बच्चों, शिक्षकों एवं जनसमुदाय से इनके संरक्षण का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण एवं वृक्ष संरक्षण की शपथ भी दिलाई। विधायक ने स्थानीय स्तर पर कराए जा रहे विकास कार्यों एवं सड़कों के चौड़ीकरण व निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण के मध्य संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इसी संतुलन से भारत शीघ्र ही एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विगत वर्षों में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए सभी से देश एवं प्रदेश को विकास में अग्रणी बनाने तथा पर्यावरणीय एवं आर्द्रभूमि धरोहरों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बीएल चिल्ड्रन एकेडमी, चौधरी अवनीश कुमार इंटर कॉलेज, भारतीय इंटर कॉलेज (गुजरापुर) एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय बहोशी के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में भूमिका ने प्रथम, जानवी यादव ने द्वितीय तथा अंशी चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि सोनम देवी एवं काजल को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं आयोजित क्विज प्रतियोगिता में खुशी ने प्रथम, अर्पित ने द्वितीय एवं रोहित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा बच्चों को आर्द्रभूमियों एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही क्षेत्रीय वनाधिकारी, कन्नौज लल्लू सिंह ने आर्द्रभूमि की परिभाषा, उपयोगिता एवं उनके महत्व के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर जिला पर्यावरण समिति की जूनियर रिसर्च फेलो श्रीमती सरफा हसन, जिला परियोजना अधिकारी, जिला गंगा समिति श्री अजय त्रिपाठी, क्षेत्रीय वनाधिकारी गुरसहायगंज राकेश चित्तौरिया, क्षेत्रीय वनाधिकारी छिबरामऊ रामचन्द्र सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाइक सवार में साइकिल में मारी टक्कर पल्लेदार घायल

विश्ववार्ता संवाददाता

समधन। सोमवार देर शाम करीब आठ बजें गुरसहायगंज फर्रूखाबाद सड़क पर समधन में कोल्ड स्टोरेज से घर वापस जा रहे पल्लेदार की साइकिल में बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने घायल को निजी डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया

समधन नगर के मोहल्ला गौरी नवादा निवासी मोहम्मद बसीम 35 वर्ष पुत्र मुन्ने खां अपनी साइकिल पर सवार होकर कोल्ड स्टोरेज से आलू पल्लेदारी कर अपने घर जा रहे थे जैसे ही वह समधन कस्बे में पहुंचा तभी तेज रफ्तार अपाचे बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों ने घायल को एक निजी डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। स्थानीय लोगों की माने तो बाइक सवार टक्कर मारकर अपनी बाइक छोड़कर मौके से भाग निकला।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से पिता की मौत, बेटी घायल

विश्ववार्ता संवाददाता

कन्नौज। एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार पिता की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल हो गई। हादसा इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के कचाटीपुर गांव के निकट रविवार की सायं हुआ।

ठठिया थाना क्षेत्र के गांव कुरियाना निवासी करीब 55 वर्षीय रामप्रकाश इटावा जिले के कबूली गांव से अपनी विवाहिता बेटी 27 वर्षीय प्रियंका को लेने बाइक से उसकी ससुराल गए थे। रविवार को रामप्रकाश अपनी बेटी के साथ बाइक से गांव वापस लौट रहे थे। रविवार की सायं जैसे ही दोनों पिता पुत्री इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के कचाटीपुर गांव के निकट पहुंचे, इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली के चालक ने अनियंत्रण के कारण बाइक को टक्कर मार दी।

दुर्घटना में दोनों पिता पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को देखकर आसपास लोगों की भीड़ जुटी तो सूचना पर थाना पुलिस भी पहुंच गई। दोनों पिता पुत्री को तिर्वा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। यहां डाक्टरों ने रामप्रकाश की मौत की पुष्टि कर दी, जबकि प्रियंका को उपचार के बाद मौके पर पहुंची उनकी मां रामवती सहित अन्य परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। दुर्घटना में रामप्रकाश की मौत पर परिजनों के करुण क्रंदन का सिलसिला जारी था।म्‌ृतक के शव को पुलिस ने मोर्चरी में रखवा दिया था। थाना प्रभारी के मुताबिक मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा जाएगा,परिजनों की तहरीर पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

चौथे दिन जल सहेलियों की अविरल-निर्मल यमुना यात्रा नदी बचाने के लिए महिलाओं की पदयात्रा इटावा से दिल्ली की ओर रवाना

विश्ववार्ता संवाददाता

उरई। यमुना नदी को अविरल और निर्मल बनाए रखने के उद्देश्य से बुंदेलखंड की जल सहेलियाँ द्वारा संचालित अविरल-निर्मल यमुना यात्रा इन दिनों इटावा जनपद से होकर गुजर रही है। यह यात्रा 29 जनवरी को जालौन जनपद स्थित पचनदा धाम से प्रारंभ हुई, जहाँ यमुना, चंबल, सिंध, पहुज और कुंवारी नदियों का संगम होता हैं। यात्रा अपने पाँचवे दिन उदी मोड़ से आगे बढ़ते हुए, आज 1 दर्जन गाँव में जाएगी और रात्रि विश्राम जैतपुर स्थित कुंडेश्वर में किया जाएगा।

लगभग 500 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली से होते हुए दिल्ली के वासुदेव घाट पर संपन्न होगी। यात्रा का उद्द्देश्य केवल एक पदयात्रा करना नहीं, बल्कि समाज को नदी से जोड़ना, यमुना की वर्तमान स्थिति से समुदाय को अवगत कराना और नदी संरक्षण को जल आंदोलन का रूप देना है। जल सहेलियों का मानना है कि जब तक समाज नदी को अपनी जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक कोई भी योजना स्थायी समाधान नहीं दे सकती। यात्रा के दौरान यह सामने आ रहा है कि चंबल से मिलने से पहले यमुना का प्रवाह अत्यंत कम हो जाता है और इस क्षेत्र में घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरा और अतिक्रमण के कारण नदी अत्यधिक प्रदूषित हो चुकी है। जल सहेलियाँ लोगों से संवाद कर यह समझाने का प्रयास कर रही हैं कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में इसके गंभीर दुष्परिणाम सभी को भुगतने होंगे।

जल सहेली संस्थान के संस्थापक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि यह यात्रा किसी संगठन विशेष की नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी को जगाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जल सहेलियाँ वर्षों से तालाबों, कुओं और सूखी नदियाँ के पुनर्जीवन पर काम कर रही हैं और अब उसी अनुभव के आधार पर यमुना नदी को लेकर समाज के बीच संवाद कर रही हैं। नदियों को बचाने के लिए आवनात्मक जुड़ाव, व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक आगीदारी सबसे अधिक आवश्यक है।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मनीष राजपूत ने कहा कि बुंदेलखंड की जल सहेलियों ने यह साबित किया है कि महिलाएँ जल प्रबंधन की सबसे सशक्त धुरी हैं। यह यात्रा नदी और समाज के बीच टूटते संबंधों को फिर से जोड़ने का प्रयास है। एटावा जैसे जिलों में यह संवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यमुना की स्थिति यहीं से लगातार बिगड़ती जाती है।

पदयात्रा में शामिल जल सहेली फूलवती ने बताया कि गाँव-गाँव लोग यमुना की दुर्दशा से चिंतित हैं और इस यात्रा को आशा की नजर से देख रहे हैं। जल सहेली रेखा ने कहा कि महिलाएं सबसे पहले जल संकट और पदूषण का प्रभाव झेलती हैं, इसलिए उनका नेतृत्व इस आंदोलन को मजबूती देता है। अंजू लोधी ने कहा कि कई स्थानों पर लोग श्रमदान और छोटे-छोटे संरक्षण कार्यों के लिए स्वयं आगे आ रहे हैं। माया और लक्ष्मी ने बताया कि यात्रा के दौरान हम सभी देख रहे है कि युवाओं में नदी को लेकर जागरूकता बढ़ रही है, लेकिन उन्हें सही दिशा और निरंतर संवाद की आवश्यकता है। अंतिम झा ने कहा कि यह यात्रा समुदाय को यह समझाने का प्रयास है कि नदी संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार से जुड़ा विषय है, जब हम आने व्यवहार में परिवर्तन लायेंगे, तब अपने आप हमारी नदिया अविरल निर्मल पताह सुनिश्चित होगा। जल सहेलियों के अनुसार, पूर्व की जल यात्राओं और बुंदेलखंड में किए गए कार्यों से यह स्पष्ट हुआ है कि जब समाज, महिलाएँ और प्रशासन एक साथ आते हैं, तो सूखी और मृतप्राय नदियों को भी पुनर्जीवित किया जा सकता है। यमुना यात्रा उन्हीं अनुभवों की अगली कड़ी है। इस यात्रा मे परमार्थ समाज सेवी संस्था के डायरेक्टर अनिल सिंह, सचिव संजय सिंह, भूपेन्द्र टोनी, गोपाल श्रीवास्तव एडवोकेट, वरुण प्रताप सिंह, रमेश सिंह भदौरिया, शिव मंगल सिंह गौरव, अमरदीप, देवेंद्र, हिमांशु सहित 500 से अधिक महिलाएं पुरुष शामिल हैं।

संपादकीय

पाक को ही गिरवी रखना पड़ेगा

जिस देश की आर्थिक व सामाजिक स्थिति दोनों ही हर वक्त उतार–चढ़ाव के बीच झूलती रहती हो वह भला दूसरे देश का कुछ बनने व बिगाड़ने में अपना हित देखे बिना दूसरों की मदद क्या करेगा। यही हाल है पाकिस्तान का...। पाकिस्तान एक ऐसा मुल्क है जो आतंक व आतंकवादियों का साथ कभी भी नहीं छोड़ सकता, चाहे कितनी भी मजबूरियां हो जाये। देश की आतंरिक समस्यायें कितनी भी नेस्तोनाबूद क्यों न हो जाये, पाकिस्तान के सत्ताधारी अपनी जिद के आगे नतमस्तक कभी नहीं होंगे। ऐसा ही पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हाल ही में उद्योगपतियों के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा दिया गया बयान कि पाकिस्तान को विदेशों से कर्ज मांगते समय अपना आत्मसम्मान तक गिरवी रखना पड़ता है, दरअसल कोई नई बात नहीं है। यह स्वीकारोक्ति पाकिस्तान की उस भयावह आर्थिक और राजनीतिक सच्चाई को उजागर करती है, जिसमें वह वर्षों से फंसा हुआ है। खनिज संपदाओं और प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध, मेहनतकश पठानों का देश पाकिस्तान आज जिस बदहाली के दौर से गुजर रहा है, उसके लिए बाहरी ताकतें नहीं, बल्कि उसकी अपनी नीतियां जिम्मेदार हैं। भारत के प्रति जन्मजात नफरत और उसके अस्तित्व को मिटाने की सनक में पाकिस्तान के हुक्मरानों ने आतंकवाद को राज्य–नीति बना लिया। नतीजा यह हुआ कि देश कर्ज के दलदल में इस कदर धंस गया कि अब उसके कई हिस्से और उद्योग चीन के पास गिरवी रखे जा चुके हैं। आज पाकिस्तान के अनेक रणनीतिक ठिकानों पर चीन का प्रत्यक्ष प्रभाव किसी से छिपा नहीं है। भारत के प्रति पाकिस्तान की दुश्मनी कोई आज की बात नहीं है। बंटवारे के समय से ही भारत यह सब देखता आ रहा है पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं का कत्लेआम, बहन–बेटियों के साथ की गई बर्बरता और नफरत की वह आग, जो आज भी बुझने का नाम नहीं ले रही। हर युद्ध, हर साजिश और हर आतंकवादी प्रयास में पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद उसकी नफरत कम नहीं हुई। कट्टरपंथी ताकतों ने इस्लाम और अल्लाह के नाम पर पाकिस्तान की गरीबी का फायदा उठाया। मासूम युवाओं को बहलाकर उनके हाथों में बंदूकें थमाई गईं और भारत में आतंक फैलाने भेजा गया। दशकों तक पाकिस्तान इस नीति में लगा रहा और आज भी उसकी दहशतगर्दी की कोशिशें जारी हैं। आतंकवादी शिविर, प्रशिक्षण केंद्र और उनके रख–रखाव पर होने वाला भारी खर्च—सब कुछ पाकिस्तानी सरकार की शह पर चलता रहा। यदि यही धन पाकिस्तान ने अपने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और बुनियादी ढांचे पर खर्च किया होता, तो आज वह विकास के मामले में कई देशों से आगे होता। लेकिन जिस देश का जन्म ही नफरत की बुनियाद पर हुआ हो, उससे भारत के साथ भाईचारे की उम्मीद करना बेमानी है। पाकिस्तान का इतिहास गवाह है कि वहां जो भी शासक भारत के साथ बेहतर संबंधों और जनता की भलाई की बात करता है, उसे सेना और कट्टरपंथी ताकतें बर्दाश्त नहीं करतीं। कई लोकप्रिय हुक्मरानों को तख्तापलट कर फांसी के फंदे तक पहुंचा दिया गया। वहां की सेना ने कभी लोकतांत्रिक सरकारों को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दिया, यही कारण है कि पाकिस्तान आज भी निर्णायक नेतृत्व से वंचित है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का दर्द वस्तुत: हर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री का दर्द रहा है। आत्मसम्मान गिरवी रखकर कर्ज मांगने की यह मजबूरी उन्हीं नीतियों का परिणाम है, जिनमें सत्ता के लिए सेना और कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेक दिए गए। जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का सफाया नहीं करता, आतंकी संगठनों को संरक्षण और आर्थिक मदद देना बंद नहीं करता, तब तक उसके हुक्मरान यूं ही आत्मसम्मान गिरवी रखकर दुनिया के दरवाजे खटखटाते रहेंगे। जिस दिन पाकिस्तान की जनता और युवा कट्टरपंथ और सैन्य वर्चस्व के खिलाफ खड़े होकर देशहित में काम करने वाली लोकतांत्रिक सरकार बनाएंगे, उसी दिन पाकिस्तान को यह अपमान झेलना नहीं पड़ेगा। अन्यथा वह दिन दूर नहीं, जब आत्मसम्मान के साथ–साथ पूरा पाकिस्तान ही गिरवी रखा हुआ दिखाई देगा।

कटाक्ष — हसन जैदी

बजट–2026 : रोना हंसना दोनों मना

प्रेम शर्मा

बजट में नशें पर भारी टैक्स लादकर बड़ा प्रहार किया गया है। लेकिन इसका फायदा एक बार फिर इस व्यापार को चलाने वाले दिग्गजों के खाते में दर्ज होगा। वैसे सरल शब्दों में कहे तो बजट एक ऐसा प्रयास है जो पारंपरिक राह से ज्यादा भटकता नहीं है, बुनियादी बातों पर कायम रहता है और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के लक्ष्यों के प्रति विवेकपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखता है। बहरहाल इसे एक निराशाजनक प्रयास कहा जा सकता है। बाजारों से पूछें तो वे इसे और भी बुरा कहेंगे, खासकर शेयरों में आई भारी गिरावट को देखते हुए, जो केंद्रीय बजट पेश होने के बाद पिछले छह वर्षों में देखी गई सबसे बड़ी गिरावट थी।

बजट को लेकर वैसे भी आम आदमी की सोच केवल मंहगाई और बेरोजगारी रोकने तक टिकी रहती है। जबकि पक्ष और विपक्ष हमेशा की तरह बजट अपना राग अलापता नजर आया। सरकारी नौकरी पेशा, व्यापारी, उघोगपति और अन्य संवर्ग हमेशा बजट को लेकर अपने हानि लाभ के हिसाब से चर्चा, प्रतिक्रिया देते रहे है। यही बॉत 2026 के केन्द्रीय आम बजट को लेकर सामने आ रही है। विपक्ष और सरकारी सेवकों के नेतृत्व ने जहॉ आम बजट 2026 को एक सिरे से अलाभकारी, आदूदर्शी बताया है वही सत्ता पक्ष से जुड़े नेताओं, केन्द्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों ने जहॉ जमकर आम बजट की सराहना करते हुए इसे दूरगामी लाभकारी बताया है। बहरहाल आम जनता जो दो जून के लिए रोजी रोटी के लिए संघर्ष कर रही है उसके लिए बजट ना रोने जैसा है औ न ही हॅसने जैसा है। बजट में नशें पर भारी टैक्स लादकर बड़ा प्रहार किया गया है। लेकिन इसका फायदा एक बार फिर इस व्यापार को चलाने वाले दिग्गजों के खाते में दर्ज होगा। वैसे सरल शब्दों में कहे तो बजट एक ऐसा प्रयास है जो पारंपरिक राह से ज्यादा भटकता नहीं है, बुनियादी बातों पर कायम रहता है और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के लक्ष्यों के प्रति विवेकपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखता है। बहरहाल इसे एक निराशाजनक प्रयास कहा जा सकता है। बाज़ारों से पूछें तो वे इसे और भी बुरा कहेंगे, खासकर शेयरों में आई भारी गिरावट को देखते हुए, जो केंद्रीय बजट पेश होने के बाद पिछले छह वर्षों में देखी गई सबसे बड़ी गिरावट थी। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर केन्द्रीय बजट में सरकार की कोई स्पष्ट मंशा सामने नही आई है। अगर बजट की बारीकियॉ आम जनता को समझान में सत्तारूढ़ पार्टी समझाने में असफल रही तो इसका फायदा आगामी चुनावों में विपक्ष को मिले ऐसी सम्भावनाओं को नकारा नही जा सकता। वैसे तो इस बजट से अलग-अलग सेक्टर से जुड़े देश के नागरिकों की ढेरों उम्मीदें जुड़ी हुई थीं। खासतौर से टैक्स पेयर्स को टैक्स स्लैब में कुछ नए बदलाव और कुछ नई छूट की आशा निराशा में तब्दील कर दी गई। हालांकि कुछ सेक्टर्स में कुछ बड़ी रियायत दिए जाने की घोषणा की गई है। बजट में बड़े और दीर्घकालिक सुधार पर सरकार गति को बनाए रखने के संकेत दिये गए है। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया।विदेश यात्रा पैकेज पर भी

छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु-केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए 'बॉयोफार्मा शक्ति योजना' के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली 'ऑरेंज इकॉनोमी' को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति श्रृंखला में जारी वैश्विक उथल-पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा-दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनबिलिटी का बजट है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। बजट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं, किसानों, निवेशकों का जिक्र करते हुए दावा किया कि ये बजट भारत के असली संकटों से अनजान है। राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। यही नही इस बजट से मिडिल क्लास को खासी उम्मीदें थीं. आयकर में छूट और महंगाई पर काबू जैसे ऐलान के इंतजार कर रहे थे। सीनियर सिटीजन को भी रेल किराये में छूट समेत की उम्मीदें थीं। लेकिन वित्त मंत्री आम आदमी से जुड़े मुद्दों से किनारा करते हुए सरकार के मिशन 2047 पर तथस्थ दिखाई पड़ी। कुल मिलाकर यह बजट मीडिल क्लास, बेरोजगार और कम आय वर्ग के लिए रोना और हॅसना मना जैसे वाक्य का पर्याय साबित हुआ है।

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे–
vishwavarta.response@gmail.com

विकसित भारत के निमित्त शहरी विकास आवंटन में दृष्टिगोचर हुआ व्यापक बदलाव

अंकित जैन

भारत के बजट 2026-27 में शहरी विकास के लिए प्रस्तावित 20,000 करोड़ का आवंटन वास्तव में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है लेकिन उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह सीधे तौर पर 20,000 करोड़ का एकमुश्त खर्च शहरी विकास के लिए नहीं है। दरअसल, यह राशि मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में कार्बन कैप्चर प्रोजेक्ट्स से जुड़ी हो सकती है, जबकि शहरी विकास के लिए City Economic Regions (CER) पर 5 वर्षों में 5,000 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। हालांकि, इस व्यापक बदलाव का स्वरूप उल्लेखनीय है क्योंकि यह आवंटन पिछले बजटों से अलग है। चूंकि यह अब बड़े महानगरों से हटकर टियर-2 और टियर-3 शहरों (5 लाख से अधिक आबादी वाले) पर फोकस करता है, जहां बुनियादी ढांचे, पुनर्विकास और आर्थिक क्षेत्रों का विकास होगा। इससे छोटे शहरों में रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स हब और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। देखा जाए तो पिछले बजटों से तुलना में यह विशेष कदम है, क्योंकि पिछले वर्षों में शहरी विकास के लिए AMRUT जैसी योजनाओं पर जोर था, लेकिन 2026-27 में CER मॉडल के तहत विशिष्ट ग्रोथ ड्राइवर्स पर आधारित योजना बनेगी, जो 1 लाख करोड़ के बड़े फंड का हिस्सा है (2025-26 के लिए 10,000 करोड़)। 20,000 करोड़ का यह आंकड़ा सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर और एसेट रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देगा। इसका सकारात्मक प्रभाव शहरी विकास पर पड़ेगा। लिहाजा यह बदलाव विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को मजबूत करेगा, छोटे शहरों को विकास केंद्र बनाएगा और निजी निवेश को आकर्षित करेगा, जिससे शहरीकरण अधिक समावेशी होगा। हालांकि, सटीक 20,000 करोड़ शहरी विकास के लिए स्पष्ट नहीं मिला—यह कार्बन प्रोजेक्ट्स से जुड़ा प्रतीत होता है। इस बारे में कोसमोस पम्पस के सीईओ व कोफाउंडर अंकित जैन ने कहा कि भारत के शहरी विकास के लिए प्रस्तावित 20,000 करोड़ का खर्च एक बड़ा बदलाव है, जिसमें टियर-टू, टियर-थ्री शहरों और मंदिर वाले शहरों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह प्रस्ताव शहरों को न केवल आबादी के केंद्र के रूप में देखता है, बल्कि इनोवेशन, रोजगार और उत्पादकता के लिए एक शक्तिशाली इंजन के रूप में भी उपयोग होगा। श्री जैन के मुताबिक, भारत को स्मार्ट शहर बनाने के लिए सिर्फ़ डिजिटल समाधानों पर ध्यान देने के बजाय मज़बूत फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी उतना ही ध्यान देना होगा—खासकर वॉटर मैनेजमेंट, एनर्जी एफिशिएंसी और सस्टेनेबल यूटिलिटीज़ पर। क्योंकि आधुनिक शहरों को बढ़ती आबादी और इंडस्ट्रीज़ को सपोर्ट करने के लिए इंटेलिजेंट पंपिंग सिस्टम, कुशल वॉटर सप्लाई, वेस्टवॉटर मैनेजमेंट और क्लाइमेट-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर की ज़रूरत है। लिहाजा हर सिटी इकोनॉमिक रीजन के लिए 5,000 करोड़ का चैलेंज-बेस्ड आवंटन कॉम्पिटिशन, इनोवेशन और नतीजे-आधारित प्लानिंग को बढ़ावा देता है, जो लंबे समय की सफलता के लिए बहुत ज़रूरी है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि शहरी आर्थिक क्षेत्रों (City Economic Regions - CER) की योजना बजट 2026-27 में छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) के समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह योजना केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के संयुक्त प्रयासों से लागू होगी, जिसमें 5,000 करोड़ का प्रारंभिक आवंटन है। इसकी कार्यान्वयन प्रक्रिया भी स्पष्ट है क्योंकि योजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध तरीके से होगा। पहले राज्यों द्वारा 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का चयन, फिर ग्रोथ ड्राइवर्स (जैसे लॉजिस्टिक्स हब, रियल एस्टेट) पर आधारित मास्टर प्लान तैयार करना। इसके बाद निजी निवेश आकर्षित करने के लिए PPP मॉडल और सेंट्रल फंडिंग का उपयोग होगा। इसके प्रमुख चरण अंतर्गत चयन और योजना पर ध्यान देना होगा। खासकर राज्य शीर्ष समितियां बनाकर शहरों का चयन करेंगी, फिर 20 वर्षीय एकीकृत योजनाएं (परिवहन, आवास, भूमि उपयोग) तैयार करेंगी। ततपश्चात फंडिंग होगी। इस बाबत केंद्र से 5,000 करोड़ + एसेट मोनेटाइजेशन से अतिरिक्त संसाधन; और निजी क्षेत्र को तकनीकी सहायता। इसके बाद मॉनिटरिंग होगी और MoHUA और नीति आयोग के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्रगति की ट्रैकिंग सुनिश्चित की जाएगी। इसका अपेक्षित प्रभाव होगा कि यह AMRUT और स्मार्ट सिटीज से आगे बढ़कर आर्थिक विकास को गति देगा, रोजगार सृजन करेगा और विकसित भारत@2047 लक्ष्य को मजबूत करेगा। कहना न होगा कि शहरी आर्थिक क्षेत्रों (CER) की 20 वर्षीय नगर योजनाएं टियर-2 और टियर-3 शहरों के दीर्घकालिक विकास पर केंद्रित हैं। ये योजनाएं एकीकृत मास्टर प्लान के रूप में तैयार की जाती हैं, जो शहरीकरण को व्यवस्थित और समावेशी बनाने का लक्ष्य रखती हैं।इसके मुख्य फोकस क्षेत्र परिवहन और कनेक्टिविटी हैं। जिसके तहत मेट्रो, लॉजिस्टिक्स हब, और सड़क नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा, ताकि शहर आर्थिक केंद्र बन सकें। वहीं आवास और भूमि उपयोग की रणनीति के तहत किफायती आवास, स्लम पुनर्विकास, और भूमि बैंकिंग के माध्यम से समावेशी विकास। सम्भव किया जाएगा। जबकि आर्थिक विकास के दृष्टिगत रियल एस्टेट, औद्योगिक पार्क, और रोजगार सृजन पर जोर होगा जो निजी निवेश को आकर्षित करेगा। साथ ही पर्यावरण और बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी, क्योंकि ये योजनाएं सस्टेनेबल विकास सुनिश्चित करती हैं, जिसमें जल आपूर्ति, बिजली, अपशिष्ट प्रबंधन, और हरित ऊर्जा शामिल हैं। ई-गवर्नेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म से मॉनिटरिंग होगी। इसकी कार्यान्वयन संरचना राज्य-स्तरीय समितियां तय करेंगी और वही इन योजनाओं को तैयार करेंगी, जिसके लिए केंद्र से फंडिंग (5,000 करोड़ प्रारंभिक) और PPP मॉडल से समर्थन मिलेगा। इससे विकसित भारत@2047 लक्ष्य मजबूत होगा।

कविता

मोनिका डागा

बजट 2026

संसद भवन में कर बजट 2026 की गरिमामय प्रस्तुति,
आ. सीतारमण जी ने बताई आगामी विकास की युक्ति,
विकसित हो भारत सक्षम हो भारत पर दिया गया ज़ोर,
पर 2026 का बजट जनता की नजरों में रहा कमज़ोर।
सभी राज्यों की अपेक्षाएं और उम्मीदें थी थोड़ी ज़्यादा,
किंतु बजट आया विकास को वेग देता हुआ कुछ सादा,
वित्त मंत्री की बजट घोषणा से विपक्ष भी हुआ मायूस,
सरकार ने एक-एक कर खून पसीना सब लिया है चूस।
बजट ने समग्र भारत के विकास की ओर दौड़ाई नजरें,
आई कुछ मन को भी संतोष देने वाली ₹आनंद₹ खबरें,
सैन्य शक्ति को किया गया और भी अधिक बलशाली,
देश होगा और भी अधिक आत्मनिर्भर बढ़ेंगी खुशहाली।
सस्ते हुए खेल कूद के सामान, कपड़े, लेदर आइटम्स,
विमान के कंपोनेंट्स, सोलर एनर्जी से जुड़े प्रोडक्ट्स,
बनेंगे सात हाई स्पीड रेल कारिडोर सेवाएं होंगी सुलभ,
पर्यटन व परिवहन से आर्थिक विकास होगा सौरभ।
ये बजट बनेगा भविष्य की समृद्धि का उपयोगी माध्यम,
सबका साथ समग्र विकास पुरानी योजनाएं रहेंगी क़ायम,
दृढ़ संकल्प से सर्वत्र होगी देश में खुशियों की हरियाली,
होगा भारत विश्व पटल पर और भी अधिक शक्तिशाली।

शिक्षा यदि समाज की आत्मा है, तो बालक उसकी धड़कन

डॉ. लीना मिश्र

शिक्षा यदि समाज की आत्मा है, तो बालक उसकी धड़कन। इस सत्य को जिस शिक्षाविद ने सर्वप्रथम वैज्ञानिक दृष्टि, मानवीय संवेदना और गहन मनोवैज्ञानिक समझ के साथ प्रतिष्ठित किया, वह थीं - डॉ. मारिया मोंटेसरी। इटली में जन्मी यह चिकित्सक-शिक्षाविद केवल एक शिक्षण पद्धति की प्रवर्तक नहीं थींबल्कि उन्होंने शिक्षा को अनुशासन नहीं, स्वतंत्रता और सूचना नहीं, अनुभूति का माध्यम बनाया। भारतीय शिक्षा जगत में उनका योगदान इसी दृष्टि के कारण दूरगामी और परिवर्तनकारी सिद्ध हुआ।शिक्षा के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं जिन्होंने केवल पद्धतियाँ नहीं गढ़ींबल्कि मनुष्य को देखने की दृष्टि बदल दी।डॉ. मारिया मोंटेसरीऐसी ही विरल शिक्षाविद थीं। वह एक चिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, दार्शनिक और सबसे बढ़कर बालक की अंतर्निहित संभावनाओं में अटूट विश्वास रखने वाली शिक्षिका थीं। उनका जीवन और कृतित्व इस तथ्य का प्रमाण है कि शिक्षा यदि बालक की प्रकृति के अनुकूल होतो वह समाज के पुनर्निर्माण का सशक्त और अतुलनीय माध्यम बन सकती है। मारिया मोंटेसरी का जन्म 31 अगस्त 1870 को इटली केकियारावालेनामक नगर में हुआ। ऐसे समय में, जब महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा और विशेषकर चिकित्सा जैसे क्षेत्र लगभग निषिद्ध माने जाते थे, उन्होंने असाधारण साहस का परिचय देते हुए रोम विश्वविद्यालय से चिकित्सा की उपाधि प्राप्त की। वह इटली की शुरुआती महिला चिकित्सकों में से एक थीं। प्रारंभ में उनका कार्यक्षेत्र मानसिक रूप से कमजोर बच्चों से जुड़ा रहा। यहीं से उनके भीतर यह बोध विकसित हुआ कि समस्या बच्चों में नहींबल्कि उन्हें पढ़ाने की पद्धति में है।चिकित्सकीय प्रशिक्षण ने उन्हें बालक के शारीरिक, मानसिक और संवेदी विकास को वैज्ञानिक दृष्टि से समझने का अवसर दिया। यही वैज्ञानिक दृष्टि आगे चलकर उनकी शिक्षा-दर्शन की आधारशिला बनी। उन्होंने बालक को रोगी या अनुशासित करने योग्य प्राणी नहींबल्किस्वयं-विकासशील व्यक्तित्वके रूप में देखा। मारिया मोंटेसरी का मूल सिद्धांत था - बालक स्वयं सीखता है, शिक्षक केवल वातावरण रचता है।उनके अनुसार शिक्षा का उद्देश्य बालक को बाहरी अनुशासन में बाँधना नहीं, बल्कि उसके भीतर के आत्मानुशासन को जाग्रत करना है।उनका विश्वास था कि प्रत्येक बालक के भीतर सीखने की एकस्वाभाविक जैविक लयहोती है। यदि उसे स्वतंत्रता, सम्मान और उपयुक्त वातावरण मिले, तो वह स्वयं ज्ञान का अर्जन करता है।उन्होंने शिक्षा में तीन प्रमुख अवधारणाओं पर बल दिया - तैयार वातावरण, स्वतंत्रता के साथ अनुशासन और इंद्रिय-आधारित अनुभवजन्य सीख। 1907 में रोम की एक श्रमिक बस्ती में उन्होंने पहला 'कासा देई बाम्बिनी' (बाल-गृह) स्थापित किया। यहीं से मोंटेसरी पद्धति का व्यवस्थित प्रयोग प्रारंभ हुआ। इस विद्यालय में बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने, सामग्री चुनने और सीखने की स्वतंत्रता दी गई। परिणाम चौंकाने वाले थे।बच्चे न केवल सीखने लगेबल्कि उनमें आत्मानुशासन, एकाग्रता और सामाजिक संवेदनशीलता स्वतः विकसित होने लगी।मोंटेसरी ने शिक्षण सामग्री का निर्माण कियाजो अमूर्त ज्ञान को मूर्त अनुभव में बदल देती थी। गणित, भाषा, ज्यामिति और जीवन-कौशल सभी विषयों कोकरके सीखनेके माध्यम से प्रस्तुत किया गया। यह पद्धति रटंत शिक्षा के पूर्णतः विपरीत थी।मारिया मोंटेसरी का कृतित्व केवल विद्यालयों तक सीमित नहीं रहाबल्कि उनके ग्रंथ आज भी विश्व-भर में शिक्षा के आधार ग्रंथ माने जाते हैं। उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं - द मोंटेसरी मेथड, द ऑब्सेर्वेंट माइंड, द सीक्रेट ऑफ़ चाइल्डहुड, एजुकेशन फॉर अ न्यू वर्ल्ड और द चाइल्ड इन द फेमिली।द मोंटेसरी मेथड (1909) मूल रूप से बच्चों की शिक्षा पर लागू वैज्ञानिक शिक्षाशास्त्र के रूप में जाना जाता है। यह किताब रोम में पहले कासा देई बम्बिनी (बच्चों के घर) में उनके मेथड की शुरुआत के बारे में विस्तार से बताती है। यह खास टीचिंग मटेरियल के इस्तेमाल, ऑटो-एजुकेशन (करके सीखने) के महत्व और एक तानाशाह के बजाय एक ऑब्ज़र्वर के रूप में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका का वर्णन करती है। द एब्जॉर्बेंट माइंड (1949) उनका सबसे गंभीर काम माना जाता है।यह किताब जीवन के पहले छह सालों पर केंद्रित है। यह इस कॉन्सेप्ट को पेश करती है कि बच्चों में अपने आस-पास के माहौल से बिना किसी मेहनत के जानकारी को सोखने की एक अनोखी मानसिक शक्ति होती है, जिसकी तुलना स्पंज से की जाती है। यह बताती है कि बच्चे इस शक्ति का इस्तेमाल करके अपनी पर्सनैलिटी, मोटर स्किल्स और बुद्धि का निर्माण कैसे करते हैंऔर यह विकास के चार चरणों की रूपरेखा बताती है।द सीक्रेट ऑफ़ चाइल्डहुड (1936) किताब में, मोंटेसरी तर्क देती हैं कि वयस्क अक्सर अनजाने में बच्चों के प्राकृतिक विकास को दबा देते हैं। वह बताती हैं कि रहस्य यह पहचानना है कि बच्चे खाली स्लेट नहीं होते हैंबल्कि उनमें सीखने, विकसित होने और अपनी पर्सनैलिटी बनाने की जन्मजात इच्छा होती है। यह किताब इस जन्मजात क्षमता को सामने आने देने के लिए तैयार माहौल की आवश्यकता पर जोर देती है।एजुकेशन फॉर ए न्यू वर्ल्ड (1946) पुस्तक मानवता के लिए एक बेहतर भविष्य को आकार देने में शिक्षा की भूमिका पर बात करता है। मोंटेसरी छोटे बच्चे की अविश्वसनीय, लगभग अलौकिक क्षमता पर प्रकाश डालती हैं। वह ऐसी शिक्षा की वकालत करती हैं जो जीवन में मदद करे, बच्चे की आत्मा और स्वतंत्रता का पोषण करे ताकि एक अधिक सामंजस्यपूर्ण और शांतिपूर्ण समाज बन सके।द चाइल्ड इन द फैमिली (1923)किताब मोंटेसरी के सिद्धांतों को क्लासरूम से घर तक बढ़ाती हैजो बच्चे के विकास में माता-पिता और परिवार की भूमिका पर बात करती है। यह घर के माहौल में बच्चे के निजत्व और स्वायत्तता का सम्मान करने पर जोर देती है, स्वतंत्रता और सीमाओं के भीतर स्वतंत्रता को बढ़ावा देती है।इन रचनाओं में उन्होंने बालक के अवचेतन मन, संवेदनशील काल, स्वतंत्रता और शांति-शिक्षा जैसे विषयों पर गहन विचार प्रस्तुत किए हैं। मारिया मोंटेसरी का भारत से भी संबंध रहा। 1939 में वे भारत आईं और द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान यहीं रहीं। इस अवधि में उन्होंने मद्रास (चेन्नई) को केंद्र बनाकर अनेक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए। भारतीय शिक्षकों को उन्होंने बाल-मनोविज्ञान और मोंटेसरी दर्शन की व्यावहारिक समझ दी।भारतीय शिक्षा में बालवाड़ी, किंडरगार्टन और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के विकास में मोंटेसरी का योगदान ऐतिहासिक रहा है। उनके विचार भारतीय दर्शन की उस परंपरा से मेल खाते हैंजिसमें शिक्षा को आत्म-विकास और संस्कार का माध्यम माना गया है।मारिया मोंटेसरी का जीवन और कृतित्व पुष्ट करता है कि शिक्षा शक्ति का प्रयोग नहींबल्कि विश्वास की साधना है। उन्होंने बालक को केंद्र में रखकर शिक्षा की पूरी संरचना को पुनर्परिभाषित किया। आज, जब विश्व और भारत दोनों में शिक्षा को मानवीय, समावेशी और अनुभवात्मक बनाने की चर्चा हो रही है, मोंटेसरी का दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है।वह केवल एक शिक्षाविद् नहीं थींबल्किबच्चों के माध्यम से मानवता के नव-निर्माण की स्वप्नद्रष्टाथीं। मारिया मोंटेसरी का मूल विश्वास था कि बालक स्वभावतः सीखने को तत्पर होता है,आवश्यकता केवल ऐसे वातावरण की है जो उसकी जिज्ञासा को बाधित न करेबल्कि उसे पोषित करे। यह विचार भारतीय दर्शन की उस परंपरा से अनायास जुड़ जाता है, जिसमें बालक को बीज नहीं, अंकुरित चेतना माना गया है। मोंटेसरी ने बालक को शिक्षक का अनुयायी नहींबल्कि स्वयं का शिक्षक मानाऔर शिक्षक को मार्गदर्शक, निरीक्षक तथा सहचर। देखें तो भारतीय शिक्षा में मोंटेसरी का प्रवेश केवल एक विदेशी पद्धति का आगमन नहीं थाबल्कि औपनिवेशिक, अनुशासनप्रधान और रटंत आधारित शिक्षाके विकल्प के रूप में एक मानवीय हस्तक्षेप था। 1939 में जब वे भारत आईं और द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण यहीं रुक गईं, तब उन्होंने देश के विभिन्न भागों में शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। मद्रास (चेन्नई) मोंटेसरी आंदोलन का प्रमुख केंद्र बना। उनके साथ उनके पुत्र मारियो मोंटेसरी ने भारतीय शिक्षकों को बाल-मनोविज्ञान, संवेदनात्मक शिक्षा और आत्मानुशासन की बारीकियाँ समझाईं। प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दुर्गा भाभी वोहरा ने भी उनसे प्रशिक्षण प्राप्त कर 1940 में लखनऊ मोंटेसरी स्कूल खोला था जो पुराना किला, लखनऊ में रफ़ी अहमद किदवई ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जाता है। उस समय बाल शिक्षा को गरिमा और वैज्ञानिक आधार प्रदान करनामोंटेसरी पद्धति का बड़ा योगदान था।जब बालवाटिका या पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को केवल देखभाल भर समझा जाता था, मोंटेसरी ने सिद्ध किया कि 0 से 6 वर्ष की आयु बालक के मानसिक, भाषिक और नैतिक विकास की आधारशिला है। आज भारत में किंडरगार्टन, प्री-नर्सरी और बालवाड़ी की जो संरचना दिखती है, उसके वैचारिक मूल में मोंटेसरी दर्शन स्पष्ट रूप से विद्यमान है।

भारतीय संदर्भ में मोंटेसरी की शिक्षा इसलिए भी प्रासंगिक सिद्ध हुई क्योंकि यह बहु-संस्कृति, बहु-भाषा और सामाजिक विविधता को सहजता से समाहित करती है। भाषा-शिक्षण में ध्वन्यात्मक पद्धति, गणित में मूर्त सामग्रीके माध्यम से अमूर्त अवधारणाओं की समझ - ये सब भारतीय कक्षाओं के लिए अत्यंत उपयोगी रहे। इसके अतिरिक्त, आत्मानुशासन, स्वच्छता, श्रम की गरिमा और सामाजिक सहयोग जैसे मूल्य भारतीय सांस्कृतिक चेतना से स्वाभाविक रूप से मेल खाते हैं।यह कहना अतिश्योक्ति नहीं कि मोंटेसरी ने भारतीय शिक्षा को बालकेंद्रित दृष्टिकोण प्रदान किया। उन्होंने यह स्थापित किया कि शिक्षा का उद्देश्य परीक्षा-उत्तीर्ण करना नहीं, बल्कि स्वतंत्र, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक का निर्माण है। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जिस अनुभवजन्य, गतिविधि-आधारित और बालकेंद्रित शिक्षा की बात की जा रही है, वह मोंटेसरी के विचारों की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। इसलिए यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि मारिया मोंटेसरी भारतीय शिक्षा में एक विदेशी नाम नहीं, बल्कि वैचारिक सेतु हैजो पश्चिम की वैज्ञानिक पद्धति को भारतीय मानवीय दृष्टि से जोड़ता है। उन्होंने हमें सिखाया कि यदि बालक को सम्मान, स्वतंत्रता और उपयुक्त वातावरण मिलेतो शिक्षा बोझ नहीं, आनंद बन जाती है। भारतीय शिक्षा का भविष्य उस दिशा में उज्ज्वल होगा, जहाँ मोंटेसरी की यह चेतना केवल पद्धति नहीं, बल्कि शैक्षिक संस्कार के रूप में जीवित रहेगी।

एक नजर

भागवत कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

हाटा(कुशीनगर)। स्थानीय किसान पीजी कालेज पैकौली हाटा में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दुसरे दिन आचार्य ब्रजेश जी महाराज श्रीधाम वृन्दावन ने श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराते हुए कहा कि केवल श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से ही व्यक्ति को संसारिक दुखों से मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। उन्होंने कहा कि जब राजा परीक्षित को यह ज्ञात हो गया कि आज से सातवें दिन तक्षक डंस लेगा तो उन्होंने समुद्र मे मचान बनाकर सात दिनों तक श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया। कथा के दौरान आचार्य कथा वाचक ने कहा कि स्वर्ग से 88 हजार मुनी परीक्षित को अमर करने के लिए अमृत कलश लेकर आये तो आचार्य ने कहा कि आप अमृत सर का पान करेंगे या भागवत कथा से मोक्ष प्राप्त करेंगे। इस पर परीक्षित ने कहा कि मुझे भागवत कथा सुनकर मोक्ष प्राप्त करना है और इस प्रकार परीक्षित कथा सुन सीधे श्रीधाम पहुंचे जिस पर ब्रह्मा जी को भी आश्चर्य हुआ। इस प्रकार कथा आचार्य ब्रजेश जी महाराज ने भागवत कथा के महत्व को बताते हुए श्रोताओं का मनमोह लिया। प्रबंधक/मुख्य यजमान सत्य प्रकाश सिंह, संयोजक सतीश कुमार सिंह सहित इंजिनियर प्रेम प्रकाश सिंह, प्रधानाचार्य डाक्टर गीता सिंह प्राचार्य डाक्टर रणवीर कुमार, आदित्य चौबे,धर्मेंद्र सिंह, राजेश सिंह अरविंद सिंह सहित भारी संख्या श्रोता मौजूद रहे।

गोरखपुर व लखनऊ तक सीधी बस सेवा का शुभारंभ

हाटा(कुशीनगर)। स्थानीय विधानसभा अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर पुरानी खांडसारी मिल के पास बनी नई मिनी बस अड्डा व महुआरी चौराहे से विधायक मोहन वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर दो बसों का संचालन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि नई बस से प्रारंभ होने से यहां व आस-पास के क्षेत्रों के नागरिकों को आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी तथा उन्हें यात्रा में सहुलियत होगी। उन्होंने कहा कि पहली बस महुआरी चौराहे से हाटा -पिपराइच मार्ग पर बालेश्वर चौराहा, भैंसही,खोठ्ठा, अहिरौली बाजार,टीकर से पिपराइच होते हुए पादरी बाजार गोरखपुर तक की सेवा प्रदान करेगी तथा दुसरी बस मिनी बस स्टेशन पैकौली हाटा से गोरखपुर,सहजनवां, खलीलाबाद, बस्ती, अयोध्या होते हुए लखनऊ पहुंचेगी। इससे हाटा विधानसभा से गोरखपुर से लेकर राजधानी लखनऊ तक सीधी कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। विधायक ने इस क्षेत्र के लिए बस सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ महराज, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, सांसद विजय दुबे एवं राज्य सभा सांसद कुंवर आरपीएन सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर हिन्दू वादी नेता रामबचन सिंह, नगर मंडल अध्यक्ष मुंशी सिंह, सभासद विनय प्रताप सिंह,रणजीत सिंह, प्रमोद गुप्ता के अतिरिक्त अर्जुन गुप्ता, अनुराग कुशवाहा,राजन गोंड, महामंत्री संतोष श्रीवास्तव सहित भारी संख्या कार्यकर्त्ता व क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे। क्षेत्र के लोगों ने विधायक की इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा किया है।

इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 2 से 9 फरवरी के बीच

हाटा(कुशीनगर)। स्थानीय श्री गांधी स्मारक इंटर कालेज के इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा प्रयोगात्मक कक्षा 12 भूगोल,जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 2 फरवरी से 9 फरवरी के बीच सम्पादित होगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य नागेश्वर पति त्रिपाठी ने बताया कि कक्षा 12 समस्त छात्र-छात्राएं अपने-अपने विषयों के अध्यापकों से अनिवार्य रुप से निरंतर सम्पर्क बनाए रखे। यदि किसी छात्र-छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा छूट जायेंगी तो वह स्वयं उत्तरदाई होगा।

केंद्रीय बजट में किसान कर्ज माफी का नहीं है जिक्र: माकपा

कसया, कुशीनगर। भारत की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पदाधिकारियों समीक्षा बैठक कर केंद्रीय बजट पर कहा कि आम जनता के लिए नहीं कार्पोरेट को मजबूत करने वाला बजट है। सरकार द्वारा बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। किसान कर्ज माफी के लिए बजट में कोई जिक्र न होने से किसान मायूस हैं। कसया नगर स्थित गांधी चौक स्थित माकपा के कैंप कार्यालय पर पार्टी जिला सचिव अयोध्या लाल श्रीवास्तव, जवाहर शर्मा, राजेंद्र सिंह, बीपी गुप्ता, गेंदा सिंह, कैलाश गिरी, शंकर प्रसाद, ने समीक्षा बैठक में कहा कि फसलों की एम एस पी कानून की गारंटी बिना किसानों की आय दोगुनी होना संभव नहीं है। कृषि का बजट तो बढ़ाया जा रहा है लेकिन खेती पर बढ़ रही लागत जिसमें खाद, बीज, उर्वरक, डीजल, कृषि यंत्र पर बजट में भारी सब्सिडी जैसा कुछ नहीं है। जिससे किसानों को राहत मिले। देश के अधिसंख्य किसान कर्ज में डूबे हुए हैं। उनके कर्ज की माफी के लिए बजट में प्राविधान होना चाहिए। बजट में नवजवानों को स्थाई रोजगार का कोई स्पष्ट दिशा निर्देश नहीं है। जबकि बेरोजगारी दूर करने के लिए भारी बजट की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में बजट बढ़ाया जाना चाहिए। छोटी आय के लोगों से टैक्स न लेकर और बड़े आय एवं पूंजीपतियों के टैक्स से सरकारी आय बढ़ाने का कोई जिक्र नहीं है।

वर्ल्ड वेटलैंड डे पर जागरूकता कार्यक्रम

रामकोला (कुशीनगर)। वर्ल्ड वेटलैंड डे के अवसर पर रामकोला विकास खंड क्षेत्र के मनीताल खोटही में वन विभाग, पर्यावरण विभाग एवं नमामि गंगे के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को वेटलैंड क्षेत्र का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने विदेशी पक्षियों को नजदीक से देखा और उनके बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। पक्षियों को देखकर छात्र काफी उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर चित्रकला एवं संभाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।
छात्रों को मियां बाकी पद्धति से किए गए पौधारोपण क्षेत्र का भी भ्रमण कराया गया, जिसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी बताया गया। यूएनपीजी कॉलेज पडरौना के डॉ. आनंद ओझा ने कहा कि वेटलैंड जैव विविधता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हैं। क्षेत्रीय वनाधिकारी कसया जयंत कुमार राणा , क्षेत्रीय वनाधिकारी पडरौना अशोक कुमार , डीपीओ जिला गंगा समिति नम्रता भट्ट ने आदि ने जानकारी दी। चित्रकला प्रतियोगिता में नित्या बरनवाल ने प्रथम, प्रीतिका पांडे ने द्वितीय और आकृति बरनवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ताइक्वांडो से सुरक्षा की सीख, स्कूल में छात्राओं को मिला विशेष प्रशिक्षण

» प्रधानाध्यापिका शिक्षक शिक्षिका शिक्षा मित्र समेत छात्र-छात्राएं व रसोइया उपस्थित रहे

विश्ववार्ता संवाददाता

कसया, कुशीनगर। आज के समय में जब समाज में बच्चियों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन चुकी है, ऐसे में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण उन्हें न केवल सशक्त बनाता है बल्कि आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। इसी उद्देश्य से कसया ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय मुंडेरा रतनपट्टी कंपोजिट में सोमवार को एक दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का नेतृत्व ताइक्वांडो एसोसिएशन कुशीनगर के प्रशिक्षक धीरज यादव ने किया। उन्होंने छात्राओं को ताइक्वांडो की बुनियादी तकनीकें, मुक्केबाज़ी, किक और बचाव के विभिन्न कौशल सिखाए। प्रशिक्षक ने बच्चियों को यह भी बताया कि किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखते हुए आत्मरक्षा के गुर अपनाकर वे स्वयं को सुरक्षित रख सकती हैं। कोच धीरज ने कहा कि हर छात्रा को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेना चाहिए। ताइक्वांडो शरीर को मजबूत बनाने के साथ मानसिक साहस भी प्रदान करता है। नियमित अभ्यास से छात्राएं आत्मनिर्भर बनेंगी और उनके आत्मविश्वास में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका निर्मला सिंह ने कहा कि बच्चियों को पढ़ाई के साथ-साथ आत्मरक्षा की शिक्षा मिलना समय की मांग है। शिक्षक प्रभात चतुर्वेदी और अमृता सिंह ने भी इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण छात्राओं को जीवनभर याद रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक वाहिद अली ने कहा कि आत्मरक्षा का हुनर आज के समय में बच्चियों के लिए कवच का काम करता है। इस तरह का प्रशिक्षण न केवल उन्हें सुरक्षित रखेगा बल्कि उनके अंदर निर्भीकता और आत्मविश्वास भी विकसित करेगा। विद्यालय परिवार इस पहल की सराहना करता है और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता महसूस करता है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान छात्राओं ने बड़े nउत्साह से ताइक्वांडो की तकनीकों को सीखा और कई छात्राओं ने मंच पर आकर अपने सीखे हुए मूव्स का प्रदर्शन भी किया।

छात्राओं ने कहा कि उन्हें यह प्रशिक्षण बहुत उपयोगी लगा और अब वे खुद को कहीं अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं। इस मौके पर प्रधानाध्यापिका निर्मला सिंह, शिक्षक वाहिद अली, प्रभात चतुर्वेदी, राजन चौरसिया, शिक्षिका अमृता सिंह, शिक्षा मित्र संध्या सिंह समेत छात्र-छात्राएं व रसोइया उपस्थित रहे।

पंचेश्वरनाथ धाम में प्रतिष्ठित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली कलश यात्रा

विश्ववार्ता संवाददाता

सेवरही। कुशीनगर। सेवरही नगर पंचायत के प्राचीन शिवाघाट बाबा पंचेश्वर नाथ धाम में प्रतिष्ठित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर भव्य कलश यात्रा तथा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। सोमवार सुबह से ही नगर पंचायत सेवरही और आसपास के गाँवों सहित दूर-दूर से आए भारी संख्या में श्रद्धालु श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ उपस्थित रहे। भजन-कीर्तन, मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच कलश यात्रा शुरू हुई, जिसमें पुरुष, महिलाएं और बुजुर्ग सभी श्रद्धापूर्वक शामिल थे। नगर के मुख्य मार्ग पर सुबह से ही भारी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवतियों द्वारा हाथों में कलश व ध्वज पताका लेकर जयघोष करते हुए वातावरण को गुंजायमान बनाए रखा। नगर भ्रमण के उपरांत शिवाघाट पहुंच कलश यात्रा का समापन किया गया। इस भव्य यात्रा का मुख्य उद्देश्य बाबा पंचेश्वर नाथ की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा के लिए पवित्र कलश और जलाभिषेक के साथ श्रद्धालुओं की आस्था को एक सूत्र में बाँधना था। यात्रा के अंत में मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। वही धार्मिक वातावरण राजनीति और सामाजिक चिंताओं से ऊपर उठकर यह आयोजन एक आध्यात्मिक पर्व के रूप में देखा गया, जहाँ भक्तो ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया और आगामी वर्षों में भी क्षेत्र में इसी प्रकार के आयोजन की कामना की उक्त अवसर पर मुख्य रूप से नगर पंचायत सेवरही अध्यक्ष श्रीमती सोनिया त्रिभुवन जायसवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि त्रिभुवन जायसवाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि धनंजय तिवारी, पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर विश्वकर्मा, नंदलाल जायसवाल, दीनानाथ जायसवाल, विनोद जायसवाल, भाजपा नेता डॉ विजय राय, नीरज गुप्ता, कृष्णा जायसवाल विनोद जायसवाल, अमरनाथ गुप्ता, सभासद अजय गुप्ता, पप्पू जायसवाल, डा राजेश गुप्ता, कृष्णा जायसवाल,मक्खन जायसवाल सहित समस्त सभासद गण व हजारों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

सनराइज स्पोर्टिंग क्लब ने बड़ी जीत से फाइनल में बनाई जगह

तमकुहीराज (कुशीनगर)। संजय क्लब के तत्वावधान में आयोजित 48 वीं संजय कप आल इंडिया फुटबाल प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल में सनराइज स्पोर्टिंग क्लब गोपालगंज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसयू फुटबाल क्लब छपरा को 5-1 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ गोपालगंज की टीम ने खिताबी मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली, जहां मंगलवार को उसका सामना मेजबान टीम से होगा। सोमवार को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमें एक-दूसरे की रणनीति को परखती रहीं। मध्य पंक्ति में कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन गोल के स्पष्ट अवसरों को दोनों ही टीमें भुना नहीं सकीं। परिणामस्वरूप मध्यांतर तक स्कोर शून्य-शून्य रहा।

दूसरे हाफ में सनराइज स्पोर्टिंग क्लब गोपालगंज ने पूरी तरह से आक्रामक रुख अपनाया। तेज पासिंग, सटीक मूवमेंट व बेहतर तालमेल के बल पर गोपालगंज के खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाया। इसका असर यह हुआ कि कुछ ही समय में दनादन पांच गोल दाग दिए गए। छपरा की टीम रक्षात्मक मोर्चे पर बिखरती नजर आई।

समाज की असली तस्वीर को सबके सामने लाने में पत्रकार की भूमिका अहम : बाबा

» ग्रापए तमकुहीराज ने किया ,परिचय पत्र वितरण व सम्मान समारोह का आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

तमकुहीराज (कुशीनगर)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन (ग्रापए) की तमकुहीराज तहसील इकाई के पत्रकारों का परिचय पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह रविवार को नगर स्थित एक मैरिज हाल में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि यूपी एग्रो के चेयरमैन (दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री) जगदीश मिश्र उर्फ बाल्टी बाबा रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकार समाज की असली तस्वीर शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। जमीनी समस्याओं, जन सरोकार और विकास से जुड़े मुद्दों को निर्भीकता से उठाना लोकतंत्र को मजबूत करता है।आज की परिस्थिति में पत्रकारिता करना बहुत ही जटिल है। पत्रकार सरकार और जनता की बीच की कड़ी है। आप सभी को जब भी मेरी जरुरत होगी तो मै आपके साथ हूँ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी तमकुहीराज आकांक्षा मिश्रा ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना हैं। परिचय पत्र मिलने से पत्रकारों की पहचान और विश्वसनीयता और अधिक सुदृढ़ होगी। विशिष्ट अतिथि ग्रापए के प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश द्विवेदी ₹ओम₹ ने ग्रापए की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में पत्रकारों को एक मंच प्रदान कर रहा है, जिससे वे संगठित होकर समाज हित में कार्य कर सकें। तहसील इकाई के संरक्षक राजा महेश्वर प्रताप शाही ने पत्रकारों से निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता करने का आह्वान किया।पत्रकारों को जनहित के मुद्दों पर सतत लेखन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को मंडल मंत्री अजय कुमार सिंह, जिला महासचिव अमरनाथ पांडेय, जिला उपाध्यक्ष पारसनाथ पांडेय, जिला सचिव अविनाश जायसवाल,तहसील अध्यक्ष राजकुमार चौबे, महामंत्री अंजनी सिंह, सुरेंद्रनाथ राय, मनोज मिश्रा, कामाख्या नारायण मिश्र, कृष्णा राय, कृष्णमुरारी पांडेय, रमेश चंद्र यादव, राजीव रंजन तिवारी, आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी संवाददाता डा विवेक पांडेय ने किया। अंत में ग्रापए मंडल मंत्री अजय कुमार सिंह एवं तहसील अध्यक्ष तमकुहीराज राजकुमार चौबे ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस दौरान धनेश्वर पांडेय,कामाख्या नारायण मिश्र, कृष्ण मुरारी पाण्डेय,दीपक मिश्र, कृष्ण नंदन खरवार, बृजेश मिश्र,राजीव रंजन तिवारी, कृपाशंकर यादव, प्रमोद त्रिपाठी, रमेश यादव, राजेश यादव,संजीव राय, कृष्णा यादव, राजेश यादव, ओमप्रकाश राय, धनंजय मिश्र, अशोक सिंह, मृत्युंजय सिंह मोनू, मृत्युंजय पांडेय, हारून अंसारी, कमलेश्वर पटेल, ब्रजेश बादल, अजय शर्मा, अनिल चौरसिया, तारकेश्वर शाही, सौरभ मिश्र, ब्रजेश मिश्रा, अमित पांडेय, नितांत सिंह, सलाउद्दीन सिद्दिकी, विजय गोड़, सुनील गोड़, लल्लन गुप्ता, इमरान अंसारी, अमजद अली सागर, प्रदीप श्रीवास्तव, अमलेश सिंह,श्रीनिवास रावत,ब्यास गोड़, विपिन पाण्डेय समेत बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

दिवंगत शम्भू निषाद के परिजनों से मिले निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

सेवरही। कुशीनगर। स्थानीय विकासखंड के ग्राम परसा उर्फ सिरसिया निवासी दिवंगत शंभू निषाद जो गत दोनों कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद के रैली में स्वागत के दौरान दुर्घटना का शिकार हो निधन हो गया। जिसका संज्ञान लेते हुए निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ निषाद द्वारा दिवंगत शंभू निषाद के परिजनों से मिल संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया गया।

सोमवार को सेवरही विकासखंड के ग्राम परसा उऱ्फ सिरसिया मे भाजपा नेता डॉ विजय राय के साथ निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद द्वारा शंभु निषाद के दुःखद निधन के उपरांत उनके आवास पहुँचकर शोकाकुल परिवार से भेंट की गई। इस गहन पीड़ा के क्षण में मंत्री ने परिवार को ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि सरकार की ओर से हर संभव सहायता और सभी वैधानिक लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह केवल सांत्वना के शब्द नहीं, बल्कि परिवार के साथ खड़े रहने का संकल्प है।

मेजबान संजय क्लब ने देवरिया को हराकर फाइनल में बनाई जगह

विश्ववार्ता संवाददाता

तमकुहीराज (कुशीनगर)। बरवाराजापाकड़ गेंदा खेली मैदान में संजय क्लब के तत्वावधान में आयोजित 48वीं संजय कप आल इंडिया फुटबाल प्रतियोगिता के तहत रविवार को खेले गए प्रथम सेमीफाइनल में मेजबान टीम ने सशक्त प्रदर्शन करते हुए फ्रेंडशिप फुटबाल क्लब देवरिया को 2-0 से पराजित कर फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। मुकाबला शुरू से ही तेज गति व आक्रामक रणनीति के साथ खेला गया, जिससे मैदान पर रोमांच बना रहा।

पहले हाफ में दोनों टीमों ने संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। कई बार गोल के अवसर बने, लेकिन मजबूत रक्षापंक्ति व गोलकीपरों की सतर्कता के चलते कोई भी टीम बढ़त नहीं बना सकी। मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई। दूसरे हाफ की शुरुआत में मेजबान टीम ने खेल की दिशा बदल दी। हाफ के आठवें मिनट में जर्सी नंबर आठ खिलाड़ी ने शानदार मूव के बाद गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके तुरंत बाद दसवें मिनट में जर्सी नंबर ग्यारह खिलाड़ी हंटर ने सटीक प्रहार करते हुए दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद देवरिया की टीम ने वापसी के प्रयास किए, लेकिन मेजबान टीम की संगठित रक्षापंक्ति ने सभी हमलों को विफल कर दिया। अंत तक स्कोर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि व्यवसायी नुरुल हसन व विशिष्ट अतिथि अनिल गुप्ता व भीम गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। रेफरी की जिम्मेदारी खुर्शेद आलम ने निभाई, जबकि लाइन मैन के रूप में ज्ञानप्रकाश व प्रभात मिश्र तैनात रहे। उद्घोषणा की जिम्मेदारी प्रिंस शुक्ल, महमूद अंसारी व सोनू कुमार ने संभाली।

आयोजन समिति के अध्यक्ष व प्रधान प्रतिनिधि मुन्नीलाल प्रसाद, रामसकल यादव, डा. पवन सिंह, नंदकिशोर, भुआल, श्रीकांत, तालिम, चंदन, ज्ञानप्रकाश, रुपेश, ऐनुल्लाह, श्यामानंद कुशवाहा, आलम, अनिल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

हाटा वन रेंज में मनाया गया विश्व आद्रभूमि दिवस

हाटा(कुशीनगर)। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर आज हाटा वन रेंज के रामपुर मिश्री करमहा क्षेत्र के बावली ताल पर सिंह इंटरनेशनल स्कूल के छात्र छात्राओं में वनाधिकारी अमृता चंद सिंह के नेतृत्व में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जहां छात्र छात्राओं के साथ हाटा वन रेंज के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर हाटा वन क्षेत्राधिकारी अमृता चंद सिंह ने बच्चों को आर्द्रभूमियों के महत्व, जलीय पक्षियों, उनके आवास, विभिन्न प्रजातियों और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी देते हुए बताया कि अप्रवासी जलीय पक्षी आर्द्रभूमियाँ केवल जलीय पक्षियों का आश्रय स्थल ही नहीं होतीं, बल्कि ये भूजल संरक्षण, जल शुद्धिकरण, बाढ़ नियंत्रण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ संवाद,अवलोकन और मार्गदर्शन तथा वाद विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से प्रकृति तथा वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न की गई। वहीं विद्यालय के प्रबंधक डा विपिन सिंह ने बताया कि इस तरह के आयोजन से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित होगा।इस दौरान प्रधानाचार्य श्वेता सिंह,सी. पी. सर,वन दरोगा वी.के सिंह, अनिल कुमार,अब्दुल आलम, वन रक्षक शम्भू राजभर, शत्रुधन ठाकुर रामप्रीत व अन्य लोग मौजूद रहें।

विश्व वेटलैंड डे पर आर्द्रभूमि संरक्षण का संदेश

» जलस्रोत व पक्षी पारिस्थितिकी संतुलन की मजबूत कड़ी बताए गए

» बर्ड फेस्टिवल से विद्यार्थियों को मिला प्रकृति संरक्षण का व्यावहारिक बोध

विश्ववार्ता संवाददाता

तमकुहीराज (कुशीनगर)। तमकुही वन रेंज के अंतर्गत दुदही विकास खंड के ग्राम पंचायत दुमही स्थित देवामन ताल परिसर में विश्व वेटलैंड डे व बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्द्रभूमियों के संरक्षण, प्रवासी व स्थानीय पक्षियों के महत्व तथा पारिस्थितिकी संतुलन में उनकी भूमिका को रेखांकित करना रहा। आयोजन स्थल पर वन विभाग की टीम, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिससे जागरूकता का वातावरण बना। रेंजर हरकेश बहादुर नायक ने कहा कि आर्द्रभूमियां जल संरक्षण, जैव विविधता व आजीविका सुरक्षा का मजबूत आधार हैं। दुमही ताल जैसे प्राकृतिक जलस्रोत पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराते हैं, जिनका संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से तालाबों में प्लास्टिक व कचरा न डालने तथा जलस्रोतों का प्राकृतिक स्वरूप बनाए रखने की अपील की। वन दारोगा धीरेंद्र दीक्षित ने कहा कि बर्ड फेस्टिवल के माध्यम से बच्चों व युवाओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित होता है। पक्षियों की गणना, पहचान व उनके आवासों की सुरक्षा से पर्यावरणीय संतुलन सुदृढ़ होता है। कार्यक्रम के दौरान पक्षी अवलोकन, जानकारी सत्र व जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने स्थानीय पक्षी प्रजातियों की पहचान कर उनके आवास व व्यवहार से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन से जोड़ने पर भी बल दिया गया।

मुरलीधर इंटर कॉलेज दुमही के प्रधानाचार्य बलिराम कुशवाहा ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को पर्यावरण शिक्षा को पुस्तकों तक सीमित न रखकर व्यवहार में उतारना चाहिए। कार्यक्रम में वन रक्षक इंद्रजीत यादव, उदय प्रताप राव, शिक्षक विजय कुशवाहा, अरविंद कुशवाहा, सिराजुद्दीन अंसारी, अनुराधा कुशवाहा व छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

खामोशी में ताक़त: जहां बोले लाइटर बाबा, वहीं बदल गई तस्वीर

गोविंद तिवारी

वाराणसी। काशी की राजनीति और सामाजिक हलचलों में जिन नामों की चर्चा पर्दे के पीछे होती है, उनमें लाइटर बाबा का नाम सबसे अलग और असरदार माना जाता है। बहुत से लोग आज भी यह नहीं जानते कि राजनीतिक दुनिया के बड़े-बड़े चेहरे सीधे या परोक्ष रूप से लाइटर बाबा से जुड़े रहे हैं। असली नाम अनिल मिश्रा, लेकिन पहचान ऐसी कि नाम से ज़्यादा उनकी मौजूदगी और बोले गए शब्दों की चर्चा होती है।

लाइटर बाबा का जन्म 25 जून 1975 को हैबतपुर गांव में हुआ। पिता का नाम कैलाश नाथ मिश्रा है। तीन भाइयों और दो बहनों के परिवार में वे दूसरे नंबर पर हैं। बचपन से ही उनमें लोगों को समझने, हालात को पढ़ने और सही समय पर सही कदम सुझाने की अद्भुत क्षमता दिखने लगी थी। यही वजह रही कि जिस-जिस के साथ वे जुड़े, वह व्यक्ति या संगठन समय के साथ बड़े मुकाम तक पहुंचा।

राजनीतिक गलियारों में यह आम चर्चा है कि लाइटर बाबा जिनके साथ खड़े हो जाते हैं, उनका कद अपने आप बढ़ने लगता है। उनके करीबी बताते हैं कि यह सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं है। फिल्म जगत से जुड़े कई लोग भी ऐसे हैं, जो आज स्टार बन चुके हैं और खुले तौर पर या निजी बातचीत में यह मानते हैं कि लाइटर बाबा के आशीर्वाद और मार्गदर्शन का उनकी जिंदगी में बड़ा योगदान रहा है। बाबा खुद कभी इस पर बोलते नहीं हैं, लेकिन उनके आसपास रहने वाले लोग इसे संयोग नहीं मानते।

लाइटर बाबा की सबसे बड़ी पहचान उनकी खामोशी और रहस्यमय जीवनशैली है। वे मीडिया और अखबारों से हमेशा दूरी बनाए रखते हैं। न तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं और न ही सुर्खियों में आने की कोशिश। इस बारे में उनके बेहद करीबी और धरोहर संरक्षण सेवा संगठन के राष्ट्रीय संयोजक

श्री कृष्णा पांडे बताते हैं कि बाबा कई बार ऐसे मोड में चले जाते हैं कि उनसे मुलाकात तक मुश्किल हो जाती है। कभी-कभी तो महीनों तक यह पता नहीं चल पाता कि वे कहां हैं। उनका ठिकाना बदलता रहता है, मानो वे किसी एक जगह के होकर नहीं रहना चाहते।

यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) के नए कानून के विरोध में वाराणसी में चला आंदोलन लाइटर बाबा की भूमिका को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। 13 जनवरी 2026 को कचहरी स्थित ऐतिहासिक बट वृक्ष के नीचे यूजीसी के खिलाफ धरना शुरू हुआ। यह आंदोलन श्रीकृष्णानंद पांडे के नेतृत्व में चल रहा था और धीरे-धीरे यह विरोध एक बड़े जनआंदोलन का रूप ले चुका था। छात्र, शिक्षक और सामाजिक संगठन खुलकर मैदान में थे।

इसी दौरान लाइटर बाबा अचानक धरना स्थल पर पहुंचे। मीडिया के सामने उन्होंने बेहद शांत लेकिन दृढ़ स्वर में कहा कि तीन दिनों के भीतर या तो यह कानून वापस लिया जाएगा या इस पर कानूनी रोक लगेगी। उस समय बहुतों को यह बयान असंभव सा लगा, लेकिन बाबा को जानने वाले समझ गए थे कि यह सिर्फ शब्द नहीं हैं। हैरानी की बात यह रही कि ठीक अगले दिन सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी पर रोक लगा दी। इसके बाद से लाइटर बाबा का नाम आम लोगों की जुबान पर आ गया।

इस घटना के बाद यह धारणा और मजबूत हुई कि लाइटर बाबा की बातों में सिर्फ भावनाएं नहीं, बल्कि गहरी रणनीति और मजबूत पकड़ होती है। लोग कहते हैं कि उनके पास जो भी सच्चे मन से जाता है और अपने मन की बात कह देता है, उसकी राह आसान हो जाती है। इसे आस्था कहें या अनुभव, लेकिन उनके आसपास यह विश्वास अपने आप बन जाता है।

वर्तमान में लाइटर बाबा धरोहर संरक्षण सेवा संगठन में तत्कालीन राष्ट्र सचिव के पद पर हैं। इस संगठन के माध्यम से वे सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सरोकार और जन आंदोलनों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संगठन के लोग मानते हैं कि कई बड़े फैसलों और आंदोलनों के पीछे बाबा की चुपचाप दी गई। सलाह निर्णायक साबित हुई है।

लाइटर बाबा की एक और खास पहचान यह है कि वे कभी एक जगह नहीं मिलते। आज यहां, कल कहीं और। यही वजह है कि लोग कहते हैं—बाबा जब दिखाई देते हैं, तभी समझो कुछ बड़ा होने वाला है। फिलहाल वे माघ मेला में प्रवास पर हैं, जहां उनसे मिलने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

लाइटर बाबा आज सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रभाव बन चुके हैं। राजनीति हो या समाज, फिल्म जगत हो या आंदोलन—वे हर जगह बिना शोर किए अपनी छाप छोड़ जाते हैं। वाराणसी की जमीन पर उनका नाम अब उन लोगों में गिना जाने लगा है, जिनकी मौजूदगी भले ही सीमित दिखे, लेकिन असर दूर तक जाता है। लोग साफ कहते हैं—लाइटर बाबा नजर न आएं, तब भी उनकी भूमिका चलती रहती है।

रामकोला में श्रमिक कल्याण योजनाओं के स्वीकृति पत्र वितरित

विश्ववार्ता संवाददाता

रामकोला (कुशीनगर)। सोमवार को रामकोला में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय विधायक विनय प्रकाश गोंड ने श्रम विभाग के अंतर्गत उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं के स्वीकृति पत्र लाभार्थियों को वितरित किए। उन्होंने निर्माण श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ लेने के लिए श्रमिकों का पंजीकरण आवश्यक है। विधायक ने बताया कि पंजीकृत श्रमिकों को मातृत्व शिशु बालिका मदद, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन, अटल आवासीय विद्यालय, कन्या विवाह सहायता सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिलता है। कार्यक्रम में कन्या विवाह योजना के पांच, मातृत्व शिशु बालिका मदद के 21, मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना के पांच सहित कुल लाभार्थियों को करीब 17.97 लाख रुपये की सहायता राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश चौधरी, सभासद आलोक गुप्ता, श्रम प्रवर्तन अधिकारी अलंकृता उपाध्याय, शशि शेखर मिश्रा,भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोहर गुप्ता, निशांत शुक्ला,किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार, प्रदीप जायसवाल, नीतू देवी, सतेंद्र चौहान, गीता देवी आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

धूमधाम से निकली कलश शोभायात्रा

गोण्डा। शहर के आईटीआई रोड पर डॉक्टर आर एन पांडेय हॉस्पिटल पर सोमवार से श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। कथा शुभारंभ से पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। जो दुखहरण नाथ मंदिर से निकल कर शहर में भ्रमण करते हुए कथा स्थल पर समाप्ति हुई। कलश यात्रा में परम पूज्य श्री कौशिक जी महाराज विराज मान रहे। कलश यात्रा में मुख्य यजमान डॉ राजेश पांडेय और प्रतिभा पांडेय रही। कथा कथा प्रतिदिन दोपहर 2 :00 बजे से सांयकाल 6 बजे सोमवार 2 फरवरी से तक 10 फरवरी तक चलेगा। कलश यात्रा के दौरान रामनरेश पांडे , धैर्य पांडेय, चंद्र मोहन मिश्रा,सुनील पाठक, दुर्गेश मिश्रा, विशाल शुक्ला, अरुण कुमार शुक्ला, संजय शुक्ला, संदीप तिवारी, लक्ष्मीकांत पाठक ,पं संतोष तिवारी,आनन्द शुक्ला,सीमा पाठक, नमिता मिश्रा, यशस्वी पाठक ,शीला पाठक,गुंजन शुक्ला ,रूपमती शुक्ला आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दिवस 2026: बर्ड वॉचिंग और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

रुपईडीहा,बहराइच। सोमवार को रुपईडीहा रेंज के अंतर्गत दोंदरा आर्द्रभूमि पर अंतर्राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दिवस 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय, पटना कालोनी और राजकीय हाई स्कूल, परगहवा के विद्यार्थी एवं शिक्षक गण, साथ ही ग्रामीण और वनकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी को आर्द्रभूमि के महत्व, जैव विविधता और इसके लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही बर्ड वॉचिंग गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें स्कूली बच्चों और उपस्थित लोगों ने विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को देखा और उनकी पहचान की। साथ ही बच्चों ने आर्द्रभूमि और वन जीवन से संबंधित चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और जैव विविधता व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

धूमधाम से मनायी संत रविदास जयंती

नवाबगंज,बहराइच। विकासखंड नवाबगंज के ग्राम पंचायत रहीमनगर धोबाही के मजरा गिधरैया में सोमवार की रात संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामसागर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर रामसागर ने कहा कि उन्होंने समाज से छुआछूत जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का संदेश दिया और समता, भाईचारे व मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और सही दिशा देने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में लोगों ने संत रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर विशाल सिंह, बलवंत सिंह, सुरेश, जोगी राम, सुभाष सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

बर्ड वॉचिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जरवल,बहराइच। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा रेंज क्षेत्र अंतर्गत घाघरा नदी घाट के समीप तप्पेसिपाह में बर्ड वॉचिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों के साथ प्राथमिक विद्यालय खासेपुर के छात्र–छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों व ग्रामीणों को आर्द्रभूमियों के महत्व, जैव विविधता संरक्षण, जल शुद्धिकरण, बाढ़ नियंत्रण, प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने तथा स्वच्छता के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी कैसरगंज ओंकार नाथ यादव, वन दरोगा शीतला प्रसाद, ग्राम प्रधान उमेश गुप्ता, धर्मेंद्र यादव, पिंटू वर्मा सहित वन विभाग के कर्मचारी, स्कूली बच्चे एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

दशहरा बाग में हिंदू सम्मेलन सहभोज सम्पन्न समाज को एकजुट रहने का आह्वान

बहराइच। नगर पंचायत रूपईडीहा स्थित दशहरा बाग में रविवार को हिंदू सम्मेलन सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगरवासी, सामाजिक संगठन और श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे स्वामी विष्णु देवाचार्य महाराज,जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरुद्वारा नेपालगंज से गुरमीत सिंह गुरुग्रंथी और नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर वैश्य उपस्थित रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए कृष्णा देवी पांडे अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अमरनाथ और सर्वेश, आचार्य दयाशंकर शुक्ल, ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज जयप्रकाश सिंह, और राजेंद्र सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने हिंदू समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष महाराजदीन वर्मा, योगेश पांडे, अभिजीत सिंह, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष कन्हैया वर्मा, देवेंद्र पाठक, अरुण पाठक, भीमसेन मिश्रा, राजेश सिंह, और चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अश्वनी वैश्य सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राम नारायण सिंह इंका का वार्षिकोत्सव 4 को

पयागपुर,बहराइच। राम नारायण सिंह इंटर कॉलेज, रामनगर खजुरी में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 4 से 6 फरवरी तक किया जाएगा। वार्षिकोत्सव के अंतर्गत खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ द्वितीय दिवस एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय के प्राचार्य गिरिजा शंकर पांडेय ने बताया कि वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ 4 फरवरी को ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य समय प्रसाद द्वारा किया जाएगा। प्रथम दिवस से ही खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला आरंभ होगा, जो तीनों दिनों तक निरंतर चलेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के द्वितीय दिवस विद्यालय परिसर में पूर्वाह्न 10 बजे से विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

60 मामलों में से केवल पांच निस्तारित

नवीन मंडी समिति परिसर में खतौनी में निर्विवाद अंश सुधार सहित अन्य मामलों को लेकर चला अभियान

» शेष मामलों में अभिलेखों की कमी बनी बाधा

विश्ववार्ता संवाददाता

पयागपुर,बहराइच। नवीन मंडी समिति परिसर में सोमवार को खतौनी में निर्विवाद अंश सुधार, उत्तराधिकार एवं कृषक पंजीकरण (फार्मर रजिस्ट्रेशन) अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी की उपस्थिति रही। जबकि संचालन एसडीएम अश्विनी पांडेय ने किया। अभियान के दौरान विभिन्न ग्रामों से कुल 60 प्रकरण निस्तारण के लिए प्रस्तुत किए गए, जिनमें से मात्र 5 मामलों का मौके पर त्वरित निस्तारण किया जा सका।

किसानों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार "किसानों के द्वार" की तर्ज पर निर्विवाद खतौनी में अंश सुधार, उत्तराधिकार मामलों के निस्तारण और फार्मर रजिस्ट्रेशन के लिए अभियान चला रही है। ताकि ग्रामीणों को बार-बार तहसील कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को सरकार की मंशा से अवगत कराते हुए जनहित के कार्यों एवं ग्रामीण समस्याओं के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों से अपील की कि वे अभियान का लाभ उठाकर अपने प्रकरणों का समाधान कराएं।

एसडीएम अश्विनी पांडेय ने बताया कि जिन मामलों में किसानों द्वारा आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराए गए। उनका निस्तारण मौके पर ही किया गया है। शेष मामलों में दस्तावेज पूर्ण होते ही समाधान कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन रोहित शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर तिवारी, सहकारिता प्रकोष्ठ संयोजक प्रदीप व छोटू तिवारी, कपीश कुमार सिंह, दानेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष प्रमोद पांडेय, मंडल मंत्री अजय तिवारी, किसान प्रकोष्ठ संयोजक धर्मेंद्र तिवारी सहित ग्राम प्रधान एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश तिथियां बढ़ीं, अब 15 होगा तक आवेदन

» कक्षा 6 व 9 में प्रवेश के लिए परीक्षा 8 मार्च को, परिणाम 18 मार्च को

» आयुक्त ने कहा– प्रवेश प्रक्रिया समयबद्ध व पारदर्शी ढंग से कराएं

विश्ववार्ता संवाददाता

गोण्डा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए में कक्षा-06 एवं कक्षा-09 में प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि तथा प्रवेश परीक्षा की तिथि विस्तारित कर दी गई है। महानिदेशक, अटल आवासीय विद्यालय द्वारा इस संबंध में सभी मण्डलायुक्त को निर्देश जारी किए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार विभिन्न मण्डलों से अपेक्षाकृत कम आवेदन प्राप्त होने के दृष्टिगत अधिक से अधिक पात्र बच्चों को अवसर देने के उद्देश्य से तिथियों में संशोधन किया गया है। अब ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है, जो पूर्व में 31 जनवरी 2026 थी। आवेदनों का सत्यापन 25 फरवरी 2026 तक किया जाएगा, जबकि प्रवेश पत्र 26 से 28 फरवरी 2026 के बीच जारी होंगे।

प्रवेश परीक्षा 08 मार्च (रविवार) को आयोजित की जाएगी। परीक्षा परिणाम 18 मार्च 2026 को घोषित किए जाएंगे। चयनित विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग एवं ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया 20 मार्च से 29 मार्च 2026 के मध्य संपन्न कराई जाएगी। नया शैक्षणिक सत्र 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा।

आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने उप श्रमायुक्त को निर्देश दिये है कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया को समयबद्ध व सुचारु रूप से संपन्न कराएं, ताकि अधिक से अधिक पात्र छात्र लाभान्वित हो सकें।

आलोक दास ने दोनों बेटियों के नाम करवाया 50–50 हजार की एफडी

» चंडीगढ़ में ऑटो चालक अरुण कुमार तिवारी हत्या की हत्या के बाद पीड़ित परिवार की मदद के लिए लोगों ने बढ़ाए हाथ

विश्ववार्ता संवाददाता

इटियाथोक-गोण्डा। इटियाथोक के करूंवापारा निवासी ऑटो चालक अरुण कुमार तिवारी की चंडीगढ़ में विगत दिनों उन्हीं के एक मित्र ने चाकू से मारकर निर्मम हत्या कर फरार हो गया। मृतक अरुण कुमार तिवारी ही चंडीगढ़ में ऑटो चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। मृतक की पत्नी नीलम और दो बेटी सौम्या (7) और मान्या 6 माह की है। इटियाथोक क्षेत्र के मानिंद लोगों ने बढ़चढकर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग भी दिया।

रविवार की शाम चित्रकूट धाम के महाराज आलोकदास ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। आलोकदास ने मृतक अरुण कुमार तिवारी की पत्नी नीलम से भेंट कर हर सम्भव मदद की बात कही साथ ही दोनो बेटी सौम्या और मान्या के नाम बैंक में 50-50 हजार की एफडी भी करवाई जिससे बेटियां जब वयस्क हो तो उनके शादी विवाह के लिए वह रकम परिवार के लोग खर्च कर सके। इस दौरान राजकुमार दास अयोध्या धाम, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि धीरेन्द्र तिवारी, राजेश ओझा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तेजस्वी जिले का नाम किया रोशन

गोण्डा। मालवीय नगर निवासी छात्रा तेजस्वी श्रीवास्तव ने वर्ष 2025 में आयोजित पॉलीटेक्निक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाया है।

तेजस्वी के पिता उमेश कुमार श्रीवास्तव वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित पत्रकार हैं, ने बेटी की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि तेजस्वी की मेहनत आज रंग लाई है और यह पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय है। बेटी इस समय उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद से इसीइ से बेटेक की शिक्षा ग्रहण कर रही है। श्री चित्रगुप्त सभा के पदाधिकारियों ने तेजस्वी के आवास पर पहुँचकर उन्हें सम्मानित किया और शुभकामनाएँ दीं।

बच्चों के सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

धूमधाम से मना ग्रोइंग सैपलिंग्स प्री–स्कूल का वार्षिकोत्सव

विश्ववार्ता संवाददाता

इटियाथोक-गोण्डा। कस्बा इटियाथोक में संचालित ग्रोइंग सैपलिंग्स प्री स्कूल में रविवार की शाम वार्षिकोत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी, राजकुमार दास अधिकारी बल्लभाकुंज अयोध्या धाम व महंत आलोक दास महाराज चित्रकूट धाम शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय के बच्चों ने कार्यक्रम में अद्भुत प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। देश-भक्ति गीत, नृत्य और नाटक की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। विशिष्ट अतिथि अयोध्याधाम राजकुमार दास ने कहा कि स्कूल बच्चों की नर्सरी है, यहीं से बच्चे शिक्षा और संस्कार प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के प्रबंधक प्रकाश शुक्ला ने किया। विद्यालय के संस्थापक कमलकांत शुक्ला ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों को अंग-वस्त्र व प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य हाजी अनवर शकील चौधरी, ले0 अजय कुमार मिश्रा, प्रबंधक सुरेश नारायण पांडेय, प्रधान प्रतिनिधि राजेश दुबे, हरीश तिवारी, कृपाशंकर शुक्ला, करने दूबे, गुलाब तिवारी, पंछी मिश्रा, कैलाश राठौर, अजय राठौर सहित भारी संख्या में बच्चों, अभिभावक व क्षेत्रीय लोगों मौजूद रहे।

वेतन न मिलने से स्वास्थ्यकर्मियों में रोष

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत कार्यरत संविदा/आशा स्वास्थ्य कर्मियों को लंबे समय से वेतन व मानदेय का भुगतान न होने से कर्मियों में रोष व्याप्त है। इसी क्रम में स्वास्थ्य कर्मियों ने अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी संतोष राना के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र भुगतान की मांग की है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि माननीय उच्च न्यायालय खंडपीठ, लखनऊ द्वारा पारित आदेशों तथा शासन स्तर से निर्गत निर्देशों के बावजूद संबंधित कर्मियों को अब तक देय वेतन व एरियर का भुगतान नहीं किया गया है। इससे कर्मियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उनके परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है।

स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि वे निरंतर जनहित में सेवाएं दे रहे हैं। लेकिन समय पर पारिश्रमिक न मिलने से उनके मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र भुगतान की कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कार्य बहिष्कार करेंगे।

एसीएमओ संतोष राना ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों तक मांगों को पहुंचाने और नियमानुसार शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है। स्वास्थ्य कर्मियों ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि न्यायालय व शासनादेशों के अनुरूप जल्द भुगतान कर समस्या का निस्तारण किया जाए।

सड़क हादसे में पिता–पुत्र घायल इलाज के दौरान पिता की मौत

जरवल-बहराइच। रविवार को जरवल थाना क्षेत्र अंतर्गत जरवल रोड की ओर जा रहे बुलेट सवार पिता-पुत्र नायरा पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसे का शिकार हो गए। ग्राम बसहिया जगत मजरा जहांगीर पुरवा निवासी 55 वर्षीय जमीन पुत्र हिदायत अली अपने 24 वर्षीय पुत्र खुर्शीद के साथ बुलेट से जरवल रोड की तरफ जा रहे थे।

इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर ले गए, जहां इलाज के दौरान जमीन की मौत हो गई। वहीं पुत्र खुर्शीद गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रिमी सिंह ने JRF में पाई सफलता

बहराइच। किसान पीजी कॉलेज के जन्तु विज्ञान विभाग की छात्रा रिमी सिंह ने वर्ष 2024 की सीएसआईआर-नेट परीक्षा में जूनियर रिसर्च फेलोशिप (JRF) के लिए क्वालीफाई कर जिले व महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

जन्तु विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. विनीत कुमार पटेल ने बताया कि रिमी सिंह इससे पूर्व भी उन्होंने पीएचडी प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की थी। अपनी इस सफलता का श्रेय रिमी सिंह ने अपने माता-पिता, बड़े भाई वैभव सिंह एवं गुरुजनों को दिया है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो विनय सक्सेना, डॉ. विनीत कुमार, प्रो डॉ. लाल जी त्रिवेदी, सहायक प्रोफेसर आदित्य कुमार तथा सहायक प्रोफेसर रूपचंद सहित महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त किया है।

सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

अवैध कब्जों को लेकर एसडीएम ने अधिकारियों के साथ की बैठक

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। भारत-नेपाल सीमा से सटे 0 से 15 किलोमीटर के संवेदनशील क्षेत्र में सरकारी भूमि और नो-मैनस लैंड पर किए गए अवैध अतिक्रमणों के खिलाफ तहसील नानपारा सभागार में एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने राजस्व, पुलिस, एसएसबी और वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर अवैध कब्जों को हटाने पर चर्चा की।

एसडीएम ने कहा कि सरकारी भूमि पर किसी भी सूरत में अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, विधिसम्मत और समयबद्ध तरीके से की जाए। ताकि आम जनमानस में प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो।

तहसीलदार नानपारा की रिपोर्ट के अनुसार, 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में कुल 367 अवैध अतिक्रमण चिन्हित किए गए थे। इनमें से 184 अतिक्रमण पहले ही हटाए जा चुके हैं। 13 को वर्तमान में हटाया जा रहा है, जबकि 19 अतिक्रमणों को अगले तीन दिनों में हटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हटाए गए कब्जों के स्थान पर दोबारा अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा, 42वीं वाहिनी एसएसबी बहराइच के प्रतिनिधि, उप प्रभागीय वनाधिकारी के प्रतिनिधि (वन क्षेत्राधिकारी), तहसीलदार नानपारा, नायब तहसीलदार नवाबगंज, थाना रूपईडीहा के प्रभारी निरीक्षक तथा नवाबगंज, चरदा व केवलपुर क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक और संबंधित लेखपाल उपस्थित रहे।

छुट्टा गोवंशों पर चला नपा का चला अभियान

उतरौला (बलरामपुर)। नगर क्षेत्र में सड़कों पर विचरण कर रहे छुट्टा गोवंशों से आमजन को हो रही परेशानियों को देखते हुए सोमवार को उतरौला नगर पालिका द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत नगरपालिका के कर्मचारियों ने सड़क पर घूम रहे छुट्टा गाय व सांडों को सुरक्षित रूप से पकड़कर वाहन के माध्यम से गौशाला भिजवाया। नगर में बड़ी संख्या में गोवंशों के सड़कों पर विचरण करने से आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। खासकर दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कई स्थानों पर यातायात बाधित होने से लोगों में नाराजगी भी देखने को मिल रही थी। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी राजमणि वर्मा ने बताया कि नगर क्षेत्र में घूम रहे छुट्टा जानवरों से लोगों को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा संचालित ग्राम तिलखी बढ़या की अस्थायी गौशाला में गोवंशों को भेजा गया है, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और नागरिकों को राहत मिलेगी।

एंटी रोमियो टीम ने स्कूल में बच्चों को दी गुड टच–बैड टच की जानकारी

सादुल्लानगर/बलरामपुर। थाना सादुल्लानगर की एंटी रोमियो टीम द्वारा ग्राम मनीगढ़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में सरल एवं प्रभावी तरीके से जानकारी दी गई। टीम ने बच्चों को समझाया कि किसी भी असहज स्थिति में कैसे सतर्क रहें और तुरंत अपने अभिभावकों, शिक्षकों या पुलिस को सूचना दें। महिला आरक्षी पूजा चौधरी ने बच्चों से संवाद करते हुए आत्मविश्वास बढ़ाने पर जोर दिया तथा आपात स्थिति में मदद लेने के उपाय बताए। कंस्टेबल उमेश पासवान ने हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर डरें नहीं और तुरंत सहायता लें। कार्यक्रम के अंत में बच्चों से प्रश्न–उत्तर के माध्यम से उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।

आर्द्रभूमियां प्रकृति की जीवनरेखा : कुलपति

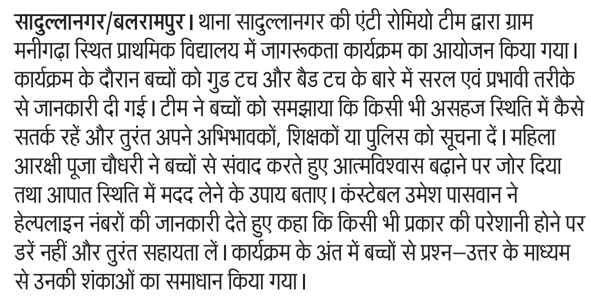

बलरामपुर। प्रकृति संरक्षण, पारंपरिक ज्ञान के संवर्धन और युवाओं के शैक्षणिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर पचपेड़वा विकासखंड के इमलिया कोडर में एक वृहद जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक संस्था बलरामपुर फर्स्ट के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें थारू जनजाति के प्रतियोगी छात्र–छात्राओं सहित जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में प्रतियोगी विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आर्द्रभूमियों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था, बल्कि ग्रामीण व आदिवासी अंचलों के प्रतिभाशाली युवाओं को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना भी रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह रहे। उन्होंने अपने संबोधन में आर्द्रभूमियों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि "आर्द्रभूमियां प्रकृति की जीवनदायिनी प्रणाली हैं। ये न केवल जल संरक्षण और जैव विविधता को संबल देती हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका और संस्कृति से भी गहराई से जुड़ी होती हैं। थारू समाज का पारंपरिक ज्ञान आज भी आर्द्रभूमि संरक्षण के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकता है।" उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आधुनिक शिक्षा के साथ–साथ पारंपरिक ज्ञान को भी समझें और संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने आर्द्रभूमियों की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विचार | केन्द्रीय आम बजट 2026–27 को लेकर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

आम बजट को कहीं सराहना तो कहीं मिली निराशा

विश्ववार्ता संवाददाता

पयागपुर,बहराइच। रविवार को संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट 2026-27 को लेकर क्षेत्र में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। स्वास्थ्य, कृषि और निर्माण उद्योग से जुड़े लोगों ने बजट की सराहना की, वहीं आयकर स्लैब में बदलाव न होने, पेट्रोल-डीजल पर टैक्स में कमी न किए जाने तथा युवाओं व आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लिए विशेष प्रावधान न होने से कई लोगों ने निराशा व्यक्त की।

बिल्डिंग मटेरियल व्यवसाय से जुड़े युवा कारोबारी पंकज माहेश्वरी ने कहा कि बजट में बुनियादी ढांचे के लिए 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव और तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवासों के निर्माण का लक्ष्य रियल एस्टेट सेक्टर को नई दिशा देगा। इससे निर्माण सामग्री की मांग बढ़ेगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

पेशे से अधिवक्ता शिवराम शुक्ला ने कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़े निवेश को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि इससे जहां किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, वहीं ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने से खासकर महिलाओं के स्वास्थ्य को सुरक्षा मिलेगी।

कांधी कुइयां निवासी सोशल मीडिया एक्टिविस्ट एवं सामाजिक चिंतक पंचदेव तिवारी ने कहा कि बजट में विभिन्न वर्गों के विकास के लिए बड़ी धनराशि का प्रावधान किया गया है, लेकिन सामान्य वर्ग, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लिए कोई ठोस कदम न उठाए जाने से यह बजट निराशाजनक है।

युवा समाजसेवी एवं सोशल मीडिया एक्टिविस्ट विपिन त्रिपाठी ने कहा कि जहां एक ओर कपड़े, लेदर उत्पाद और हवाई यात्रा सस्ती की गई है, वहीं युवाओं के लिए बजट में कोई विशेष रियायत न मिलने से युवाओं को निराशा हाथ लगी है।

नगर पंचायत पयागपुर वार्ड नंबर एक की दलित युवा महिला सभासद ज्योति सरोज ने कहा कि बजट में हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल की व्यवस्था किए जाने से बालिकाओं को सुरक्षित और सस्ता आवास उपलब्ध होगा, जो सराहनीय कदम है। वहीं वार्ड नंबर 13 की सभासद सुनीता देवी ने कहा कि बजट में महिलाओं के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है।

प्राइवेट चिकित्सक डॉ. प्रदीप वर्मा ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बजट बढ़ाए जाने को सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार सृजन पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर क्षेत्रवासियों का मानना है कि मोदी सरकार का आम बजट कई क्षेत्रों में विकास को गति देने वाला है, लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरियों की कमी, सामान्य वर्ग की उपेक्षा, आयकर स्लैब में बदलाव न होना और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में राहत न मिलने से लोगों ने सरकार से इन मुद्दों पर भी ध्यान देने की अपेक्षा जताई है।

एक नजर

सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन को मिला जीवन रक्षक सम्मान

फतेहपुर। वीरों की धरती गाजीपुर में संस्था जीवन रक्षक फाउंडेशन के आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन एवं जीवन रक्षक सम्मान समारोह में सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन को जीवन रक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पुत्र वरिष्ठ भाजपा नेता अभिनव सिन्हा ने सम्मान प्रदान किया। संस्था सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन से सम्मान लेने संस्था के प्रबंधक गुरमीत सिंह व रक्तदाता सतीश शर्मा पहुंचे। जहां फतेहपुर में रक्तसेवा कर रही संस्था सर्व फॉर ह्यूमैनिटी को जीवन रक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर गाजीपुर संस्था के संस्थापक शीर्ष दीप शर्मा, सचिव डॉक्टर उरूज फातमा, अध्यक्ष मनीष पाल व उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर, बनारस, भदोही, प्रयागराज व अन्य जिलों की संस्थाएं उपस्थित रही।

डिप्टी सीएम को सौंपा ज्ञापन

बिंदकी, फतेहपुर। एक दिवसीय भ्रमण पर आए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को सर्व समाज विकास समिति के प्रबन्धक धर्मेन्द्र मिश्र, सचिव अनुराग मिश्र, लेखा निरीक्षक सात्विक शुक्ला के प्रतिनिधि मण्डल ने राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय बिंदकी, मध्य बाजार नजाही कस्बा बिन्दकी स्थित पक्का तालाब के सुन्दरीकरण की समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय बिन्दकी को वर्तमान समय में किराये की बिल्डिंग पर एक छोटे से कमरे में संचालित होने जिसकी जानकारी आम जनता को न होने से समुचित लाभ नही मिल पाने की समस्या से अवगत कराया और राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय बिन्दकी जिला फतेहपुर का स्थायी स्थानान्तरण सामु0 स्वास्थ्य केन्द्र बिन्दकी में कराने व मध्य बाजार नजाही कस्बा बिन्दकी स्थित पक्का तालाब के सुन्दरीकरण की माँग की।

जमीनी विवाद को लेकर दबंगों ने की मारपीट

बांदा। चिल्ला थानाक्षेत्र के बंबिया गांव निवासी अनीता पत्नी सुग्रीव कोरी ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया है कि गांव के ही कुछ दबंग किस्म के लोगों से उनका जमीनी विवाद चल रहा है। जिसे लेकर दो दिन पहले आरोपी दबंगों ने उसके घर पर लाठी–डंडों के साथ हमला बोल दिया और जमकर उत्पात मचाया। बताया कि घर के छज्जा में लगे बांस निकालकर छज्जा भी क्षतिग्रस्त कर दिया और पति सुग्रीव समेत पुत्रियों राखी और खुशी के साथ भी जमकर मारपीट की। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। घटना को लेकर पीड़ित परिवार जब चिल्ला थाने पहुंचा तो पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने मेडिकल परीक्षण कराकर पुलिस अधीक्षक से मामले की शिकायत की है। पीड़ितों ने हमलवारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

गाजीपुर समिति में यूरिया की कालाबाजारी

फतेहपुर। गाजीपुर कस्बा स्थित किसान सेवा सहकारी समिति में यूरिया खाद की भारी कालाबाजारी और धांधली का मामला प्रकाश में आया। खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों की समस्या को लेकर किसान यूनियन के न्याय पंचायत अध्यक्ष इरशाद आलम ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र प्रेषित किया है। शिकायत में आरोप है कि समिति के कर्मचारी और दलाल से मिलीभगत कर खाद की कृत्रिम किल्लत पैदा कर रहे हैं। असली किसान एक बोरी के लिए लाइन में खड़ा है, जबकि दलालों और दबंगों को 10 से 20 बोरी खाद अवैध रूप से दी जा रही है। निर्धारित मूल्य के स्थान पर 280 रुपये प्रति बोरी की दर से अवैध वसूली की जा रही है। यह भी आरोप है कि 30 जनवरी को विरोध करने वाले किसानों के साथ दलालों ने अभद्रता और मारपीट की। यूनियन के नेता ने मांग की है कि गाजीपुर की दोनों सोसायटियों की गोपनीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए, ताकि किसानों का आर्थिक शोषण रुक सके।

बरात से बाइक चोरी, बाइक स्वामी ने दी तहरीर

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सिकटा गांव निवासी शशिधर गुप्ता ने सोमवार को थाने में तहरीर देकर बरात से अपाचे बाइक चोरी होने की तहरीर देकर कार्रवाई की मांग किया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। दी गई तहरीर में बताया है की बीते रविवार की शाम समौती गांव में आई बरात में शामिल होने के लिए अपनी बाइक अपाचे आरटीआर से आया था बाइक ख़डी कर बरात में सोने चला गया। इसी बीच बगल के गांव निवासी एक युवक जेब से चाभी निकालकर बाइक को चुरा ले गया। आधा घंटे बाद नींद खुलने पर बाइक के पास पहुंचा तो देखा बाइक नही थी। अगल बगल पता करने पर पता चला की बाइक समौती के बगल गांव का एक युवक लेकर गया है। युवक से फ़ोन पर बात किया तो उसने धमकी दी है की थाने पर शिकायत किया तो बाइक का पार्ट पार्ट बेच दूंगा। तहरीर मिलने पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। बाइक स्वामी ने तहरीर के माध्यम से कार्रवाई की मांग किया है।

अपनी संस्कृति व संस्कार को बढ़ावा देने की जरूरत : बृजेश पाठक

» श्री नागेश्वर धाम आश्रम का डिप्टी सीएम ने किया लोकार्पण

सीएमओ गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं कराएं मुहैया

विश्ववार्ता संवाददाता

फतेहपुर। मेरा गांव, मेरा तीर्थ कार्यक्रम तहसील बिन्दकी अंतर्गत विकास खंड खजुहा के ग्राम हिम्मतपुर, पोस्ट अजमतपुर श्री नागेश्वर धाम आश्रम का उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने लोकार्पण शिलापट्ट का अनावरण किया। इसके पश्चात नागेश्वर धाम आश्रम में वैदिक रीति रिवाज दर्शन पूजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलित कर मां सरस्वती जी व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में ग्राम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाओं को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि मेरा गांव, मेरा तीर्थ कार्यक्रम प्रेरणादायी है। इससे प्रेरित होकर अपने गांव को समृद्धशालील बनाना है। हम सबको अपनी मातृभूमि, जन्म स्थान से जुड़कर रहना चाहिए, क्योंकि हमारी मिट्टी हमे ऊर्जा देती है। जो लोग गांव से निकलकर अच्छे-अच्छे पदों पर कार्यरत हैं। उनको अपने जन्मभूमि से जुड़े रहना चाहिए। साथ ही गांव के विकास में अपना सकारात्मक सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमे अपनी संस्कृति और संस्कार को बढ़ावा देने की जरूरत है। ऐसे कार्यक्रमों से युवा व भावी पीढ़ी को प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। गांव सशक्त होंगे तभी देश उन्नत करेगा।

प्रधानमंत्री के विजन वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र का सपना साकार होगा। हमें अपने बच्चों को प्रेरणादायी कहानियां भी सुनाएं और सभी को सम्मान देना सिखाए। गांव को स्वच्छ, सुन्दर बनाए रखने के साथ है सभी लोग आपस में मिलजुलकर रहे। उन्होंने कहा कि केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी/लोक कल्याणकारी योजनाओं से पात्रों को लाभांवित कराए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि ग्राम में स्वास्थ्य शिविर लगाकर नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराएं।

इस मौके पर प्रभारी मंत्री व राज्यमंत्री अजीत पाल सिंह, अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ स्वांत रंजन, कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 घनश्याम अग्निहोत्री ने मेरा गांव, मेरा तीर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत गांव को समृद्ध बनाने के लिए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। डा0 एके द्विवेदी ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि यह कार्यक्रम सराहनीय है जो पूर्वजों की प्रेरणा से हुआ है। इस अवसर पर विधायक जहानाबाद राजेन्द्र सिंह पटेल, विधायक बिन्दकी जय कुमार सिंह जैकी, विधायक अयाह शाह व्यास गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, पूर्व विधायक आदित्य पांडेय, जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व), पुलिस क्षेत्राधिकारी, समाजसेवी नवीन सिंह, भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मधुराज विश्वकर्मा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बिन्दकी राधा साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं संबंधित उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन सभागार में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का भव्य समापन

जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ, एनसीसी कैडिट सम्मानित

विश्ववार्ता संवाददाता

उरई। 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह' (1 से 31 जनवरी 2026) का भव्य समापन समारोह पुलिस लाइन सभागार, उरई में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता, दुर्घटनाओं में कमी और यातायात अनुशासन को लेकर किए गए प्रयासों की सराहना की गई।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डा. घनश्याम अनुरागी, विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा, विधायक माधौगढ़ मूलचन्द्र निरंजन, विधायक कालपी विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डा. दुर्गेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह सहित अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सतत जनआंदोलन है। आमजन की सहभागिता, छात्र-छात्राओं की सक्रिय भूमिका तथा विभागीय समन्वय से ही दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। यातायात नियमों के पालन को जीवन सुरक्षा का मूल मंत्र बताते हुए जागरूकता अभियानों को और मजबूत करने पर जोर दिया। पूरे माह यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ रखने एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता में एनएसएस व एनसीसी के छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा, जिसके परिणामस्वरूप जनवरी माह में सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। समारोह में सड़क सुरक्षा माह में सहयोग प्रदान करने वाले विभागों, स्टेक-होल्डर्स, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों, वाहन विक्रेताओं, डीलरों तथा एनएसएस एवं एनसीसी के स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में उपस्थित सभी जनों को सड़क सुरक्षा संबंधी शपथ दिलाते हुए ''राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह'' का औपचारिक समापन किया गया।

इस अवसर पर सुरेश कुमार, वरिष्ठ सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन), राजेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रथम दल, चन्द्रप्रकाश, बेसिक शिक्षा अधिकारी, बीर बहादुर सिंह, यातायात प्रभारी, यूपीडा व एनएचएआई के पदाधिकारी, जनपद के वाहन विक्रेता/ डीलर्स-टाटा, ट्योटा, जेएमके, टीवीएस, धुब्रतारा, हीरो, होण्डा आदि के प्रतिनिधि व जनपद के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गैंगेस्टर मुल्जिम को पकड़ने आई कानपुर पुलिस से हाथापाई

» वर्ष 2025 में बर्रा थाने पर दर्ज हुआ था धोखाधड़ी, जालसाजी व रंगदारी का मुकदमा

विश्ववार्ता संवाददाता

फतेहपुर। सीजेएम कानपुर की कोर्ट के आदेश पर बर्रा थाना की पुलिस फतेहपुर के अमौली कस्बा निवासी गैंगेस्टर के आरोपी आकांशू दीक्षित उर्फ मोनी को पकड़ने गई थी। मोनी पर नकली शराब बनाने का चांदपुर थाना से गैंगेस्टर हुआ था और कानपुर नगर में दर्ज अभियोग में फरार चल रहा था।

जानकारी के अनुसार आकांशू दीक्षित उर्फ मोनी मूल रूप से चांदपुर थाना के अमौली कस्बा निवासी है। इसके ऊपर कानपुर पुलिस कमिशनरेट के बर्रा थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी और रंगदारी का मुकदमा अक्टूबर 2025 में दर्ज हुआ। आरोपी युवक के ऊपर अलग-अलग राज्यों और थानों में करीब आठ मुकदमे दर्ज हैं। इनमे से तीन में खुद पुलिस वादी है। आरोपी कानपुर नगर के बर्रा थाना में दर्ज मुकदमा में तीन महीने से फरार चल रहा था। सर्विलांस के जरिए मिली लोकेशन पर कानपुर बर्रा पुलिस दबिश देने अमौली पहुची। यहां आरोपी और उसके परिजनों ने पुलिस से धक्का-मुक्की की और आरोपी ने एक सिपाही के हाथ मे काट लिया।

वीडियो में दबिश देने गई पुलिस टीम को गैंगेस्टर सीपी कानपुर के नाम की धमकी दे रहा है। साफ शब्दों में कह रहा है कि पुलिस कमिश्नर से मिलकर आया है, यानी कि पुलिस कमिश्नर ये गैंगस्टर का मुलाजिम मिलता रहता था और फिर भी ऑनरिकार्ड तीन महीने से फरार था। परिजनों के आरोपी को छुड़ाने के तमाम विरोध, पुलिस से धक्का-मुक्की करने के बावजूद पुलिस उसे गिरफ्तार कर कानपुर ले गई। थानाध्यक्ष चांदपुर का कहना है कि आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। वह थाना चांदपुर का गैंगेस्टर अभियुक्त है।

सड़क पर खतरनाक स्टंट करने वालों को पुलिस की नसीहत

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। सड़क पर चार पहिया वाहनों से खतरनाक स्टंट करने वाले युवकों को आखिरकार पुलिस ने तत्काल दबोच लिया और दो चारपहिया वाहनों को सीज करते हुए युवकों को कड़ी चेतावनी दी है। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने और भविष्य में ऐसा कृत्य न करने का संकल्प दिलाया।

बता दें कि कालेज के फेयरवेल पार्टी के बाद छात्र-छात्राओं ने लक्जरी कार की खिड़कियों से लटककर जिस तरह से खतरनाक स्टंट दिखाया उसे देखकर आम आदमी भी हैरत में पड़ गए। इतना ही नहीं स्टंट करने वाले छात्र-छात्राओं जिनमें ज्यादातर नाबालिग भी थे। उन्होंने लाइक-कमेंट्स की चाह में स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी डाल दिया। जिसे यातायात पुलिस ने गंभीरता से संज्ञान में लिया और कार्रवाई की। आश्चर्य तो इस बात का है कि खतरनाक स्टंट करने वाले छात्र-छात्राएं संपन्न परिवार से हैं, जिन्हें खुली छूट मिली हुई है, जिसका परिणाम सोमवार को सामने आया है। हालांकि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर त्वरित संज्ञान लेते हुए यातायात पुलिस हरकत में आई और चार पहिया वाहनों के मालिकों की तलाश शुरू कर दी। वाहनों के मालिकों को तत्काल पकड़कर उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए कड़ी चेतावनी दी गई। साथ ही इनोवा के मालिक पवन पुत्र ब्रजमोहन निवासी महोखर पर 9500 रुपए और थार के मालिक रामू पुत्र रामसनेही निवासी कालूकुआं के खिलाफ 12 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाते हुए वाहनों को सीज कर दिया गया है।

हरदी जंगल में पलाश के पेड़ से लटकता मिला गायब अधेड़ का शव

विश्ववार्ता संवाददाता

हलिया (मिर्जापुर)। ड्रमण्डगंज थाना क्षेत्र के देवहट गांव के हरदी जंगल में पलाश के पेड़ में संदिग्ध परिस्थितियों लटकता हुआ अधेड़ का शव मिलने पर ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। सूचना पर ग्रामीणों संग पहुंची पुलिस ने शव की पहचान देवहट गांव निवासी दुलार मनि कोल के रूप में की। देवहट गांव के खरका बस्ती निवासी 55 वर्षीय दुलार मनि कोल का रविवार शाम को हरदी जंगल में पहाड़ पर बकरियों को चराने गए चरवाहों ने पहाड़ से नीचे उतरते समय दुर्गंध आने पर पलाश के पेड़ के पास जाकर देखा तो पेड़ की डाली से शव लटकता हुआ दिखाई दिया। डरे सहमें चरवाहों ने गांव पहुंचकर घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने घटना की जांच की। मृतक का शव जमीन से करीब तीन फीट ऊपर नायलान की रस्सी से लटक रहा था। मृतक का जूता पलाश पेड़ के नीचे पड़ा था। शव की दुर्गंध से लग रहा था कि घटना दो तीन पूर्व की है।सूचना पर पहुंचे सीओ लालगंज अमर बहादुर व थानाध्यक्ष भारत सुमन ने घटना की बारीकी से जांच की। इसके पूर्व देवहट गांव निवासी लापता श्रमिक का गत 27 जनवरी को पांच दिन बाद सजहवा बाउली जंगल में दफनाया शव मिला था। अभी छोटकऊ कोल की हत्या के राजफाश में पुलिस जुटी हुई थी कि हरदी जंगल में एक सप्ताह के भीतर फंदे से जंगल शव लटकता मिला।

वहीं ग्रामीणों ने हत्या कर शव को पेड़ से लटकाए जाने की आशंका जताई है। ग्रामीणों का कहना है जिस दिन छोटकऊ का जंगल में शव दफन मिला था उस दिन वह भी ग्रामीणों संग सजहवा बाउली जंगल में मौजूद था इसके बाद से गांव में नही देखा गया। दुलारमनि कोल हलिया क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव से 25 वर्ष पूर्व देवहट गांव में आकर रहने लगा था।उसकी पत्नी ने 15 वर्ष पूर्व घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी। दुलार मनि अपनी भतीजी के साथ रहता था। गांव में ही मेहनत मजदूरी करता था।थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन ने बताया कि मृतक दुलारमनि की भतीजी वंदना ने बताया कि बड़े पिता 28 जनवरी की सुबह घर से निकले थे उसके बाद घर वापस नही लौटे। दुलारमनि के अचानक गांव से गायब होने पर मृतक छोटकऊ कोल के परिजन उसके ऊपर हत्या करने की आशंका जता रहे थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि छोटकऊ कोल के परिजनों ने बताया कि दुलारमनि गत 22 जनवरी की रात छोटकऊ कोल के साथ खेत पर मछली खाया था उसी के बाद से छोटकऊ लापता हो गया था।सीओ लालगंज अमर बहादुर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्म हत्या का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

महिला वकील से की मारपीट पर वकील आक्रोशित

» राज्यपाल को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा

विश्ववार्ता संवाददाता

खागा, फतेहपुर। सोनभद्र के लोढ़ी टोल प्लाजा में महिला वकील व उसके परिजनों के साथ हुई मारपीट के मामले में खागा के वकीलों में खासा आक्रोश देखने को मिला। सोमवार को महिला वकील के साथ टोल कर्मियों की गुंडई का वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल होते ही खागा के वकील आग बबूला हो उठे और टोल कर्मियों की दादागीरी व प्रशासन निरंकुशता को लेकर जमकर नारेबाज़ी करते हुए एसडीएम की गैरमौजूदगी में तहसीलदार शैल कुमारी को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

घटना के सम्बन्ध में सोशल मीडिया में प्रसारित खबरों के मुताबिक राबर्ट्सगंज निवासी महिला अधिवक्ता आरती पांडेय शनिवार शाम कार से नवीन कुमार सिंह, गरिमा सिंह और अवनीश दुबे के साथ ओबरा जा रही थीं। लगभग चार बजे वह लोढ़ी स्थित टोल प्लाजा के पास पहुंचीं तो वहां जाम लगा हुआ था। काफी देर तक जाम न खुलने पर कार में बैठे उनके जीजा नवीन कुमार सिंह गाड़ी से उतरकर टोल कर्मियों से जाम का कारण पूछने लगे। आरती की ओर से दी गई तहरीर के मुताबिक टोल कर्मी उनके जीजा को भद्दी-भद्दी गालियां देने लगे। यह देख अवनीश दुबे भी गाड़ी से उतरकर पहुंचे तो टोल कर्मियों ने मारपीट शुरू कर दिया। महिला वकील का आरोप है कि वह बीच-बचाव के लिए पहुंचीं तो टोल कर्मियों ने लाठी-डंडे से नवीन कुमार पर हमला कर दिया। उनके सिर गंभीर चोट आई है।

खागा के वकीलों द्वारा दिए गए ज्ञापन में मांग की गई कि आरोपित सभी टोलकर्मियों के विरुद्ध गैंगेस्टर रासुका के साथ बुलडोजर की कार्रवाई की जाए, लोढ़ी टोल प्लाजा का अनुबंध व लाइसेंस निरस्त कर जमानत राशि जब्त की जाये, प्रदेश के सभी टोल प्लाजा पर वकीलों को विशेष वरीयता व निःशुल्क पास दिया जाए तथा वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। इस मौके पर अधिवक्तागणों में रामसखा द्विवेदी, अरविन्द पांडेय, इसराइल फ़ारूक़ी, सूर्य प्रकाश सिंह, अशोक श्रीवास्तव, राजेश द्विवेदी, जितेंद्र द्रिवेदी, राजेश तिवारी, कृष्ण कुमार, विवेक पाठक, राजा राजेंद्र सिंह, बलवंत सिंह, आशुतोष पांडेय, कृष्णकांत त्रिवेदी, अंशुमान शुक्ला सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

दैवोलिया रिसोर्ट में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के प्रशिक्षण का भव्य समापन

विश्ववार्ता संवाददाता

उरई। दैवोलिया रिसोर्ट संस्कार पैलेस में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत आयोजित दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों एवं श्रमिकों को कौशल उन्नयन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना रहा। समारोह में यूपीआईडी की अध्यक्ष क्षिप्रा शुक्ला, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित तथा उपायुक्त उद्योग प्रभात यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अतिथियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सदर विधायक ने कहा कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना पारंपरिक शिल्पकारों, कारीगरों एवं लघु उद्यमियों को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

उपायुक्त उद्योग ने योजना के उद्देश्यों एवं लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से लाभार्थियों को तकनीकी दक्षता, व्यवसायिक समझ और स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत संचालित सभी ट्रेड्स के लाभार्थी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर लाभार्थियों ने प्रशिक्षण अनुभव साझा करते हुए शासन की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

विश्ववार्ता संवाददाता

फतेहपुर। शहर के ज्वालागंज चौराहे के समीप सोमवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत पूजन के साथ शुभारंभ हुआ। आयोजन की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ की गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कलश यात्रा ज्वालागंज से प्रारंभ होकर बाकरगंज बड़ा शिवाला होते हुए चौक शिव मंदिर, हनुमान मंदिर से कोतवाली रोड शीतला मंदिर होते हुए गणेश मंदिर ज्वालागंज अपने यथा स्थान पहुंची। मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद यात्रा पुनः कथास्थल पंडाल में संपन्न हुई। नगर भ्रमण के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक परिधान में डीजे की धुन पर नृत्य करते हुए धार्मिक उल्लास का प्रदर्शन किया। कथावाचक श्रीकांत शुक्ला द्वारा श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा। इस अवसर पर परिक्षित विनय, सुशील चंद्र गुप्ता, नीतू गुप्ता, सिमरन, सुमन, सहित अनेक गणमान्य नागरिक व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रोत्साहन प्रतिभा को निखारने में संसाधनों का आभाव बाधक न बन सके

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा स्पोर्टस स्टेडियम

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। खेलो इंडिया और खेल प्रोत्साहन योजना के जरिए देश और प्रदेश की सरकारें ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को निखारने का बीड़ा उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश की योगी सरकार स्पोर्टस स्टेडियमों का आधुनिकीकरण करने में जुटी है। ताकि खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाओं का पूरा लाभ मिल सके और उनकी प्रतिभा को निखारने में संसाधनों का आभाव बाधक न बन सके।

मुख्यालय स्थित सरदार वल्लभ भाइ स्पोर्टस स्टेडियम के आधुनिकीकरण के लिए सरकार ने करीब 5 करोड़ का बजट आवंटित किया। जिसके तहत स्टेडियम की बाउंड्रीवाल, सिंथेटिक पाथ-वे, इंडोर बालीवाल व कबड्डी हाल, जिम हाल, आउटडोर टेनिस लॉन, बास्केटबाल कोर्ट व गार्ड रूम का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। वहीं स्टेडियम के चारों स्टेडियम के चारों ओर एथलेटिक्स ट्रैक भी बनाया जा रहा है। स्टेडियम को आकर्षक बनाने के लिए लाइटिंग का कार्य भी कराया जा रहा है। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के अनुसार निर्माण के कार्य लगभग 75 फीसदी कार्य पूरा कर लिया गया है। उम्मीद जताई है कि अप्रैल के महीने तक कार्य को पूरा कर दिया जाएगा। जिसके बाद यहां पर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी और खेल को बढ़ावा मिलने के साथ ही शहरी व ग्रामीण प्रतिभाएं उभरकर सामने आ सकेंगीं। चित्रकूटधाम मंडल के स्पोर्टस स्टेडियम में तमाम मंडल स्तरीय और प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। स्टेडियम के नवीनीकरण व आधुनिकीकरण कराने वाली कार्यदायी संस्था यूपी प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड (न्व्व्र्) के अपर परियोजना प्रबंधक शैलेंद्र कुमार का कहना है कि सितंबर 2024 से आधुनिकीकरण का काम किया जा रहा है। जिसमें कुल 4 करोड़ 99 लाख रुपए की लागत लगेगी। बताया कि वालीबाल व जिम हाल के साथ ही लाइटिंग व गार्ड रूम का निर्माण पूरा हो गया है, जबकि शेष कार्य प्रगति पर हैं। अपर प्रोजेक्ट मैनेजर का कहना है कि करीब दो साल में 75 फीसदी काम पूरा कर लिया गया है, जबकि शेष कार्य अगले दो माह में पूर्ण करने का लक्ष्य है।

पुत्र के गुम होने पर पिता ने दी तहरीर

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के कस्बा सोनकर बस्ती निवासी छोटू सोनकर ने सोमवार को तहरीर देकर पुत्र के गुम होने पर गुमसुदगी दर्ज कराने की मांग किया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। दी गई गुमसुदगी तहरीर में बताया है कि 31 जनवरी की सुबह 16 वर्षीय पुत्र आकाश सोनकर घर से बिना बताये कही चला गया है काफ़ी खोजबीन करने के बाद भी कही पता नही चलने पर गुमसुदगी दर्ज कराने की मांग किया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष श्याम लाल ने बताया की पुत्र के गुम होने पर पिता द्वारा गुमसुदगी दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है गुमसुदगी दर्ज किया जायेगा।

दरवाज़े से घुसे चोरो ने नगदी सहित खाद्यान को चुराया, दी तहरीर

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के देवरी बाजार निवासी सुमरिया देवी ने सोमवार को थाने में तहरीर देकर मकान के पीछे के दरवाज़े से घुसकर एक युवक पर नगदी सहित खाद्यान चोरी करने की शिकायत किया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। दी गई तहरीर में बताया है की बीते रविवार की रात्रि में मकान के पीछे के दरवाज़े से घुसकर गांव निवासी एक युवक घर में रखे नगदी 1 लाख 36 हजार रुपये व गेंहू व चावल को चुरा ले गया। सुबह से कमरें में पहुंचने पर चोरी होने की जानकारी मिली है। घटना के समय घर में कोई नही था। बगल के घर में रहती हूँ। तहरीर मिलने पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। इस संबंध में हल्का प्रभारी सुरेंद्र राम ने बताया की तहरीर मिली है। मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

जानलेवा हमला की तहरीर

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम अढ़ेना गोपालपुर की रहने वाली मंजू पत्नी विजय ने बताया कि 31 जनवरी की सुबह अपने जानवरो को बांधने के लिए खूंटा गाड़ रहीं थी। उसी समय गांव की ही रहने वाली सोमवती पत्नी सुमेर उसके साथ लड़ाई झगड़ा करने लगी। इसी बीच मौका पाकर सपना पत्नी श्रीराम घर से फावड़ा लाई और सोमवती के हाथ में फावड़ा दे दिया। उसी फावड़े से सोमवती ने उसके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई है। पीड़िता ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की।

डाल समेत पेड़ से नीचे गिरा किसान, मौत

बांदा। पेड़ में चढ़कर डाल काट रहा किसान डाल समेत अचानक पेड़ से नीचे आ गिरा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। नरैनी कोतवाली क्षेत्र के पंचमपुर गांव निवासी बिंदा (30) पुत्र राजाभइया रविवार की दोपहर पेड़ में चढकर डाल काट रहा था, तभी अचानक डाल टूट गई और बिंदा डाल समेत पेड़ से नीचे आ गिरा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घरवालों ने सीएचसी नरैनी, जिला अस्पताल से रेफर होने के बाद उसे रानी दुर्गावती मेंडिकल कालेज में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के पड़ोसी रामलखन ने बताया कि बिंदा किसानी करता था।

उद्योग बंधु समिति की बैठक 6 को

फतेहपुर। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र के उपायुक्त उद्योग ने बताया कि उद्यमियों की समस्याओं के समाधान हेतु जनवरी माह की जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की मासिक बैठक 06 फरवरी को अपराह्न तीन बजे कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित होगी। उन्होने उद्यमियों से बैठक में उपस्थित होने का आहवान किया।

बाइकों की भिडंत में दो युवक घायल

बांदा। दो बाइकों में हुई आमने–सामने भिडंत में दो युवक घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मटौंध थाना क्षेत्र के भूरागढ निवासी राजाबाबू (22) पुत्र राजेश कुमार सोमवार की सुबह अपने पड़ोसी रंजीत (35) पुत्र अमरनाथ के बाइक मे बैठ कर अपने साढ़ू के घर चिल्ला जा रहे थे। तभी पपरेंदा के पास सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उसकी आमने सामने भिडंत हो गई। जिससे दोनों लोग घायल हो गए।

एक नजर

अवैध अफीम की खेती पर कार्रवाई

विश्ववार्ता संवाददाता – पलामू :आज छत्तरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रजडेरवा एवं आसपास के जंगली क्षेत्र में वन भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस दौरान करीब 3 एकड़ में लगी अवैध अफीम/पोस्ता की फसल को विनष्ट किया गया। अवैध अफीम/पोस्ता की इस खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। संबंधित लोगों का नाम–पता सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन उपरांत वन विभाग द्वारा वन अधिनियम के अंतर्गत वाद दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस एवं वन विभाग द्वारा क्षेत्र में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रूपेश पांडेय हत्याकांड में असलम, कैफ और गुफरान दोषी करार

विश्ववार्ता संवाददाता । हजारीबाग :हजारीबाग के चार साल पुराने बहुचर्चित रूपेश पांडेय (18 वर्ष) हत्याकांड में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत ने सोमवार को जेल में रह कर ट्रायल फेस कर रहे चार में तीन अभियुक्तों को दोषी करार दिया। साथ ही उसकी सजा के बिन्दु पर सुनवाई के लिए 5 फरवरी की तारीख निर्धारित की गयी है ।मामले में मो. असलम अंसारी उर्फ असलम उर्फ पप्पु मियां, मो. कैफ और मो. गुरफान को दोषी ठहराया गया है। फैसले के समय अभियुक्तों को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया था। वहीं मो. इरफान और इश्तेखार मियां को ठोस सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। इश्तेखार मियां घटना के बाद से फरार चल रहा था। कोर्ट से उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी था। एक आरोपी की सुनवाई जेजे बोर्ड हजारीबाग में लंबित है ।अभियोजन के अनुसार 6 फरवरी 2022 को शाम पांच बजे रूपेश पांडेय अपने चाचा के साथ बरही में सरस्वती पूजा देखने गया था। विसर्जन जुलूस के दौरान उन्मादी भीड़ ने रूपेश की पीट–पीटकर हत्या कर दी थी। इस मामले को लेकर बरही थाना में 27 आरोपियों के खिलाफ कांड संख्या 59 /2022 दर्ज कराया गया था। सात फरवरी को पुलिस ने मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया था।

भाजपा को झटका, चंद्रशेखर झामुमो में शामिल

विश्ववार्ता संवाददाता दुमका :भाजपा को बड़ा झटका, धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल झामुमो में शामिल। दुमका में पार्टी के स्थापना दिवस के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सामने ली सदस्यता। भाजपा द्वारा समर्थन नहीं दिए जाने से नाराज चंद्रशेखर अग्रवाल ने पार्टी छोड़ी।

एपस्टीन फाइल्स पर कांग्रेस का हमला, दीपक बैज बोले—केंद्र सरकार दे जवाब

रायपुर : जेफ्री एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी 2017 की इजरायल यात्रा के उल्लेख को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि एपस्टीन फाइल्स के सामने आने के बाद भी केंद्र सरकार चुप क्यों है? सरकार को इस मामले में देश को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। हालांकि इस पूरे मामले पर भारत के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि इजरायल यात्रा के अलावा किए गए सभी दावे एक दोषी व्यक्ति की निराधार और काल्पनिक बातें हैं, जिन्हें पूरी तरह खारिज किया जाना चाहिए। दीपक बैज ने गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर में हुई सांप्रदायिक हिंसा को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून–व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। समय रहते कार्रवाई होती तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती। उन्होंने इस मामले में न्यायिक जांच की मांग की।

किसानों का मुद्दा उठाते हुए पीसीसी चीफ ने कहा कि धान खरीदी में सरकार पूरी तरह विफल रही है। घोषित लक्ष्य के मुकाबले लाखों मीट्रिक टन धान की खरीदी नहीं हुई, जिससे किसान परेशान हैं। कई किसानों का पंजीयन होने के बावजूद टोकन नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसान विरोधी रवैया अपना रही है। इसके अलावा केंद्रीय बजट 2026 को लेकर भी बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ को एक बार फिर बजट में ठगा गया है और यह बजट चहेते उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने वाला साबित हुआ है।

ITMS कैमरे से ही कटेंगे E-Challan, 90 दिन में भुगतान नहीं करने पर कोर्ट में पेश होंगे मामले

रायपुर : पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने रविवार को आईटीएमएस कंट्रोल रूम एंड कमांड सेंटर का कामकाज देखा. उन्होंने खराब कैमरों को शीघ्र सुधारने समेत कई निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा वसूली के आरोपों से बचने के लिए आईटीएमएस के कैमरों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की मदद से केवल ई चालान ही जारी किए जाएं. वाहन मालिक को मोबाइल और वाट्सएप के जरिये इसकी सूचना भी अनिवार्य रूप से भेजी जाए. ई–चालान की जुर्माना राशि का भुगतान नहीं करने पर परिवहन संबंधी सेवाएं बाधित की जाएंगी और 90 दिन बाद कोर्ट में मामले अनिवार्य रूप से पेश किए जाएं. कोर्ट में केस पेश करने से पहले वाहन मालिक को नोटिस भी भेजी जाए .डॉ. शुक्ला ने निर्देश दिए कि परिवहन विभाग से समन्वय बनाकर ई–चालान तैयार कराएं और वाहन एवं वाहन स्वामी का लायसेंस नवीनीकरण, परमिट, फिटनेस, नामांतरण एवं अन्य सेवाओं के साथ–साथ बीमा व प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र के अद्यतन सिस्टम को भी रोका जाए. ई–चालान की राशि का भुगतान उपरांत ही सेवाएं प्रारंभ की जाए. पुलिस कमिश्नर से कहा कि इससे ई–चालान की जुर्माना राशि के भुगतान प्रतिशत में वृद्धि होगी. साथ ही वाहन स्वामी ई–चालान के अहमियत को समझेगा और ट्रैफिक नियमों का पालन करेगा .पुलिस कमिश्नर ने कहा कि नशा कर वाहन चलाने वाले के विरुद्ध मौके पर एल्कोमीटर से जांच कर तथा नो एंट्री का चालान तैयार कर न्यायालय भेजें. निरीक्षण के दौरान एसीपी ट्रैफिक गुरजीत सिंह व सतीश ठाकुर, ट्रैफिक मुख्यालय प्रभारी टीकेलाल भोई सहित अन्य स्टाफ मौजूद थे.

सिंह मेंशन में बमबाजी से सनसनी

धनबाद : नगर निकाय चुनाव की सरगर्मी के बीच सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित सिंह मेंशन में रविवार देर रात बमबाजी की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। रात करीब साढ़े 11 से 12 बजे के बीच बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने दो सुतली बम फेंके। एक बम गेट के भीतर फटा, जबकि दूसरा बाहर गिर गया। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के समय झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह और विधायक रागिनी सिंह चुनावी बैठक में मौजूद थे। विस्फोट के बाद परिसर में अफरातफरी मच गई, जबकि अपराधी फरार हो गए। सूचना मिलते ही सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव और ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी मौके पर पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर वायरल पर्चे में अमन गिरोह के शंकर सिंह ने बमबाजी की जिम्मेदारी ली है।

आधी आबादी को बना रहे हैं सशक्त और आत्मनिर्भर: हेमन्त सोरेन

शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर अमर वीर शहीदों को किया नमन दी श्रद्धांजलि

विश्ववार्ता संवाददाता

चाईबासा/टोटो: आज का दिन हम सभी के लिए काफी महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। हर वर्ष की भांति इस बार भी शूरवीरों की धरती - सेरेंगसिया में अपने अमर वीर शहीदों को नमन और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह दिन हमें अपने वीरों के बलिदान की गाथा को याद दिलाता है । इस अवसर पर हम सभी अपने अमर वीर शहीदों के आदर्श और सपनों को पूरा करने का संकल्प लें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत टोटो प्रखंड में सेरेंगसिया के शहीदों को नमन- सह - परियोजनाओं के शिलान्यास- उद्घाटन एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सेरेंगसिया शहीद स्मारक पर शीश नवाकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ हुए संघर्ष के महानायक पोटो हो समेत तमाम वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखंड हमेशा से शूरवीरों की धरती रही है

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड हमेशा से शूरवीरों की धरती रही है। साल का कोई भी ऐसा दिन नहीं होता है, जब हम किसी ना किसी वीर शहीद का शहादत दिवस मनाते हैं। अपने वीर शहीदों का सम्मान हमारी परंपरा में शामिल है। इस परंपरा को हम और मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं ताकि हमारे पूर्वजों में जो शहादत दी थी, उसे आने वाली पीढ़ी को बता सकें।

जब आजादी की लड़ाई शुरू भी नहीं हुई थी, तब यहां के आदिवासियों ने अंग्रेजों से लोहा लिया था

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश में आजादी की लड़ाई शुरू भी नहीं हुई थी उस वक्त हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजों से लोहा लिया था। कोल्हान का कोल विद्रोह इतिहास के पन्नों में दर्ज है, क्योंकि हमारे आदिवासी और पूर्वजों ने अपनी पहचान, जल - जंगल- जमीन की रक्षा और अंग्रेजों के अन्याय, शोषण और जुल्म के खिलाफ संघर्ष में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। संघर्षों के महानायक भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हु, नीलांबर पीतांबर और पोटो हो जैसे अनेकों वीरों और उनकी शहादत की गवाह यह धरती रही है।

_विकास के हर मोर्चे पर तेज गति से बढ़ रहे आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हेडक्वार्टर से नहीं, गांवों से चल रही है।

आज सरकार और उसकी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। हमारी सरकार की नीतियों और योजनाओं का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। आज झारखंड विकास के हर मोर्चे पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक आप आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और बौद्धिक रूप से मजबूत नहीं होंगे तब तक आगे नहीं बढ़ सकते हैं। यही वजह है कि हमारी सरकार हर किसी को इस दृष्टिकोण से सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे अपने बच्चे- बच्चियों को हर हाल में पढ़ाएं। इसमें सरकार आपको हर स्तर पर सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, इसके लिए कई योजनाएं चल रही है। आज हम बच्चों को निजी विद्यालयों की तर्ज पर उत्कृष्ट शिक्षा दे रहे हैं। उन्हें मेडिकल और इंजीनियरिंग समेत अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए निः शुल्क कोचिंग दी जा रही है। विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप दी जा रही है। हमारी कोशिश यही है यहां के बच्चे भी ऊंचे पदों पर पहुंच सके।

रायपुर : कबीरपंथ का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव – मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ विकसित प्रदेश बनने तेजी से अग्रसर

विश्ववार्ता संवाददाता

छत्तीसगढ़ रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को बहुत आगे ले जाना है और विकसित प्रदेश के रूप में खड़ा करना है। उन्होंने संत समागम समारोह दामाखेड़ा की राशि 50 लाख रूपये से बढाकर 75 लाख रूपये करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कल रविवार को कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सतगुरु कबीर संत समागम समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने पंथ श्री उदित मुनि नाम साहेब,पंथ श्री प्रकाश मुनि नाम साहब को चादर श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय माघ पूर्णिमा की शुभकामनायें देते हुए कहा कि कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा का संत समागम समारोह हर साल भव्य होते जा रहा है जो लोगों में बढ़ते आस्था का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कबीरपंथ का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव है इसलिए यहां के लोग शांति प्रिय है। उन्होंने कहा कि वे बचपन से ही कबीर पंथ से परिचित है और उनके गांव बगिया में भी 8-10 कबीर पंथी परिवार है। उन्होंने दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्मनगर करने के संबंध में बताया कि राजपत्र में प्रकाशन हेतु अंतिम प्रक्रिया जारी है। श्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से लोगों को सीधा फायदा मिल रहा है। अब मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास की बाधा की नक्सलवाद अब जल्द ही जड़ से समाप्त होने वाला है। नक्सलवाद का प्रदेश से 31 मार्च 2026 तक समूल नष्ट हो जाएगा। हमने जनता से किया वादा को तेजी से पूरा किया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पंथ श्री उदित मुनि नाम साहब का चादर तिलक अद्भुत और अलौकिक रहा। पंथ श्री ने वृक्षारोपण, समाज सेवा, नशामुक्ति एवं युवा उत्थान के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

रतनपुर में बनेगा भव्य ऑडिटोरियम, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की घोषणा

मां महामाया के आशीर्वाद से रतनपुर को कॉरीडोर के रूप में करेंगे विकसित

जावेद अली ज़ैदी

छत्तीसगढ़ बिलासपुर : उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 1 फरवरी को रतनपुर में माघी पूर्णिमा एवं आदिवासी विकास मेला वर्ष-2026 का शुभारंभ किया। श्री साव ने इस अवसर पर ऑडिटोरियम निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए और नगर पालिका भवन में बाउंड्रीवाल के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि रतनपुर पवित्र और पौराणिक नगरी है, इसकी ख्याति दुनिया भर में है। इस ख्याति के अनुरूप यहां बहुत कुछ किया जाना बाकी है। यह कभी छत्तीसगढ़ की राजधानी रही है। इसके अनुरूप गरिमा बढ़ाने का काम करेंगे।

साव ने बताया कि रतनपुर को कॉरीडोर के रूप में विकसित करने का काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के धार्मिक स्थलों को सजाने और संवारने का काम हुआ है। मां महामाया की कृपा से रतनपुर को भी संवारेंगे। रतनपुर के तालाबों के सौंदर्यीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसे सुंदर बनाने पूरे मन से कार्य करेंगे। विधायक सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत के अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी और नगर पालिका के अध्यक्ष लवकुश कश्यप सहित पार्षदगण एवं नगरवासी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

बेटियों को शिक्षित, स्किल्ड और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध एनडीए सरकार : सम्राट चौधरी

विश्ववार्ता ब्यूरो

पटना:बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि बिहार अपने गौरवशाली इतिहास को पुनः प्राप्त करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कभी नालंदा और विक्रमशिला जैसी विश्वविख्यात शिक्षण संस्थाओं ने पूरी दुनिया को ज्ञान की राह दिखाई थी और आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य पटना विमेंस कॉलेज जैसी संस्थाएं कर रही हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी पटना विमेंस कॉलेज में आयोजित वार्षिक दिवस (एनुअल डे) समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पटना विमेंस कॉलेज बिहार में शिक्षा की अलख जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां हजारों छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं और इस संस्थान से निकलकर बिहार की बेटियां न केवल राज्य, बल्कि देशभर में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्होंने कहा कि बिहार ज्ञान और ध्यान की भूमि रही है। भगवान गौतम बुद्ध को इसी धरती पर ज्ञान की प्राप्ति हुई और देश-विदेश से लोग यहां शिक्षा प्राप्त करने आते रहे हैं। वर्ष 1940 से पटना विमेंस कॉलेज जैसी संस्थाएं इस गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा को लगातार आगे बढ़ा रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। गांव-गांव में प्राथमिक और मध्य विद्यालयों की स्थापना, प्रत्येक पंचायत में हाई स्कूल खोलने के बाद अब सरकार हर प्रखंड में डिग्री कॉलेज का निर्माण करा रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं, विशेषकर बेटियों को अपने ही इलाके में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि बिहार के सभी 533 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज स्थापित किए जाएंगे, ताकि उच्च शिक्षा गांवों तक पहुंचे। साथ ही कौशल विकास विश्वविद्यालय के माध्यम से बेटियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। राज्य सरकार स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता भी दे रही है।

झारखंड को केंद्र ने दिया रेलवे के विकास के लिए 7,536 करोड़

विश्ववार्ता संवाददाता

रांची: केंद्र सरकार ने आम बजट में झारखण्ड में रेलवे के लिए कई योजनाओं को प्रस्तावित किया गया है. रेल मंत्री अश्विनी वैभव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के रेल मंडल से जुड़कर कई महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है. जिसके तहत झारखंड को इस बजट में 7536 करोड़ आवंटित किये गए हैं।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को 2026-27 के लिए आम बजट पेश किया गया. इस बजट में रेल क्षेत्र के लिए कई योजनाओं को हरी झंडी मिली है. बजट में रेल क्षेत्र के लिए कितनी राशि प्रस्तावित हुई है और किस राज्य को कितना मिला है, इस संदर्भ में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये देश के सभी रेल मंडल से जुड़कर जानकारी साझा की है. चक्रधरपुर रेल मंडल से डीआरएम जुड़े थे. इस दौरान टाटानगर रेलवे स्टेशन से स्टेशन निदेशक जुड़े रहे।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रेल मंत्री अश्विनी वैभव ने बताया कि इस बार के रेल बजट में झारखंड को 7536 करोड़ रूपये मिला है. उन्होंने बताया कि झारखंड में कुल 63470 करोड़ के प्रोजेक्ट चल रहे हैं. झारखंड में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए कई डीपीआर तैयार किए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि यहां से 12 वंदे भारत और चार अमृत भारत एक्सप्रेस चल रही है.

जुगसलाई नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए नौशीन खान आज भरेंगी नामांकन

जमशेदपुर: नगर परिषद एवं नगर निगम चुनाव को लेकर झारखंड में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इसी कड़ी में जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र से अध्यक्ष पद के लिए नौशीन खान आज अपना नामांकन दाखिल करेंगी। नौशीन खान, हिदायतुल्लाह खान की पत्नी हैं और उन्हें क्षेत्र में एक मज़बूत दावेदार माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार 3 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे उनके समर्थक जुगसलाई ईदगाह मैदान में एकत्रित होंगे, जहां से जुलूस के रूप में नामांकन स्थल तक पहुंचा जाएगा। जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक होने के कारण नौशीन खान की दावेदारी को काफ़ी मजबूत माना जा रहा है और उनकी जीत को लेकर समर्थकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

शब–ए–बरात :ये रात फजीलतों से भरपूर है

विश्ववार्ता संवाददाता

रांची :एदारा-ए-शरीया झारखंड के नाज़िम-ए-आला मौलाना मुहम्मद कुतुबुद्दीन रिज़वी ने क़ाज़ियाने दारुल क़ज़ा के फ़ैसले के अनुसार बताया कि मंगलवार, 3 फ़रवरी 2026 का दिन गुज़रने के बाद आने वाली रात शब-ए-बरात की मुक़द्दस रात होगी। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में शब-ए-बरात अकीदत और एहतराम के साथ मनाई जाएगी और इसकी तैयारियाँ अभी से शुरू हो चुकी हैं।

नाज़िम-ए-आला ने बताया कि इस मुबारक रात में घरों, मस्जिदों, रास्तों और क़ब्रिस्तानों की साफ़-सफ़ाई की जाएगी और उन्हें रोशनी से सजाया जाएगा। मुसलमान फातेहा, नज़र-नियाज़, क़ुरआन पाक की तिलावत, ज़िक्र व अज़कार, महफ़िल-ए-नूर, नफ़्ल नमाज़ और मग़फिरत के लिए ख़ास दुआओं का एहतिमाम करेंगे। यह रात अल्लाह की रहमत और माफ़ी की रात मानी जाती है।

मौलाना रिज़वी ने कहा कि शब-ए-बरात को लैलतुन निस्फ़ मिन शाबान भी कहा जाता है। "बरात" फ़ारसी शब्द है, जिसका अर्थ माफ़ी, निजात और छुटकारा है। हदीसों में इस रात की बड़ी फ़ज़ीलत बयान की गई है। रिवायत के अनुसार अल्लाह तआला इस रात अपनी मख़लूक की तरफ़ रहमत की नज़र फ़रमाता है और मुशरिक व कीना रखने वालों के अलावा सबको माफ़ कर देता है।

उन्होंने बताया कि बुज़ुर्गाने दीन जैसे हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़, इमाम औज़ाई और इमाम शाफ़ई इस रात को इबादत और दुआ में बिताते थे। इस रात अकेले में इबादत, तौबा-इस्तग़फ़ार, वालिदैन और मरहूमीन के लिए दुआ करना, क़ब्रिस्तान जाकर फातेहा पढ़ना और दिलों से गिले-शिकवे निकालना बेहद अहम है। साथ ही 15 शाबान को रोज़ा रखने की भी फ़ज़ीलत है।

नाज़िम-ए-आला ने ज़ोर देकर कहा कि शब-ए-बरात के मौके पर पटाखों, आतिशबाज़ी और बेकार कामों से पूरी तरह बचा जाए। अभिभावक बच्चों को इसके लिए न पैसे दें और न ही ऐसी ज़िद पूरी करें। उन्होंने समाज के हर वर्ग से अपील की कि इस मुक़द्दस रात की पवित्रता को समझें और इसे इबादत व आत्ममंथन का ज़रिया बनाएं।

बजट 2025–26: 'विकसित भारत' का भ्रम: विजय शंकर नायक

50 .65 लाख करोड़ के बजट में सुरक्षा और कॉरपोरेट हितों को बढ़त, लेकिन गरीबों, दलितों और आदिवासियों के लिए आवंटन जनसंख्या अनुपात से भी कम

विश्ववार्ता संवाददाता

रांची केंद्रीय बजट 2025-26 को भाजपा सरकार "विकसित भारत" की नींव बताकर प्रचारित कर रही है, लेकिन गहराई से विश्लेषण करने पर यह बजट गरीब-विरोधी, दलित-विरोधी, आदिवासी-विरोधी और झारखंड-विरोधी नीतियों का दस्तावेज़ प्रतीत होता है। 50.65 लाख करोड़ के कुल व्यय के बावजूद यह बजट सामाजिक न्याय से अधिक कॉरपोरेट हितों को प्राथमिकता देता है। केंद्रीय बजट 2025-26, कुल व्यय 50.65 लाख करोड़ के साथ ₹विकसित भारत₹ की चमकदार तस्वीर पेश करता है, लेकिन इसके पीछे छिपी हकीकत गरीबों, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और झारखंड जैसे राज्यों के लिए दर्दनाक है। बजट में सामाजिक क्षेत्र का हिस्सा मात्र 19% है, जो 2024-25 के 17% (दशक का सबसे निचला स्तर) से मामूली बेहतर है, लेकिन 2014-15 से 2019-20 के औसत 21% से कम। मुद्रास्फीति (5-6%) और बढ़ती गरीबी को देखते हुए यह अपर्याप्त है।

एसटी कल्याण पर दिखावटी बढ़ोतरी (जनजातीय कार्य मंत्रालय का आवंटन 14,925.81 करोड़, 2024-25 के 10,237 करोड़ से 46% वृद्धि) के बावजूद, बजट गरीबों, एससी और झारखंड के लिए उपेक्षापूर्ण साबित हुआ। यह लेख PRS इंडिया, NCDHR, CPIM रिपोर्ट्स, विपक्षी बयानों और आधिकारिक दस्तावेजों पर आधारित है, जिसमें पूर्व बजटों (2024-25 और 2023-24) से तुलना करते हुए अनछुए पहलुओं – जैसे फंड डायवर्शन, अंडर-स्पेंडिंग, जलवायु प्रभाव और राजनीतिक पूर्वाग्रह – को उजागर किया गया है। विशेष फोकस झारखंड पर है, जहां एसटी आबादी 26%+ है, गरीबी दर 37% से ऊपर, और केंद्र से मिलने वाले फंड राज्य के योगदान (कोयला रॉयल्टी से 19,300 करोड़ अनुमानित) के मुकाबले नगण्य हैं।एससी (दलित) कल्याण में स्पष्ट कमीः जनसंख्या अनुपात का खुला उल्लंघनएससी आबादी 16.6% है, लेकिन बजट में एससी कल्याण का कुल आवंटन मात्र 3.4% (1.68 लाख करोड़) रहा – 2024-25 के 1.65 लाख करोड़ से नाममात्र बढ़ोतरी, लेकिन मुद्रास्फीति समायोजित करने पर वास्तविक कमी।

NCDHR की DABA 2025 रिपोर्ट के अनुसार, 46,000 करोड़+ फंड अप्रासंगिक योजनाओं (सामान्य ढांचा, कॉरपोरेट सब्सिडी) में डायवर्ट हुए। पूर्व तुलनाः 2023-24 में भी आवंटन जनसंख्या अनुपात से कम था; 2024-25 में वास्तविक खर्च केवल 1.38 लाख करोड़ रहा। NCDHR इसे ₹दलित आर्थिक सशक्तिकरण पर हमला₹ मानता है।झारखंड में एससी आबादी 12%+ है, लेकिन राज्य को कोई विशेष लाभ नहीं। गरीबी, शिक्षा और रोजगार की कमी यहां गंभीर है, जहां एससी परिवारों की औसत आय राष्ट्रीय औसत से 30% कम है। बजट में एससी महिलाओं के लिए मात्र 18,852 करोड़, जबकि हिंसा और असमानता बढ़ रही है।समग्र सामाजिक क्षेत्र में कटौती या स्थिरताः योजनाओं में वास्तविक खर्च की कमीसामाजिक क्षेत्र (शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार) का हिस्सा 19% रहा, जबकि कुल व्यय 7% बढ़ा।

प्रमुख योजनाओं में खर्च बजट से कमःMGNREGA: 2025-26 में 86,000 करोड़ (2024-25 RE से स्थिर)। PRS रिपोर्टः 2024-25 में मांग के मुकाबले खर्च कम; झारखंड में निर्भरता 30-40%, लेकिन फंड कमी से मजदूरों को वेतन विलंब। पूर्व वर्षः 2023-24 में 89,154 करोड़ खर्च, लेकिन गरीबी बढ़ने पर अपर्याप्त। PMAY-G: 2025-26 में 54,832 करोड़ (2024-25 RE 32,426 करोड़ से 69% बढ़ोतरी), लेकिन पूर्व वर्षों में RE में भारी कटौती। PM-JAY में 24% बढ़ोतरी, लेकिन IDR रिपोर्टः कुल आवंटन समग्र वृद्धि से कम। स्वास्थ्य/शिक्षा में अंडर-स्पेंडिंग 3-5%। झारखंड में ये कमियां घातक हैं – राज्य में ग्रामीण गरीबी 42% है, और MGN-REGA विलंब से प्रवासी मजदूरी बढ़ी। पूर्व बजटों में सामाजिक क्षेत्र का हिस्सा घटता रहा, जिससे क्षेत्रीय असमानता बढ़ी।झारखंड के लिए स्पष्ट उपेक्षाः खनिज-समृद्ध राज्य का 'धोखा'झारखंड, जहां एसटी आबादी 26%+ और गरीबी दर उच्च है, बजट में पूरी तरह उपेक्षित रहा। कोई विशेष पैकेज नहीं, सिर्फ पूर्वी राज्यों का सामान्य उल्लेख। बिहार को कई प्रोजेक्ट्स मिले, लेकिन झारखंड को ठोस फंडिंग नहीं। राज्य खनन से केंद्र को लाखों करोड़ राजस्व देता है (2024-25 में कोयला रॉयल्टी से 19,300 करोड़), लेकिन बदले में कुछ नहीं। 1.36 लाख करोड़ बकाया राशि का उल्लेख न होने पर आरोप लगाया। पूर्व बजटः 2024-25 में भी उपेक्षा; केंद्र से राज्य का हिस्सा घटता जा रहा। झारखंड का राज्य बजट 2025-26 में 1.45 लाख करोड़ था, जहां मैया सम्मान जैसी योजनाएं प्रत्यक्ष राहत देती हैं, लेकिन केंद्र अप्रत्यक्ष। DMFT घोटाले जैसी समस्याओं से जूझते राज्य पर बोझ बढ़ा। अनछुए और गहरे पहलूः क्रियान्वयन की कमियां और झारखंड-केंद्रित दीर्घकालिक प्रभावबजट की कई अनछुई कमियां जमीनी हकीकत को प्रभावित करती हैंःखर्च vs आवंटन का फर्कः सामाजिक योजनाओं में अंडर-स्पेंडिंग (स्वास्थ्य/शिक्षा में 3-5% कमी) पुरानी समस्या। एससी कल्याण में 25% फंड अनुपयोगी रहा।

एक नजर

राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य बदले,डॉ. प्रियांक वर्मा बने कार्यवाहक

सुलतानपुर। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सलिल श्रीवास्तव का कार्यकाल समाप्त हो गया है। उनके स्थान पर डॉ. प्रियांक वर्मा को कॉलेज का कार्यवाहक प्राचार्य नियुक्त किया गया है। डॉ. सलिल श्रीवास्तव पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं, जिसकी लोकायुक्त द्वारा जांच की जा रही है। आरोप है कि उन्होंने नियमों को दरकिनार करते हुए डॉ. प्रियांक वर्मा को उप-प्राचार्य का कार्यभार सौंपा था। गोसाईंगंज के हयातनगर निवासी बृजेश उपाध्याय ने 17 जून को लोकायुक्त में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए लोकायुक्त सचिव डॉ. रीमा बंसल ने जिलाधिकारी सुलतानपुर को एक वरिष्ठ अधिकारी से मामले की गहन जांच कराकर 18 नवंबर तक तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्राचार्य पद संभालने के बाद डॉ. सलिल श्रीवास्तव ने अपनी पत्नी डॉ. संगीता श्रीवास्तव और पुत्र अनमोल श्रीवास्तव के नाम पर कई बेशकीमती भूखंड खरीदे। आरोप के अनुसार पत्नी के नाम पर खरीदी गई जमीन के दस्तावेजों में पति के स्थान पर पिता का नाम दर्ज कराया गया, जबकि पुत्र के दस्तावेजों में व्यवसाय के कॉलम में कृषि दर्शाया गया, जबकि वह उस समय पढ़ाई कर रहे थे। जांच के दायरे में लीड रिसोर्स सिक्योरिटी मैनपॉवर सर्विसेज कंपनी और गरुड़ा कंपनी को टेंडर दिए जाने का मामला भी शामिल किया गया है।

दोहरे हत्याकांड के विवेचक की गवाही रुकी

सुलतानपुर। प्रधानी के चुनाव विवाद में संग्रह अमीन और उसके भतीजे के चर्चित हत्याकांड में न्यायाधीश संध्या चौधरी की कोर्ट में विवेचक अमर सिंह सोमवार को हाजिर नहीं हुए। एडीजीसी पवन दुबे ने बताया कि कोर्ट ने बुधवार को फिर सुनवाई नियत की है। मुसाफिरखाना कोतवाली के भद्दौर निवासी संग्रह अमीन सुरेश यादव व उसके भतीजे बृजेश यादव की 27 फरवरी 2023 को चुनावी रंजिश में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड में 12 आरोपियों पर मुकदमा विचाराधीन है।

चिकित्सक हत्याकांड में पक्षों का साक्ष्य समाप्त

सुलतानपुर। चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में न्यायाधीश संध्या चौधरी की कोर्ट में पक्षों का साक्ष्य पूरा हो गया है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता अरविन्द सिंह राजा ने बताया कि कोर्ट ने 10 फरवरी को बहस के लिए फाइल नियत की है। शहर के शास्त्री नगर मोहल्ले में 23 सितंबर 2023 की शाम पीट पीट कर चिकित्सक की हत्या करने में मुख्य आरोपी अजय नारायण सिंह और उसके ड्राइवर दीपक सिंह पर सामान्य आशय से हत्या, आपराधिक षडयंत्र और दहशत फैलाने के आरोपों में मुकदमा विचाराधीन है।

सांसद व पूर्व विधायक की सुनवाई लम्बित

सुलतानपुर। लंभुआ के पूर्व विधायक संतोष पांडेय और दर्जन भर साथियों पर जारी आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मुकदमे में सोमवार को भी सुनवाई लम्बित रही। पूर्व विधायक के वकील संतोष पाण्डेय ने बताया कि बहस नहीं हो पाने के कारण विशेष कोर्ट ने मामले में 13 फरवरी को फिर बहस की तिथि नियत की है। उधर सांसद राम भुआल निषाद के विरुद्ध दर्ज आदर्श चुनाव आचार संहिता केस की फाइल नहीं आने से सुनवाई नहीं हो सकी।

पूर्व चेयरमैन की जमानत पर आदेश सुरक्षित

सुलतानपुर। धोखाधड़ी से मकान दूसरे के नाम दर्ज कराने के आरोप में तलब हुईं अमेठी जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा नेता राजेश अग्रहरि की पत्नी और पूर्व चेयरमैन चन्द्रमा देवी जमानत पर सुनवाई के लिए सोमवार को हाजिर नहीं हुईं। उनके अधिवक्ता अरविन्द सिंह राजा ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट की विधि व्यवस्था के तहत इस मामले में जमानत पर सुनवाई के लिए पूर्व चेयरमैन को व्यक्तिगत तौर पर हाजिर होने की जरूरत नहीं है। न्यायिक मजिस्ट्रेट भव्या श्रीवास्तव ने सुनवाई कर आदेश सुरक्षित रखा है।

फर्जी हस्ताक्षरों से वोट कटवाने की साजिश? सपा ने उठाए सवाल

सुलतानपुर। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष शिवेन्द्र विक्रम (संजय वर्मा) ने उपजिलाधिकारी, जयसिंहपुर को दिए एक पत्र में ग्राम पंचायत सुरौली बूथ संख्या 67 में मतदाता सूची में कथित फर्जीवाड़े का गंभीर आरोप लगाया है।
पत्र में दावा किया गया है कि एक अज्ञात व्यक्ति जिसका मोबाइल नंबर 7607132202 है द्वारा फॉर्म 7 भरकर 252 मतदाताओं के नाम कटवाने का प्रयास किया गया। ये फॉर्म बीएलओ ललिता निषाद के घर जाकर उनकी भाभी से रिसीव कराए गए। हालांकि, गांव वासियों द्वारा 12 फॉर्म वापस ले लिए गए हैं। शिवेन्द्र विक्रम ने इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए कहा कि फर्जी तरीके से किसी भी मतदाता का नाम नहीं काटा जाना चाहिए। उन्होंने उपजिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कराई जाए। बता दें जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान उठ रहे विवादों की कड़ी में एक और मामला है, जहां विभिन्न इलाकों से नाम कटवाने या हेराफेरी के आरोप लग रहे हैं।

नोटिस का जवाब जरूर दाखिल करें मतदाता

जयसिंहपुर ब्लाक का मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

» विकास कार्यों में तेजी लाने के दिये निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह ने सोमवार को जयसिंहपुर ब्लाक का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही सभी पटलों का अवलोकन कर विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह ने सोमवार को जयसिंहपुर ब्लाक का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही सभी पटलों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

लगभग डेढ़ घंटे निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने स्थापना पटल, मनरेगा, पंचायत, एनआरएलएम व ओडीएफ के बारे में खण्ड विकास अधिकारी श्याम नारायण चतुर्वेदी से जानकारी ली। इसके अलावा प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थियों की सूची देखी। सीडीओ ने फाइलों के रख-रखाव व ब्लॉक परिसर की साफ सफाई के निर्देश दिए। साथ ही कुछ मामलों में कमियां मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पूरे जिले में एसाइआइर की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जिनको नोटिस गई है, वह अपना जवाब जरूर दाखिल कर दें। पशु चिकित्सालय जयसिंहपुर में लंबे समय से पशु चिकित्सक की तैनाती न होने के सवाल पर उन्होंने जल्द ही व्यवस्था करने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर जिला विकास अधिकारी गजेंद्र तिवारी, एडीओ पंचायत रामजीलाल, एडीओ एसटी अभय सिंह, एडीओ एसबी सुरेन्द्र विश्वकर्मा, एडीओ समाज कल्याण ओपी सिंह, एपीओ ज्ञानेंद्र यादव, जेई आरईएस राजकिशोर सिंह, राजकीय कृषि बीज भंडार प्रभारी दिनेश गुप्ता,एडीओ एजी दुर्गेश वर्मा सहित अन्य विकास कर्मी मौजूद रहे।

राज्यसभा में उठा राम वन गमन पथ पर विश्राम गृहों का मुद्दा

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। भाजपा राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य ने सोमवार को राज्यसभा में राम वन गमन पथ पर श्रीराम विश्राम गृहों के निर्माण की जोरदार मांग की। उन्होंने अयोध्या से चित्रकूट तक के इस 210 किमी पावन मार्ग (सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, प्रयागराज से गुजरता) को आध्यात्मिक कॉरिडोर के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा।

अमरपाल मौर्य ने कहा कि राम मंदिर निर्माण के बाद इस मार्ग पर श्रद्धालुओं की संख्या में 300% से अधिक वृद्धि हुई है और प्रतिदिन 30 हजार से ज्यादा यात्री पदयात्रा कर रहे हैं। लेकिन रात्रि विश्राम के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। उन्होंने हर 20-25 किमी पर दोनों ओर एक-एक विश्राम गृह बनाने, साथ ही 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना के तहत स्थानीय उत्पादों प्रतापगढ़ का आंवला, सुल्तानपुर-प्रयागराज का मूंज शिल्प, कौशांबी का केला, अयोध्या का गुड़, चित्रकूट के लकड़ी के खिलौने के स्टॉल लगाने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगी और प्रधानमंत्री के 'विरासत भी, विकास भी' के विजन को साकार करेगी। केंद्र व राज्य सरकार से शीघ्र स्वीकृति की मांग की गई।

भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, डॉ. एमपी सिंह और मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने सांसद की इस पहल का स्वागत किया है।

पिपरी गांव में चार सड़कों का लोकार्पण

» 76 लाख से अधिक की लागत से हुआ निर्माण

विश्ववार्ता संवाददाता

बल्दीराय - सुलतानपुर। बल्दीराय विकास खंड में सोमवार को जिला पंचायत सुलतानपुर निधि के 15वें वित्त आयोग की अनटाइड ग्रांट योजना के तहत पिपरी गांव में निर्मित चार सड़कों का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने फीता काटकर सड़कों का उद्घाटन किया। लोकार्पित सड़कों में 500 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क लागत लगभग 28 लाख रुपये, 2 किलोमीटर खड़ंजा सड़क लागत लगभग 40 लाख रुपये तथा 120 मीटर सीसी रोड लागत लगभग 8 लाख रुपये का निर्माण कार्य शामिल है।

समारोह को संबोधित करते हुए शिवकुमार सिंह ने कहा कि जिला पंचायत की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नरेश चंद्र उपाध्याय उर्फ दीपू ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य हंसराज यादव,ठेकेदार मुदित सिंह, अरविंद सिंह बबलू, विपिन सिंह,ठेकेदार तौसीफ खान, मोनू सिंह, गुड्डू तिवारी, देवेंद्र प्रताप सिंह, सलमान खान, शिवराज पांडे, बीडीसी जनजीत सिंह, हेमंत तिवारी, जितेंद्र यादव, ठेकेदार राका मिश्र सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर में हुई 100 मरीजों की जांच

सुलतानपुर। ताजखानपुर स्थित दमगाड़ियां चौराहे पर ट्रस्ट पॉइंट मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल की ओर से आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में क्षेत्र के करीब 100 जरूरतमंद मरीजों का मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें आवश्यक दवाएं भी निःशुल्क वितरित की गईं। शिविर का उद्घाटन वार्ड नंबर 37 के जिला पंचायत प्रत्याशी सुल्तान उर्फ मद्दर ने किया।

शिविर में डॉ.एमएफ हैदर, डॉ.पुनीत बारी, डॉ.शैलेंद्र जायसवाल, डॉ.हैदर जाफरी,डॉ.अभिषेक मिश्रा, डॉ. एमजे आबदी एवं डॉ. अहमद हुसैन ने विशेष योगदान दिया। डॉ. एमएफ हैदर ने कहा कि इस तरह के निःशुल्क चिकित्सा शिविर समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में महिलाओं सहित बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे, जिनकी पूरी तरह निःशुल्क जांच की गई और दवाएं प्रदान की गईं।

ड्यूटी के दौरान सैनिक की बिगड़ी तबियत

अस्पताल में निधन, शोक में डूबा गांव

» जम्मू के अखनूर में थी तैनाती गांव लाया जा रहा शस

विश्ववार्ता संवाददाता

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। भारतीय सेना के जवान भूपेंद्र कुमार सिंह की ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ गई। उन्हें पास स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका निधन हो गया। सैनिक का पार्थिव शरीर गांव लाया जा रहा है। सोमवार को प्रशासनिक अधिकारी भी जानकारी मिलने पर गांव पहुंचे थे।

गोसाईंगंज के बरुई निवासी भूपेंद्र कुमार सिंह (41) जम्मू के अखनूर सेक्टर के ऑर्डिनेंस डिपो में जेसीओ के पद पर तैनात थे। बताया जा रहा है कि शनिवार रात भूपेंद्र सिंह ड्यूटी पर गए थे। सेना के अधिकारियों का पत्नी रूबी सिंह के पास फोन आया कि भूपेंद्र की तबियत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले आया गया है। रविवार सुबह उनका अस्पताल में निधन हो गया। यह खबर पैतृक गांव पहुंची तो परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। देश सेवा में भूपेंद्र का परिवार अग्रणी रहा है। पिता प्रसिद्ध नारायण सिंह भारतीय सेना से वर्ष 1996 में सेवानिवृत्त हुए थे। उनका पहले ही निधन हो चुका है। बड़े भाई रवींद्र कुमार सिंह आर्डिनेंस डिपो में सूबेदार मेजर के पद पर तैनात हैं। छोटे भाई सत्येंद्र भी सेना में सेवा दे रहे हैं। भूपेंद्र वर्ष 2003 में सेना में भर्ती हुए थे। उनका विवाह वर्ष 2009 में हुआ था। बड़ी बेटी शिल्पा कक्षा 10 व बेटा शिवांश कक्षा तीन का छात्र है। दोनों अखनूर स्थित आर्मी स्कूल में पढ़ाई करते हैं। गांव में शहीद की माता पुष्पा सिंह रहती हैं।

सोमवार को एसडीएम जयसिंहपुर प्रभात कुमार सिंह के साथ स्थानीय पुलिस भी गांव पहुंचे थे। सोमवार सात बजे तक शहीद का पार्थिव शरीर गांव नही पहुंचा था।

'परकाया प्रवेश' ने जीता सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

» 'अभिनव इमरोज़ कहानी प्रतियोगिता 2025'

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। जोधपुर की लेखिका सुषमा चौहान 'किरन' की कहानी 'परकाया प्रवेश' को 'अभिनव इमरोज़ कहानी प्रतियोगिता 2025' में सर्वश्रेष्ठ कहानी का पुरस्कार मिला है। देवेन्द्र कुमार बहल द्वारा संपादित 'अभिनव इमरोज़' पत्रिका द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 78 से अधिक कहानियाँ प्रतिभागी थीं, जिनमें से चार चरणों की चयन के बाद 'परकाया प्रवेश' को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ।

इम्पीरियल क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में विजेता सुषमा चौहान 'किरन' को स्मृति चिन्ह, प्रमाण-पत्र और 11,000 रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रमुख वक्ता डॉ. रेनू यादव ने कहानी की सराहना करते हुए कहा कि 'परकाया प्रवेश' को मनोवैज्ञानिक, वर्ग-भेद, जाति-भेद, अंतर्जातीय विवाह और स्त्रीवादी दृष्टिकोण से देखने के साथ-साथ प्रेम एवं मनुष्यता की नजर से समझना अधिक उचित होगा। यह बहुपाठीय कहानी है, जो केंद्र और हाशिए पर खड़े समाज के पुनःपाठ पर जोर देती है।

संपादक देवेन्द्र कुमार बहल ने कहा, यह कहानी पहली नजर में ही दिल को छू लेती है और पाठक को गहराई से सोचने पर मजबूर करती है। लेखिका सुषमा चौहान 'किरन' को हृदय से बधाई।

मुख्य अतिथि डॉ. ओम निश्चल ने ऐसी प्रतियोगिताओं को कहानीकारों के लिए प्रोत्साहन बताते हुए कहा कि ये नए लेखकों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। आलोचक हरेराम पाठक ने टिप्पणी की, कहानी में औचित्य, संवेदना और उद्देश्य तीनों प्रमुख तत्व मौजूद हैं, जो इसे विशेष बनाते हैं।

प्रतियोगिता में अन्य 10 श्रेष्ठ कहानियों को भी प्रमाण-पत्र दिए गए, जिनमें संगीता माथुर की 'सरोकार', डॉ. तौसिफ बरेलवी की 'साइंसदानों का कब्रिस्तान', आरती स्मित की 'गूँगी हवा', नीना अंदोत्रा की 'सन्नाटा' आदि शामिल हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. डीके बहल ने की, जबकि मुख्य निर्णायक हरेराम पाठक, मुख्य वक्ता डॉ. रेनू यादव और संचालक एकता अमित व्यास रहीं। अवसर पर मोनिका बहल ने सरस्वती वंदना और मनीषा आत्माधारा ने गीत प्रस्तुत किए। उमेश त्रिपाठी ने पत्रिका का परिचय दिया, जबकि अतुल तलवार और मीनाक्षी मेनन ने संपादक बहल के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सपना दलवी की पुस्तक का लोकार्पण हुआ और डी.के. बहल के 85वें वर्षगांठ पर एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

प्रतियोगिता के आयोजकों में संपादक देवेन्द्र कुमार बहल, एकता अमित व्यास और डॉ. रेनू यादव शामिल थे।

बैंक परिसर मे सेवानिवृत्त शिक्षक से 23 हजार की टप्पेबाजी

लंभुआ- सुलतानपुर। बड़ौदा यूपी बैंक की लंभुआ शाखा के अंदर दिनदहाड़े एक सेवानिवृत्त शिक्षक के झोले को काटकर 23 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली गई।

जानकारी के अनुसार देवरी निवासी बुजुर्ग सेवानिवृत्त शिक्षक अंशुमान सिंह बैंक में पैसे निकालने आए थे। उन्होंने काउंटर से 23 हजार रुपये निकालकर अपने झोले में रखे ही थे कि इसी दौरान अज्ञात चोरों ने झोले को दोनों तरफ से काटकर उसमें रखी पूरी नकदी निकाल ली। जब पीड़ित को इसका आभास हुआ, तब तक चोर मौके से फरार हो चुके थे।

घटना की जानकारी शाखा प्रबंधक विपिन कुमार को दी गई। शाखा प्रबंधक ने पीड़ित से थाने जाकर शिकायती पत्र देने की बात कही। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। पुलिस ने पीड़ित को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि घटना के समय बैंक परिसर में कोई भी सुरक्षा कर्मी तैनात नहीं था। वहीं बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की हालत भी बेहद खराब पाई गई। कैमरों से किसी भी संदिग्ध का चेहरा स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है। इस संबंध में शाखा प्रबंधक ने बताया कि कैमरों की खराबी की शिकायत पहले ही उच्चाधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कैमरों को दुरुस्त नहीं कराया गया है।

बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

चाचा नेहरू इंटर कॉलेज का रजत जयंती समारोह

विश्ववार्ता संवाददाता

कूरेभार-सुलतानपुर। कूरेभार शिक्षा क्षेत्र के प्रसिद्ध चाचा नेहरू इंटर कॉलेज, मानिकपुर ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर सोमवार को भव्य रजत जयंती समारोह का आयोजन किया। विद्यालय परिसर में उत्सव का रंग-बिरंगा माहौल छाया रहा, जहां छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगे परिधानों में सजकर और सजी-संवरी मंच व्यवस्था के साथ कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

समारोह का मुख्य आकर्षण बच्चों की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। देशभक्ति, सामाजिक एकता, कुरीतियों के उन्मूलन जैसे विषयों पर आधारित गीत, समूह नृत्य, नाट्य मंचन और प्रेरक संदेशों से सजी इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। देशभक्ति गीतों पर थिरकते बच्चों के नृत्य और आत्मविश्वास से भरी अभिनय पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय प्रबंधक मिर्जा अल्ताब बेग ने विद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य तौफीक अहमद ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियां गिनायीं।

इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों संभ्रांत नागरिकों, अभिभावकों और हजारों छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ा दी। विशेष रूप से भैया राम यादव, विकास चंद्र मिश्रा, सत्य प्रकाश पांडेय, दिव्यकांत मिश्रा, अवसाफ अहमद, दिलीप तिवारी, योगेश अठाक, शिव कुमार, उपमन्यु तिवारी, उमेश यादव, राम बाबू गुप्ता, सुरेश वर्मा, मनोज तिवारी, सतेंद्र सिंह, सबीना खान, प्रिया सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री के मुकदमे में नहीं हो सकी गवाही

सुलतानपुर। बैनामा लिखाने में धोखाधड़ी का शिकार प्रदेश सरकार के पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री संदीप कुमार शुक्ला के केस में सोमवार को गवाही नहीं हो सकी। पूर्व मंत्री के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि राजकीय निर्माण निगम के पूर्व उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त पूर्व मंत्री का साक्ष्य पूरा हो गया है। सीजेएम नवनीत सिंह ने शेष साक्ष्य के लिए 16 फरवरी की तारीख नियत की है।

पूर्व मंत्री का आरोप है कि राजदेव निषाद ने लाल बहादुर निषाद की पुत्री के विवाह के लिए टांटियानगर में स्थित जमीन बेचने की बात की और दो जनवरी 2025 को सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में जमीन लिखवा ली। धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने गोसाईगंज थाने के सैफुल्लागंज निवासी राजदेव निषाद, इसी थाना के पखनपुर के शातिर श्याम राज वर्मा, रामनगर धनपतगंज निवासी हरिप्रसाद उर्फ बिण्डल तथा सत्यदेव उर्फ मन्त्री के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया जिसके आधार पर मुकदमा जारी है।

गोराबारिक ने जीता नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन–5 का खिताब

तीन रन से देहली मुबारकपुर को हराकर बना विजेता,जिपं सदस्य नें सौंपी ट्रॉफी

विश्ववार्ता संवाददाता

गोसाईगंज-सुलतानपुर। अन्नपूर्णा नगर में 11 जनवरी 2026 से चल रहे नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन–5 का आज रोमांचक समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में गोरा बारिक की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देहली मुबारकपुर को तीन रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरा बारिक ने निर्धारित 10 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 99 रन बनाए और 100 रन का लक्ष्य रखा। टीम की ओर से उमेश ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 29 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल रहे।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी देहली मुबारकपुर की टीम ने भी दमदार मुकाबला किया, लेकिन निर्धारित 10 ओवरों में 96 रन ही बना सकी और मैच तीन रन से हार गई। देहली मुबारकपुर की ओर से अलमदार और जैद ने 26–26 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में भी उमेश ने कमाल दिखाया। उन्होंने अपने दो ओवर में केवल 14 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट झटके और मैच का रुख पलट दिया। उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं देहली मुबारकपुर के खिलाड़ी अलमदार को पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया।

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 146 रन बनाने पर देहली मुबारकपुर के बल्लेबाज धर्मेंद्र को बेस्ट बैट्समैन तथा 8 विकेट लेने पर अलमदार को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार दिया गया। यह पुरस्कार लाला मोबाइल की ओर से क्रमशः अल्ट्रा वॉच और नेक बैंड के रूप में प्रदान किए गए।

विजेता टीम गोरा बारिक और उपविजेता टीम देहली मुबारकपुर को जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार चतुर्वेदी (नंदन) ने ट्रॉफी सौंपी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार चतुर्वेदी ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया और दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। फाइनल मैच के दौरान भाजपा नेता प्रदीप सरकार मिश्रा भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में प्रभात पांडे, आत्माराम पाण्डेय, आशाराम वर्मा, भागवत प्रसाद वर्मा,अरविंद पांडे श्याम किशोर दूबे, हरिशंकर वर्मा, ओम लाल वर्मा सहित सैकड़ो की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

ज्ञापन यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ ब्राह्मण एकता परिषद का प्रदर्शन

बिल की प्रति फूंककर जताया विरोध, पुलिस से नोकझोंक

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने यूजीसी द्वारा हाल ही में अधिसूचित बिल के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संगठन का आरोप है कि ये नियम उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव को केवल अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के खिलाफ ही परिभाषित करते हैं, जिससे सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ उल्टा भेदभाव की आशंका बढ़ गई है।

कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश महासचिव महंत राज दुबे ने नेतृत्व किया। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के बाद प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी नियमों की प्रति को फूंककर विरोध जताया, जिस दौरान पुलिस से मामूली नोंकझोंक हुई।

महंत राज दुबे ने कहा, जब तक नियमों में पूरी स्पष्टता नहीं आती और सभी वर्गों के हितों की गारंटी नहीं मिलती, तब तक इन्हें लागू नहीं किया जाना चाहिए। जिला संगठन मंत्री सुरेन्द्र तिवारी ने बताया कि नए नियमों के अनुसार जाति-आधारित भेदभाव का मतलब केवल एससी, एसटी और ओबीसी सदस्यों के खिलाफ भेदभाव है। डॉ. सौरभ मिश्र विनम्र ने चिंता जताई कि नियमों में झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायत करने वालों के खिलाफ कोई स्पष्ट दंड का प्रावधान नहीं है, जिससे फर्जी शिकायतों के जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों को परेशान किया जा सकता है। अश्वनी उपाध्याय ने कहा कि 2026 के नियम संस्थानों में लागू होने के बाद सामान्य वर्ग के छात्रों को फर्जी शिकायतों में फंसाने की आशंका और बढ़ जाएगी।

प्रदर्शन के दौरान कथा वाचक शनि मिश्र, बृजेंद्र मिश्र, दीपक पांडेय, जय प्रकाश तिवारी, आशुतोष तिवारी, शरद चंद्र मिश्र, सुखदेव दुबे, बालमुकुंद दुबे, राहुल तिवारी, प्रिंस द्विवेदी, आदर्श मिश्र सहित दर्जनों ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

हादसे में घायल संविदा कर्मी की इलाज के दौरान मौत

गोसाईगंज-सुलतानपुर। सड़क हादसे में घायल संविदा कर्मी की उपचार के दौरान छठें दिन लखनऊ में मौत हो गई। निधन से परिवार में शोक व्याप्त है।

गोसाईगंज के बरुई निवासी अमित पांडेय (42) पुत्र स्वर्गीय कृपाशंकर किसान सहकारी चीनी में संविदा पर नौकरी करते थे। बीते 28 जनवरी की शाम वह बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। लखनऊ-बलिया राजमार्ग पर अन्नपूर्णा नगर के पास वह दूसरे बाइक सवार से टकराकर घायल हो गए। परिवारजन उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले गए। गंभीर अवस्था में चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। उपचार के दौरान सोमवार भोर में अमित की मौत हो गई। पिता कृपाशंकर की पहले ही मौत हो चुकी है। अमित अपने पीछे पत्नी राधा पांडेय, बेटी रिद्धि और बेटा विनायक छोड़ गए हैं। परिवार के लोग अमित की मौत से सदमें में हैं।

विद्यालयों का कायाकल्प शासन की प्राथमिकता

धनपतगंज बीआरसी में प्रधान–प्रधानाध्यापक का प्रशिक्षण सम्पन्न

धनपतगंज-सुलतानपुर। विकास खंड धनपतगंज के बीआरसी केंद्र पर ग्राम प्रधानों एवं प्रधानाध्यापकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह और विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि त्रिनेत्र पाण्डेय रहे। बीईओ दिलीप कुमार ने दोनों अतिथियों का माल्यार्पण एवं बैज लगाकर स्वागत किया।

मुख्य अतिथि शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि विद्यालयों का कायाकल्प वर्तमान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को न्याय पंचायत से एक-एक अध्यापक का सम्मान किया। सम्मानित शिक्षकों में रामस्वरूप, शारदा गोस्वामी, अनीता विश्वकर्मा, संगीता पांडेय, राम तीरथ रजक, विजय पाल तथा पीयूष सिंह शामिल रहे।

इस अवसर पर अमऊजासरपुर के प्रधान बब्लू मिश्रा, पण्डरे के प्रधान प्रतिनिधि अरशद, सरैया विरान के प्रधान बनारसी यादव, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री राम आशीष मौर्य, जूनियर शिक्षक संघ अध्यक्ष नवीन पाण्डेय, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक अरविन्द सिंह, शिक्षा मित्र संगठन के जिलाध्यक्ष दिनेश चन्द्रा, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अध्यक्ष दिग्विजय सिंह सहित गरिमा सिंह, राजेन्द्र सिंह, आदर्श मिश्रा, ओमकार तिवारी, देवमणि यादव, राम कृष्ण वर्मा, अनन्त राम जायसवाल, शिव प्रसाद तिवारी, हरि प्रसाद यादव, श्रद्धा पाठक, अशोक मिश्रा, देव ब्रत पाठक, दिनेश शुक्ला, दयाराम, श्याम बहादुर अकेला, अमरेन्द्र सिंह, बिजय प्रताप सिंह, आशा पाठक, मंजू मौर्य आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

सरपंच बनने के लिए छह साल की बेटी का मार्डर

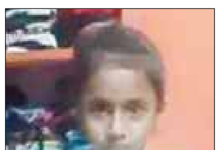

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में एक शख्स पर अपनी छह साल की बेटी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आरोपी राज्य में होने वाले आगामी पंचायत चुनाव में सरपंच बनने के लिए खुद को योग्य बनाना चाहता था। पुलिस के मुताबिक, केरूर गांव का रहने वाला 28 साल का पांडुरंग कोंडामंगले के तीन बच्चे हैं। इनमें एक तीन साल का बेटा और छह साल की जुड़वां बेटियां शामिल हैं। वह गांव में विराट सैलून नाम से दुकान चलाता था। वह पंचायत चुनाव में सरपंच का चुनाव लड़ना चाहता था। पांडुरंग को पंचायत चुनाव में लागू दो बच्चों के नियम के कारण अयोग्य होने की आशंका सता रही थी। दरअसल महाराष्ट्र पंचायत राज कानून के तहत दो से ज्यादा बच्चों वाले लोग पंचायत चुनाव नहीं लड़ सकते। इसलिए आरोपी ने अपनी एक बच्ची की हत्या कर दी। पांडुरंग पहले बच्ची को बाइक पर तेलंगाना के निजामाबाद जिले में स्थित निजामसागर नहर तक ले गया। वहां उसने कथित तौर पर बच्ची को नहर में धकेल दिया।

जम्मू में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन तेज

जम्मू। जम्मू क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एंटी-टेरर सर्च ऑपरेशन और तेज कर दिए हैं। सोमवार सुबह सांबा जिले के बारी ब्राह्मणा इलाके में आर्मी की क्विक रिएक्शन टीम ने संदिग्ध हालात में घूम रहे दो लोगों को हिरासत में लिया, जिन्हें पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। इसके अलावा रामनगर सेक्टर सहित उधमपुर और राजौरी के कई इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों के चलते तलाशी अभियान जारी है। वहीं, किश्तवाड़ जिले के बर्फीले चटरू इलाके में 16वें दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी है। यहां सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की जॉइंट टीम आतंकियों की तलाश कर रही है। यह अभियान जनवरी में हुई कई मुठभेड़ों के बाद से जारी है, जिनमें एक पैराट्रूपर शहीद और कई सैनिक घायल हुए थे।

दक्षिण कोलकाता में दो गुटों में झड़प

कोलकाता। कोलकाता के गोलपार्क इलाके में रविवार रात को हुई झड़प मामले में पुलिस ने 10 लोगों को अरेस्ट किया है। अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस ने बताया कि रविवार शाम करीब 8.30 बजे कंकुलिया रोड पर तब भड़की, जब दूसरे इलाके से आए युवकों का एक समूह स्थानीय लोगों से भिड़ गया। इस घटना में दो लोग घायल हुए। दोनों पक्षों की ओर से पथराव किया गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। झड़प के दौरान देसी बम फेंके गए और एक राउंड फायरिंग हुई। मौके से खाली कारतूस और बम के टुकड़े बरामद किए गए हैं। भीड़ ने कई मोटरसाइकिलों में तोड़फोड़ की और मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला किया। स्थिति को काबू में लाने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उपद्रवियों की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह हिंसा इलाके पर वर्चस्व स्थापित करने के उद्देश्य से की गई।

कश्मीर और अंडमान-निकोबार में भूकंप के झटके

नयी दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के बारामूला जिले में सोमवार सुबह 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप सुबह 5.35 बजे आया और इसका केंद्र पट्टन इलाका था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से अभी तक किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं निकोबार द्वीप समूह में भी 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। सोमवार को सुबह लगभग 3.30 बजे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में झटके महसूस हुए। इसका केंद्र 10 किमी की गहराई पर था।

राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान 3 फरवरी से खुलेगा

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान का उद्घाटन किया। यह उद्यान आम लोगों के लिए 3 फरवरी से 31 मार्च तक खुला रहेगा। सप्ताह में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक एंट्री होगी, जबकि अंतिम प्रवेश शाम 5 बजे तक मिलेगा। 4 मार्च को होली के दिन उद्यान बंद रहेगा। प्रवेश पूरी तरह फ्री होगी, जिसके लिए ऑनलाइन बुकिंग अनिवार्य है। एंट्री और एग्जिट गेट नंबर 35 से होगी।

सड़क हादसे में शिवसेना नेता की मौत

बीड़। महाराष्ट्र के बीड जिले में रविवार शाम को एक कार की टक्कर से 50 साल के शिवसेना नेता की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा अहमदनगर-अहिल्यानगर नेशनल हाईवे पर कैज तहसील के डाकेफल के पास हुआ। मृतक चंद्रकांत शाहजी इंगले, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कैज तहसील उपाध्यक्ष थे। वह एक धार्मिक कार्यक्रम से घर लौट रहे थे। तभी उनकी दोपहिया गाड़ी से एक कार टकरा गई, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं।

फिर बदला उत्तर भारत का मौसम

नयी दिल्ली। उत्तर भारत का मौसम फिर बदल गया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में रविवार शाम से देर रात तक बर्फबारी और बारिश हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक लगातार दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से 3 फरवरी तक हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी होगी। मैदानी राज्यों दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश होने की संभावना है। सोमवार सुबह 7 बजे तक आगरा, सरसवा, बरेली, हिंडन और बठिंडा में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी जीरो रही।

आठवीं की छात्रा से चार माह तक दुष्कर्म

बीना। सागर में सरकारी हॉस्टल में 12 साल की छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर करीब 4 महीने तक नाबालिग से रेप करता रहा। पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल लाया गया, जहां चेकअप के बाद उसके तीन महीने की गर्भवती होने का खुलासा हुआ। छात्रा भोपाल के हमीदिया अस्पताल में भर्ती है। कोतवाली थाने में जीरो पर कायमी कर केस डायरी खुरई भेजी गई है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह मूलतः विदिशा जिले के गंजबासौदा के एक गांव की रहने वाली है। हॉस्टल में रहकर 8वीं की पढ़ाई कर रही है। पीड़िता ने कहा- अल्ताफ नाम का युवक हॉस्टल में सब्जी देने आता था। सितंबर 2025 में वह जबरदस्ती छात्रा के कमरे में घुस आया। दरवाजा बंद कर छात्रा के साथ रेप किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। डरी-सहमी छात्रा ने इस बारे में किसी को नहीं बताया। इसके बाद आरोपी को जब भी मौका मिलता, वह दुष्कर्म करता रहा।

अब तक क्यों नहीं छपी नरवणे की पुस्तक?

पूर्व आर्मी चीफ ने कहा– प्रकाशक को लेनी है रक्षा मंत्रालय से मंजूरी

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की एक टिप्पणी को लेकर सोमवार को बवाल मच गया। दरअसल राहुल गांधी सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में हिस्सा लेने के लिए उठे थे। इस दौरान उन्होंने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे (रिटायर्ड) के एक किताब में उल्लेख किए गए संस्मरण का जिक्र करने लगे। हालांकि सत्तारूढ़ सांसदों ने इसका जमकर विरोध शुरू कर दिया और नियमों का हवाला देते हुए कहा कि सदन में किसी ऐसी किताब का हवाला नहीं दिया जा सकता, जो छपी न हो। इन सबके बीच पूर्व सैन्य प्रमुख नरवणे और उनकी यह किताब चर्चा के केंद्र में आ गई है।

बता दें कि एमएम नरवणे की किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' एक साल से ज्यादा समय से केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रही है। बीते दिनों उनसे इस पर सवाल भी पूछे गए कि आखिर

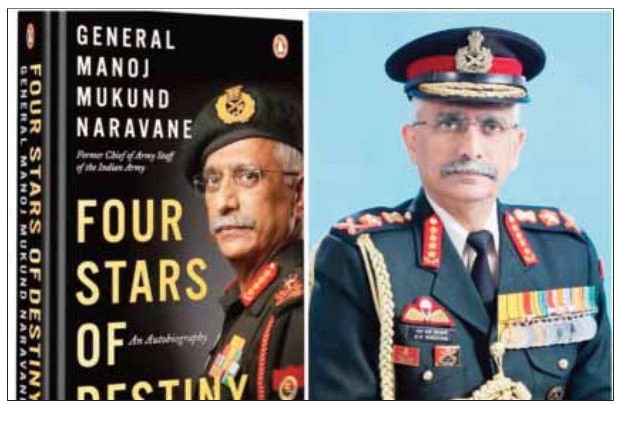

उनकी किताब अब तक छप क्यों नहीं पाई है। इस पर जवाब देते हुए पूर्व सैन्य प्रमुख ने कहा था कि उनका काम सिर्फ किताब लिखना है और पब्लिशर को रक्षा मंत्रालय से इजाजत लेनी है।

जनरल नरवणे ने यह बातें एक लिटरेचर फेस्टिवल में कही थीं। यहां उनकी लेटेस्ट फिक्शनल किताब, 'द कैंटोनमेंट कॉनस्पिरेसीः ए मिलिट्री थ्रिलर' पर एडमिरल निर्मला कन्नन (रिटायर्ड) के साथ चर्चा हुई। वहीं जब फेस्टिवल में एक मेहमान ने उनसे पूछा कि उनकी किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' अभी तक क्यों नहीं छपी, तो पूर्व सेना प्रमुख ने कहा, "मेरा काम किताब लिखना और उसे पब्लिशर्स को देना था। पब्लिशर्स को रक्षा मंत्रालय से इजाज़त लेनी थी। उन्होंने किताब उन्हें दे दी है। यह रिव्यू में है। यह अभी भी एक साल से ज्यादा समय से रिव्यू में है।"

जनरल एम एम नरवणे एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता भारतीय वायुसेना के अधिकारी रह चुके हैं। नेशनल डिफेंस एकेडमी और पुणे में इंडियन मिलिट्री एकेडमी से पढ़ाई करने वाले जनरल के पास डिफेंस स्टडीज में एमफिल की डिग्री भी है। जून 1980 में उन्हें सिख लाइट इन्फैंट्री की 7वीं बटालियन में कमीशन मिला। बाद में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राइफल्स की दूसरी बटालियन (सिख लाइट इन्फैंट्री) की कमान संभाली और 106 इन्फैंट्री ब्रिगेड का नेतृत्व किया। उन्होंने असम राइफल्स की कमान भी संभाली और कश्मीर तथा पूर्वोत्तर भारत में आतंकवाद-रोधी अभियानों में सेवा दी। 16 दिसंबर 2019 को उन्होंने पूर्व आर्मी चीफ और देश के पहले सीडीएस जनरल विपिन रावत के बाद आर्मी चीफ का पद संभाला था। वह 31 दिसंबर 2019 से लेकर 30 अप्रैल 2022 तक 27वें सेना प्रमुख रहे।

पूर्व सेना प्रमुख नरवणे ने रिटायर होने के बाद अपनी आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' लिखी। इस किताब के कुछ अंश दिसंबर 2023 में बाहर आए। प्रकाशक की तरफ से बताया गया कि यह किताब 2024 में प्रकाशित होने वाली है। इस किताब के नाम पर कई जगह पर ऑनलाइन प्री ऑर्डर भी होने लगे। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्रालय की अनुमति न मिलने की वजह से यह किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हो पाई है। इसी किताब के कुछ वाक्यों का प्रयोग करके आज राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा।

जानिये लोकसभा का नियम 349

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा के जिस नियम संख्या 349 का हवाला देते हुए सदन की कार्यवाही स्थगित की, उसे जानना भी जरूरी है। यह सवाल बराबर उठता है कि नियम 349 क्या है, जो राहुल गांधी को जनरल नरवणे का संस्मरण पढ़ने से रोक रहा है। लोकसभा की नियम पुस्तिका का नियम 349 सदन के भीतर सदस्यों के आचरण और मर्यादा से संबंधित है। यह नियम उन शिष्टाचारों को निर्धारित करता है जिनका पालन प्रत्येक सांसद को सदन की कार्यवाही के दौरान करना अनिवार्य होता है। यह नियम कहता है कि सदस्य सदन में नारे नहीं लगा सकते और न ही किसी तरह का प्रदर्शन कर सकते हैं। इस नियम की उपधारा एक में कहा गया है कि कोई भी सदस्य किसी अखबार की क्लिपिंग या मैगजीन में प्रकाशित अंश, कोई पुस्तक के अंश सदन में नहीं पढ़ सकते। इसके अलावा सदन के भीतर झंडे, प्रतीक चिन्ह, पोस्टर, तख्तियां या धार्मिक चित्र दिखाना वर्जित है। लोकसभा का नियम 349 यह भी कहता है कि सदस्य सदन में जोर-जोर से बात नहीं कर सकते, हंस नहीं सकते और न ही ऐसी कोई हरकत कर सकते हैं जिससे कार्यवाही में बाधा आए। इसके अलावा जब कोई अन्य सदस्य बोल रहा हो, तो उसे टोकना या उसके भाषण के बीच में बाधा डालना नियम का उल्लंघन माना जाता है। नियम कहता है कि सदस्यों को लोकसभा अध्यक्ष की बातों और निर्देशों का पालन करना होता है और उनकी अनुमति के बिना कोई भी मुद्दा नहीं उठा सकता।

अखिलेश के बोलते ही स्पीकर बिरला ने बंद कराया माइक

राहुल गांधी की बात का कर रहे थे समर्थन

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान सोमवार को चीन सीमा मुद्दे पर तीखा विवाद छिड़ गया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने डोकलाम घटना का जिक्र करते हुए पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब और एक मैगजीन आर्टिकल का हवाला दिया। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने नियमों का हवाला देकर राहुल को कई बार रोका, जिससे विपक्ष ने लोकतंत्र में चर्चा की स्वतंत्रता पर सवाल खड़े किए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने राहुल गांधी का खुलकर समर्थन किया। वे उठकर बोले कि चीन का मुद्दा बेहद संवेदनशील है और देश की सुरक्षा से जुड़ा होने के कारण राहुल को अपनी बात पूरी तरह रखने दिया जाना चाहिए।

अखिलेश यादव ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया, जॉर्ज फर्नांडिस और उनके पिता मुलायम सिंह यादव हमेशा चीन से सतर्क रहने की बात करते थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि चीन ने पहले ही भारतीय जमीनों पर कब्जा किया है, इसलिए संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संबंधों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर खुली चर्चा लोकतंत्र की बुनियाद है। विपक्ष के पक्ष को सुना जाना जरूरी है ताकि देश के सामने सही तथ्य आएं। अखिलेश के इस बयान पर स्पीकर ने उनका माइक तुरंत बंद करा दिया, जबकि अन्य नेताओं की आवाजें जारी रहीं।

राहुल गांधी ने अपने बयान में दावा किया कि 4 चीनी टैंक भारतीय धरती पर लगभग 100 मीटर तक पहुंच गए थे, जिससे देश की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं।

राहुल के मुद्दे पर अतिप्रतिक्रिया अनुचित : शशि थरूर

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। सोमवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे का जिक्र करते हुए मोदी सरकार पर सीधा हमला बोला। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने एलएसी पर चीनी टैंकों का भी जिक्र किया। इस मुद्दे पर संसद में जोरदार बहस हुई और सदन को अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी का मजबूती से बचाव किया और कहा कि इतना ओवर रिएक्ट जरने की जरूरत नहीं थी। थरूर ने तर्क दिया कि राहुल को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं दिया गया। लेख या बयान में सेना या सैनिकों को कतई दोषी नहीं ठहराया गया है। विवाद पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा लिए गए या न लिए गए फैसलों से जुड़ा है, और राहुल गांधी का यही मकसद था। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि सरकार को इतनी ज्यादा प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं थी।

दरअसल, इस विवाद की जड़ राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में 2020 के पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सैन्य गतिरोध से जुड़े सवाल उठाने की कोशिश थी।

बताया जाता है कि यह किताब 2020 के पूर्वी लद्दाख गतिरोध की परिस्थितियों पर रोशनी डालती है, जो मई की शुरुआत में पैंगोंग झील क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के बाद शुरू हुआ था। यह टकराव अंततः दोनों देशों के बीच दशकों का सबसे गंभीर सैन्य संकट बन गया।

वहीं, मंत्रियों ने तर्क दिया कि अप्रकाशित संस्मरण से उद्धरण देना अनुचित और भ्रामक है। विपक्षी नेताओं ने इसका खंडन करते हुए कहा कि राहुल गांधी जिस सामग्री का जिक्र करना चाहते थे, वह पत्रिका के लेख के जरिए पहले से ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और अभी भी आसानी से मिल जाती है।

ब्रिटिश प्रिंस ने एपस्टीन को अपनी बेटियों की तस्वीरें भेजीं

एजेंसी

लंदन। ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू ने 2008 में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन को अपनी बेटियों की तस्वीरें भेजीं थी। यह खुलासा 2010 और 2011 के ईमेल्स से हुआ है, जिसे जस्टिस डिपार्टमेंट ने 30 जनवरी को जारी किया था।

प्रिंस एंड्रयू की तरफ से एपस्टीन को 20 दिसंबर 2012 को एक कार्ड भेजा गया। इसमें कुल 4 तस्वीरें थीं। दो तस्वीरों में प्रिंसेस बीट्रिस को फरवरी 2012 में मोंट ब्लांक पर चढ़ाई करते हुए दिखाया गया है, जबकि प्रिंसेस यूजिनी की साइकिल चलाते तस्वीर भेजी गई थी। इस महीने की शुरुआत में प्रिंसेस यूजिनी ने अपने पिता एंड्रयू से सभी संपर्क तोड़ने का ऐलान किया था।

यह तस्वीरें उस समय भेजी गईं, जब एंड्रयू दावा कर चुके थे कि उन्होंने एपस्टीन से सभी संबंध खत्म कर दिए हैं। ब्रिटिश अखबार 'द सन' के मुताबिक उस समय यूजिनी 21 साल की और बीट्रिस 23 साल की थीं। नए दस्तावेजों के मुताबिक, 21 दिसंबर 2011 को 'एचआरएच द ड्यूक ऑफ यॉर्क' ईमेल आईडी से एपस्टीन को एक क्रिसमस कार्ड भेजा गया था। इसमें दोनों बहनों की बर्फ में ली गई तस्वीर थी। कार्ड पर एंड्रयू के साइन थे। एपस्टीन से जुड़े एक और मामले में गंभीर आरोप सामने आए हैं। एक महिला के वकील ने बताया कि एपस्टीन ने उसे प्रिंस एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन भेजा था। वकील के मुताबिक, यह कथित घटना साल 2010 की है। महिला और एंड्रयू की मुलाकात उनके निजी निवास रॉयल लॉज में हुई थी। महिला ब्रिटिश नागरिक नहीं थी और उस समय उसकी उम्र करीब 20 साल बताई जा रही है। अमेरिका की कानूनी फर्म एडवर्ड हेंडरसन से जुड़े वकील ब्रैड एडवर्ड ने कहा कि एंड्रयू के साथ रात बिताने के बाद महिला को शाही पैलेस घुमाया गया और वहां चाय भी पिलाई गई। आमतौर पर बकिंघम पैलेस आने वाले मेहमानों का रिकॉर्ड रखा जाता है, लेकिन महिला की पहचान सार्वजनिक न होने की वजह से उसके दौरे की पुष्टि नहीं की जा सकी। यह पहली बार है जब किसी एपस्टीन सर्वाइवर ने किसी शाही निवास में यौन संबंध होने का आरोप लगाया है।

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने प्रिंस एंड्रूय से अमेरिकी संसद की कमिटी के सामने गवाही देने को कहा है। दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने कई तस्वीरें जारी कीं जिसमें एंड्रूय को आपत्तिजनक हालत में देखा गया था। कुछ तस्वीरों में एंड्रयू एक महिला के ऊपर घुटनों के बल झुके हुए दिख रहे हैं, जो जमीन पर लेटी हुई है। वे महिला के पेट और कमर को छूते नजर आ रहे हैं। महिला की पहचान नहीं बताई गई है और वह पूरी तरह कपड़े पहने हुए है।

सर्वाइवर बोली– शाही महल में यौन संबंध के लिए मजबूर किया गया

एपस्टीन के दस्तावेज से यह भी पता चला है कि प्रिंस एंड्रयू की पत्नी सारा फर्ग्यूसन और एपस्टीन की दोस्ती काफी गहरी थी। सारा फर्ग्यूसन ने एपस्टीन को कई ईमेल लिखे थे। एक ईमेल में उन्होंने कहा था, ₹आप उस भाई की तरह हैं जो मैं हमेशा से चाहती थी। 2009 के एक ईमेल में सारा फर्ग्यूसन एपस्टीन को अपने कारोबार और किताबों से जुड़े मौकों की जानकारी देती हैं और लिखती हैं कि उनके साथ लंच करने के बाद उनकी जिंदगी में नई ऊर्जा आ गई। इसके अगले साल एक और मेल में वह लिखती हैं कि एपस्टीन की दरियादिली और मदद के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं और अंत में कहती हैं, "मैं तुम्हारी सेवा में हूं, बस मुझसे शादी कर लो।"

दलाई लामा को मिला ग्रैमी अवॉर्ड तो जल-भुन उठा चीन

कहा–वे अलगाववादी गतिविधियां चला रहे

एजेंसी

बीजिंग। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को 90 साल की उम्र में उनके शांति, करुणा और मानवीय मूल्यों के प्रसार के प्रयासों के लिए ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है लेकिन चीन को इससे मिर्ची लग गई है। चीन ने सोमवार को दलाई लामा को दिए गए ग्रैमी पुरस्कार की निंदा करते हुए कहा कि वह तिब्बती आध्यात्मिक नेता द्वारा इस सम्मान का उपयोग 'चीन विरोधी गतिविधियों' को अंजाम देने के लिए किए जाने का कड़ा विरोध करता है। दलाई लामा को पुरस्कार मिलने पर उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने चीन के इस आरोप को दोहराया कि 90 वर्षीय आध्यात्मिक नेता धर्म के नाम पर अलगाववादी गतिविधियां चला रहे हैं।

दरअसल, अमेरिका के लॉस एंजिल्स में हुए 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में दलाई लामा को उनकी ऑडियो बुक "मेडिटेशंसः द रिफ्लेक्शन ऑफ हिज हॉलीनेस द दलाई लामा' के लिए सम्मान मिला। यह अवॉर्ड उन्हें बेस्ट आडियो बुक, नैरेशंस एंड स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग कैटेगरी में दिया गया है। इस ऑडियो बुक में दलाई लामा शांति, करुणा, ध्यान

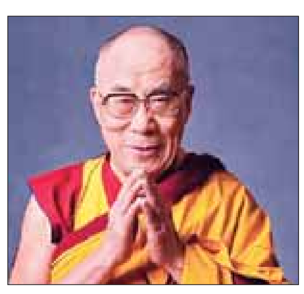

और इंसानी मूल्यों पर अपनी बातें साझा करते हैं, साथ ही इसमें संगीत और दूसरे कलाकारों की भी झलक है। मज़ेदार बात यह है कि इस कैटेगरी में उनके मुकाबले कॉमेडियन ट्रेवर नोआ और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की जज केतनजी ब्राउन जैक्सन जैसे नाम भी थे।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि दलाई लामा विशुद्ध रूप से धार्मिक व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने कहा, ₹वह एक राजनीतिक निर्वासित हैं, जो धर्म की आड़ में चीन विरोधी अलगाववादी गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध हैं।₹ उन्होंने कहा कि बीजिंग इस बात का पुरजोर विरोध करता है कि संबंधित पक्ष इस पुरस्कार का इस्तेमाल चीन विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए एक उपकरण के रूप में करें।

दलाई लामा 1959 में तिब्बत छोड़ने के बाद से हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में निर्वासन में रह रहे हैं। उनको तिब्बत को मुक्त कराने के लिए उनके निरंतर, अहिंसक संघर्ष के लिए 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने इस श्रेणी में कैथी गार्वर (एल्विस रॉकी एंड मीः द कैरल कॉनर्स स्टोरी), ट्रेवर नोआ (इंटू द अनकट ग्रास), केतनजी ब्राउन जैक्सन (लवली वनः ए मेमॉयर) और फैब मोरवन (यू नो इट्स ट्रूः द रियल स्टोरी ऑफ मिली वैनिली) जैसे कलाकारों को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता।

दलाई लामा ने यह पुरस्कार मिलने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मैं इस सम्मान को कृतज्ञता और विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं। मैं इसे व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि हमारी साझा वैश्विक जिम्मेदारी की मान्यता के रूप में देखता हूं।" उन्होंने कहा, "मेरा दृढ़ विश्वास है कि शांति, करुणा, पर्यावरण की देखभाल और मानवता की एकता की समझ, सभी आठ अरब लोगों के सामूहिक कल्याण के लिए आवश्यक है।" दलाई लामा ने कहा, "मैं आभारी हूं कि यह ग्रैमी सम्मान इन संदेशों को व्यापक रूप से फैलाने में मदद कर सकता है।"

दलाई लामा को दुनिया भर में शांति और अहिंसा का प्रतीक माना जाता है। वे नोबेल शांति पुरस्कार भी जीत चुके हैं। 1959 में तिब्बत में हुए विद्रोह के बाद वे भारत आ गए थे और तब से यहीं रह रहे हैं। उनका ग्रैमी जीतना एक तरफ जहाँ उनकी शिक्षाओं को मिला वैश्विक सम्मान दिखाता है, वहीं दूसरी तरफ यह भी साफ करता है कि तिब्बत और चीन से जुड़ा विवाद आज भी खत्म नहीं हुआ है। कुल मिलाकर, शांति की बात करने वाला एक संत जब म्यूज़िक अवॉर्ड जीता है, तो दुनिया खुश है लेकिन राजनीति गरम हो गई है।

वांगचुक लद्दाख को नेपाल-बांग्लादेश बनाना चाहते थे

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसा बनाना चाहते हैं। ऐसे व्यक्ति को और जहर उगलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच लद्दाख हिंसा मामले में एक्टिविस्ट वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वांगचुक के भाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सीधा खतरा दिखता है। जिला मजिस्ट्रेट ने हालात को देखते हुए गिरफ्तारी का सही फैसला लिया। मेहता ने कहा कि नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे उदाहरण देना, युवाओं को भड़काने और देश की एकता के खिलाफ माहौल बनाने के बराबर है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पर्याप्त आधार है। मामले की सुनवाई अब मंगलवार को दोपहर 2 बजे फिर होगी। दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया गया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं। सरकार का तर्क था कि सुप्रीम कोर्ट नजरबंदी आदेश की पर्याप्तता नहीं परखता, यह जिलाधिकारी के अपने आकलन का मामला है। सोनम वांगचुक के भाषण में दिए बयान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा दिखाते हैं। ऐसे उदाहरण देना और कहना कि जेल जाने से बदलाव आएगा, एनएसए लगाने के लिए पर्याप्त है।

चीन की मिसाइलों में फ्यूल की जगह पानी भर दिया

रिपोर्ट में दावा– यह चीनी रॉकेट फोर्स का सबसे बड़ा घोटाला, कई मिसाइलें खुल भी नहीं पायीं

एजेंसी

बीजिंग। चीन की रॉकेट (मिसाइल) फोर्स का बड़ा घोटाला सामने आया है। ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ की खबर के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की 2024 की रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिमी चीन में कुछ मिसाइलों में फ्यूल की जगह पानी भरा हुआ था।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जिन जगहों से इन मिसाइलों को जमीन के नीचे बने जिन साइलो से लॉन्च किया जाना था, वे भी ठीक नहीं थे। ये साइलो इतने भारी और खराब तरीके से बनाए गए थे कि उनके ढक्कन खुल ही नहीं पा रहे थे। इन खुलासों के बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की रॉकेट फोर्स के पूरी टॉप लीडरशिप को हटा दिया।

पिछले महीने पीएलए में भ्रष्टाचार के मामले में सबसे बड़ी कार्रवाई की गई। चीन की सेना की

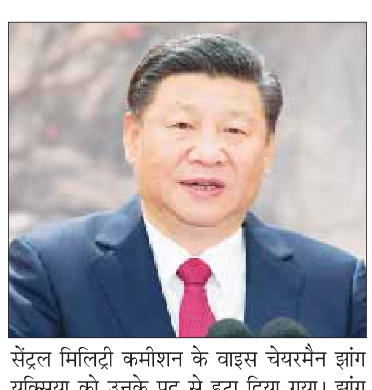

सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के वाइस चेयरमैन झांग यूक्सिया को उनके पद से हटा दिया गया। झांग पीएलए के सबसे सीनियर अफसर थे और शी जिनपिंग को बचपन से जानते थे। इसके बावजूद उन्हें हटाया जाना दिखाता है कि इस कार्रवाई में किसी को भी बख्शा नहीं गया। सीएमसी के अब तक पांच अफसर हटाए जा चुके हैं। जानकारों का कहना है कि यह सिर्फ भ्रष्टाचार के खिलाफ कदम नहीं है। शी जिनपिंग चाहते हैं कि सेना पूरी तरह उनके नियंत्रण में रहे और एक ऐसी आधुनिक फौज बने, जो जरूरत पड़ने पर ताइवान पर हमला कर सके। उनका लक्ष्य है कि 2027 तक सेना पूरी तरह तैयार हो और 2049 तक चीन की फौज अमेरिका से भी ज्यादा ताकतवर बन जाए। चीन मामलों के पूर्व सीआईए एक्सपर्ट जोनाथन जिन के मुताबिक, इस पूरे अभियान का पैमाना बेहद बड़ा है। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार एक तरफ सेना को कमजोर कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ शी जिनपिंग इसी मुद्दे के जरिए सेना को अपने राजनीतिक और रणनीतिक लक्ष्यों के मुताबिक ढाल रहे हैं।

चीनी सेना के अखबार पीएलए डेली के मुताबिक, जनरल झांग पर आरोप है कि उन्होंने सेना में उस व्यवस्था का पालन नहीं किया, जिसमें सभी फैसलों में सीधे राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बात मानी जाती है। अखबार ने कहा कि झांग ने इस सिस्टम को गंभीर रूप से नजरअंदाज किया। हालांकि, जनरल झांग पर लगे आरोपों की पूरी जानकारी चीन ने सार्वजनिक नहीं की है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि उन्होंने चीन के परमाणु हथियारों से जुड़ी जानकारियां अमेरिकी एजेंसियों तक पहुंचाईं। यह भी कहा गया है कि उन्होंने ताइवान पर हमले की तय समय-सीमा से असहमति जताई थी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जनरल झांग सेना में एक व्यक्ति के आदेश की बजाय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति निष्ठा पर जोर दे रहे थे।

ताइवान पर नजर, लेकिन जल्दबाजी नहीं

एक्सपर्ट्स का मानना है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ताइवान को सीधे युद्ध के बजाय राजनीति के रास्ते अपने साथ जोड़ना ज्यादा पसंद करेंगे। वजह यह है कि ताइवान पर हमला करने की कीमत बहुत बड़ी होगी। ताइवान में 2028 में चुनाव होने हैं और फिलहाल वहां की राजनीति कुछ हद तक चीन के पक्ष में जाती दिख रही है।लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि शी जिनपिंग सेना को ढील दे रहे हैं। वे चाहते हैं कि सेना हर हाल में तैयार रहे। इसी वजह से नवंबर में उन्होंने ताइवान से जुड़े इलाके की जिम्मेदारी संभालने वाले ईस्टर्न थिएटर के 7 जनरलों समेत 9 वरिष्ठ अधिकारियों को हटा दिया। इसके अगले ही महीने चीन ने ताइवान के आसपास अब तक के सबसे बड़े सैन्य अभ्यास कराए।

जयेश मीडिया प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **रोहित बाजपेयी** द्वारा दि इंडियन एक्सप्रेस लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ से मुद्रित और 33 कैंट रोड निकट ओडियन सिनेमा लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- **मनोरंजन सिंह***, **उत्तराखंड कार्यालय-** जे.एन. प्लाजा कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, जिला जज न्यायालय के सामने, हरिद्वार रोड, देहरादून
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय में मान्य होगा।
RNI No. UPHIN/2008/28657 Phone No.: (BSNL) 0522-2619671, 2619672 Phone No.: (AIRTEL) 0522-4323301, 4323302, 4323303 E-Mail: vishwavarta.response@gmail.com, dailyvishwavarta@yahoo.com dailyvishwavarta@rediffmail.com